RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2013-2016
Despatch Date - 02 November, 2016

अंक - 5 (मासिक) वर्ष - 12 नवम्बर, 2016 मूल्य 30/-

अपनों के लिए-अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

महालक्ष्मै नमस्तुभ्यम्

'नवशक्ति-समृद्ध'

अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन

'कल्पना' की उड़ान 'आशा' के साथ

कल्पना गगडानी
नव निर्वाचित अध्यक्ष

आशा माहेश्वरी
नव निर्वाचित महामंत्री

FREE REGISTRATION AT
www.srimaheshwarimelapak.com

श्री माहेश्वरी मेलापक

फैसला आपके हाथ
कौन होंगे
माहेश्वरी ऑफ द ईयर

MAHESHWARI OF THE YEAR 2016

WORK FROM HOME

NO DEPOSIT! NO OFFICE SPACE!

Looking For Smart Candidates To Work From Home
For Our Leading Travel Agency.
Hotel Bookings Of Below Renowned Chain Of Hotels All Over India

MARRIOTT · GRAND HYATT · TAJ Hotels Resorts and Palaces · The Oberoi · SAHARA STAR · PARK HYATT GOA RESORT AND SPA · ITC HOTELS RESPONSIBLE LUXURY

TRIDENT HOTELS · AAMBY VALLEY CITY · ST REGIS · Hilton HOTELS & RESORTS · NOVOTEL · THE LEELA · Fairmont JAIPUR

THE LALIT · Radisson HOTELS & RESORTS · THE RITZ-CARLTON · JW MARRIOTT · CONRAD HOTELS & RESORTS · Radisson BLU · ananta Spa & Resorts

For Further Details Call:

Kailash Kabra: 91 9619480777 / 09015188888
kabra@kabrabalaji.com
635, Ijmima Complex, Behind Goregaon Sports Club, Link Road, Malad (W), Mumbai-64. T.: 022 - 42141313

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

» अंक-5 » नवम्बर, 2016 » वर्ष-12

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री बनवारीलाल जाजू (इन्दौर)

अतिथि सम्पादक
कु. प्रगति एन. भट्टड़ (बैंगलोर)

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
बंशीलाल भूतड़ा 'किरण' (इन्दौर)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे), साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

- श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
- सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
- PNB A/c. No. : 0459002100043471
  IFSC- PUNB0045900
- ICICI A/c. No. : 030005001198
  IFSC- ICIC0000300

Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

संतुलित जीवन से ही चित्त को शांति

विचार क्रान्ति

अमेरिका के उद्योगपति एंड्रयू कार्नेगी अरबपति थे। जब वह मरने को थे तो उन्होंने अपने सेक्रेटरी से पूछा- 'देख, तेरा-मेरा जिंदगीभर का साथ है। एक बात मैं बहुत दिनों से पूछना चाहता था। ईश्वर को साक्षी मानकर सच बताओ कि अगर अंत समय परमात्मा तुझसे पूछे कि तू कार्नेगी बनना चाहेगा या सेक्रेटरी, तो तू क्या जवाब देगा?'

सेक्रेटरी ने बेबाक उत्तर दिया- 'सर! मै तो सेक्रेटरी ही बनना चाहूँगा।' अरबपति कार्नेगी बोले- 'क्यों? 'इस पर सेक्रेटरी ने कहा- 'मैं आपको 40 साल से देख रहा हूँ। आप दफ्तर में चपरासियों से भी पहले आ धमकते हैं और सबके बाद जाते हैं। आपने जितना धन आदि इकट्ठा कर लिया उससे अधिक के लिए निरंतर चिंतित रहते हैं। आप ठीक से खा नहीं सकते, रात को सो नहीं सकते। मैं तो स्वयं आपसे पूछने वाला था कि आप दौड़े बहुत, लेकिन पहुँचे कहाँ? यह क्या कोई सार्थक जिंदगी है? आपकी लालसा, चिंता और संताप देखकर ही मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि 'हे भगवान! तेरी बड़ी कृपा, जो तूने मुझे एंड्रयू कार्नेगी नहीं बनाया।'

यह सुनकर कार्नेगी ने अपने सेक्रेटरी से कहा- 'मेरे मरने के बाद तुम अपना निष्कर्ष सारी दुनिया में प्रचारित कर देना। तुम सही कहते हो। मैं धनपति कुबेर हूँ। लेकिन काम से फुर्सत ही नहीं मिली, इस कारण बच्चों को समय नहीं दे पाया, पत्नी से अपरिचित ही रह गया, मित्रों को दूर ही रखा, बस अपने साम्राज्य को बचाने-बढ़ाने की निरंतर चिंता करता रहा। अब लग रहा है कि यह दौड़ व्यर्थ थी।'

'कल ही मुझसे किसी ने पूछा था- 'क्या तुम तृप्त होकर मर पाओगे?' मैंने उत्तर दिया- 'मैं मात्र दस अरब डॉलर छोड़कर मर रहा हूँ। सौ खरब की आकांक्षा थी, जो अधूरी रह गई।'

सबक- *यह उदाहरण उन लोगों के लिए शिक्षाप्रद सिद्ध हो सकता है, जो पाश्चात्य संस्कृति की दौड़ में धन की लालसा लिए चिंता, भय, तनाव, ईर्ष्या आदि जैसे मनोरोगों से ग्रसित होकर सार्थक जीवन के वास्तविक आनंद से वंचित हो रहे हैं।*

वोट पर चोट

चुनाव एक बहुत व्यवस्थित प्रक्रिया है, जब तक कि इसके प्रावधानों का प्रजातांत्रिक तरीके से सभी पालन करें। यदि कोई इसकी सीमाओं को लांघने या प्रावधानों को अपने तरीके से इस्तेमाल करना चाहता है, तो पूरी प्रक्रिया सवालों के घेरे में आ जाती है। फिर इन सवालों से संदेह और आशंकाओं का बीजारोपण होता है, जिससे पक्षकारों के बीच का सद्‌भाव तिरोहित होने के साथ-साथ विवादों की शृंखला खड़ी हो जाती है। यह स्वस्थ चुनाव प्रणाली के लिये घातक है। इसके दुष्परिणाम यदि जानना हैं, तो राजनीतिक स्तर पर फैली वैमनस्यता और आए दिन होने वाली घटनाओं में देखा जा सकता है।

यह दोष सामाजिक संस्थाओं में न आए, इसके लिए जरूरी है कि हम इनसे दूर रहें, लेकिन पश्चिमांचल के चुनाव की घटना ने इस चिंता को बढ़ा दिया है। अध्यक्ष पद के चुनाव में दो प्रतिद्वंद्वियों को समान वोट मिलने पर मौजूदा अध्यक्ष का वोट फैसले के लिए लिया जाता है। यदि मौजूद अध्यक्ष वोट देना न चाहे तो गोटी से फैसला करने का प्रावधान है। यहां चुनाव अधिकारी ने अध्यक्ष का मत डलने के बावजूद प्रावधान के अनुरूप फैसला न करते हुए फैसला केंद्रीय समिति पर टाल दिया। इसके पीछे क्या कारण है और चुनाव अधिकारी को यह संविधान विरुद्ध कार्रवाई क्यों करना पड़ी? इसका कोई जवाब नहीं मिल रहा। लेकिन इससे पक्षों में संशय और एक-दूसरे के प्रति वैमनस्यता पनप रही है। फैसला टल जाने से संस्था के सामने भी असमंजस खड़ा हो गया है। चुनाव अधिकारी को साहस के साथ प्रावधान अनुसार कार्रवाई करना थी, नतीजा जो भी होता।

इस मामले में महिला संगठन ने निर्विरोध चुनाव में फिर बाजी मार ली। नवनियुक्त अध्यक्षा कल्पना गगडानी उज्जैन की बेटी हैं। उज्जैन संस्कारधानी है। उनसे समाज की महिलाओं को काफी उम्मीदें हैं। उन्हें माहेश्वरी टाइम्स की शुभकामनाएँ कि वे अपने कार्यकाल को ऐतिहासिक रूप से सफल करेंगी। रही बात श्री माहेश्वरी महासभा की तो जिस दिशा में समाज बढ़ रहा है, उसमें सफलता जरूर मिलेगी। सभापति पद के बाद महामंत्री, अर्थमंत्री और संगठन मंत्री पद पर भी आम सहमति बनाने में हमारे अग्रज श्रेष्ठ कामयाबी हासिल कर चुके हैं। इससे महासभा के चुनाव को लेकर चल रहा ऊहापोह खत्म हो जाएगा। सर्वानुमति के फैसले का फायदा भी समाज को मिलेगा। अध्यक्ष पर दबाब तो रहेगा ही कि उन्होंने यह पद अपनी ताकत से हासिल नहीं किया, समाज ने जिम्मेदारी दी है। नतीजतन उन्हें और ज्यादा समर्पण और संयम के साथ काम कर समाज को आगे ले जाना होगा। महासभा के चुनाव में अंचलों में भी सर्वानुमति हो जाए तो निश्चित तौर से यह इतिहास बनेगा। समाज के लोग अपने नेतृत्वकारों की जय-जयकार करेंगे।

अंत में मैं समस्त पाठकों तथा सम्पूर्ण समाज को दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूं। इसके साथ ही यह कामना करता हूं कि यह दीपपर्व सभी के अन्तस में व्याप्त विग्रह व विद्वेष के भाव को तिरोहित कर सभी के मन में सहयोग व सद्‌भाव का संचार करें।

जय महेश!

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

बालदिवस की पूर्व बेला पर इस बार इस स्तम्भ की जिम्मेदारी सौंपी गई है समाज की बाल प्रतिभा सुश्री प्रगति एन. भट्टड़ को।

सुश्री प्रगति एन. भट्टड़ की पहचान न सिर्फ समाज अथवा देश बल्कि इन सरहदों से भी आगे संपूर्ण विश्व में एक प्रख्यात डाँसर व कोरियोग्राफर के रूप में है। इसमें भी उनकी पहचान एक ऐसी कलाकार के रूप में है, जो किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि भरतनाट्यम व परम्परागत नृत्यों के साथ उन्होंने बालीवुड तथा हिपहौप जैसे पाश्चात्य नृत्य में भी शोहरत हासिल की। एकल नृत्य में सुश्री भट्टड़ 3 अंतरराष्ट्रीय तथा 25 राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त कर चुकी हैं। भरतनाट्यम में स्कॉलरशिप प्राप्त की। वे अभी तक 8 गोल्ड, 9 सिल्वर व 3 कांस्य सहित सैकड़ों पदक प्राप्त कर चुकी हैं। विश्व के लगभग 196 देशों की राजधानियाँ सुश्री भट्टड़ की कला की गवाह बनीं। उनकी यह यात्रा मात्र 4-6 वर्ष की आयु में प्रारंभ हुई। कला के क्षेत्र में इन योगदानों के कारण उन्हें कलाश्री तथा आर्यभट्ट जैसे अतिप्रतिष्ठित अवॉर्डों से भी सम्मानित किया गया। उनकी प्रतिभा सिर्फ कला के क्षेत्र में ही नहीं है, उन्होंने थाइलैंड में आयोजित इंटरनेशनल लेवल अबेकस काम्पीटिशन में द्वितीय रनर अप तथा राष्ट्रीय निबंध स्पर्धा में प्रथम पुरस्कार भी प्राप्त किया है। अपने गहन चिंतन से सुश्री भट्टड़ युवा पीढ़ी का प्रतिनिधित्व कर रही हैं।

बच्चों की प्रतिभा को भी सँवारें

बच्चे एक बेशकीमती प्राकृतिक संसाधन हैं और उनका सर्वांगीण विकास ही सुरक्षित भविष्य की बुनियाद है। बच्चों की आत्मा सहानूभुति, दया और उदारता से परिपूर्ण होती है। आवश्यकता है तो इन्हें ताउम्र बनाए रखने की, ताकि बच्चे सदैव भगवान के दूत बने रहें और विश्व में शांति की मिसाल बनें।

यह सब पढ़कर लगता होगा कि सभी बड़े बच्चों को कितना प्यार व सम्मान देते हैं? विडंबना है कि बच्चे ताउम्र बच्चे नहीं रहते, उनकी मासूमियत छिन जाती है, क्यों? इसका सिर्फ एक ही मूलभूत कारण है, उनके प्रति किया गया दुर्व्यवहार, मार, डांट जो उनकी कौमलता और सहजता को कठोरता तथा कृत्रिमता में परिवर्तित कर देती है। कहते भी हैं कि बच्चों के साथ रहने पर आत्मा स्वस्थ हो जाती है, क्योंकि बच्चों में भगवान बसते हैं, जो सभी का हर पल मार्गदर्शन करते हैं। वर्तमान में सभी बच्चे विज्ञान के आधुनिकतम ज्ञान से अपडेट हैं। विभिन्न तकनीकों में पारंगत हैं। आवश्यकता है तो बड़ों से सकारात्मक दिशा मिलने की।

हर बच्चे को खेलना बहुत पसंद होता है, आवश्यकता है तो रुचि के खेल का चयन कर उन्हें आगे बढ़ाने की। खेलकूद शारीरिक व मानसिक दोनों के विकास के लिये अत्यावश्यक है, ये आत्मविश्वास को भी बढ़ाते हैं। बच्चों की रुचि के अनुसार उन्हें उसमें सही मार्गदर्शन देकर आगे बढ़ाया जा सकता है। खरगोश को उड़ने की शिक्षा दी जाये तो वह सफल नहीं होगा, लेकिन अगर उसे दौड़ने की शिक्षा दी जाये तो वह सबसे आगे होगा। यही बात सब पर लागू होती है।

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है और शेयरिंग उसका मूलभूत गुण है, जिसे उसे सिखाने की जरूरत नहीं होती है। वैसे ही जैसे मछली को तैरना सिखाना नहीं पड़ता, बस अपने पैरेंट्स को देखकर उनका अनुसरण करती हैं। हमारा समाज बहुत उन्नति कर रहा है, इसमें कोई दो राय नहीं और इसीलिए हम बच्चों की भी माहेश्वरी समाज से बहुत अपेक्षाएँ हैं। जैसे बैंगलोर शहर बहुत बड़ा होने के कारण यहां एक से अधिक माहेश्वरी भवन हैं अतः सभी लोग निश्चय ही समाज के सभी कार्यक्रमों के भागीदार बन सकते हैं। समाज में अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के आयोजन होना चाहिये। साल में कम-से-कम एक बार। इसके साथ ही उन्हें साहसिक अभियान पर भी ले जाया जाए। ये ना सिर्फ हमें साहसिक बनाएगा अपितु सामाजिकता को भी बढ़ावा देगा। हम बच्चों के लिये सभी प्रकार की प्रतियोगिताएँ होनी चाहिए, जैसे कुकिंग, सिंगिंग, डांसिग आदि। समय-समय पर ''कैरियर ओरिएंटेशन'' की वर्कशॉप भी होनी चाहिये। ये सभी गतिविधियाँ हम सभी को मजबूती से एक तार में बाँधकर रखेंगी और हमारा समाज भी किसी बात में पिछड़ा नहीं रहेगा।

अन्त में समस्त समाजजनों को मैं समाज के बच्चों की ओर से दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ देती हूँ। ईश्वर से कामना करती हूँ कि समाज में नई सोच का संचार करें।

धन्यवाद !

प्रगति एन. भट्टड़
अतिथि सम्पादक
Mo. 9164325435 | e-mail : shailbhattad@yahoo.co.in

श्री गायल माताजी

माताजी का मंदिर राजस्थान के जोधपुर जिले के ग्राम 'आसोप' में स्थित हैं जो कि जोधपुर से लगभग 90 किलोमीटर दूर है।

वैसे तो माताजी का मूल मंदिर आसोप से लगभग 20 किलोमीटर दूर ग्राम 'हर-खेड़ा' गांव में स्थित है, जहाँ पर माताजी स्वयंभू प्रकट हुई थी।

बाद में कालान्तर में मंदिर की स्थापना संवत 1667 में ग्राम 'आसोप' में हुई।

माताजी की मूर्ति अत्यन्त चमत्कारी है, कहा जाता है कि मन में श्रद्धा रखकर माँ का ध्यान करें तो माँ भक्तगणों के कार्यों को शीघ्र ही पूरा कर देती है।

सुविधाएं

मंदिर में यात्री भक्तों के ठहरने के लिये धर्मशाला में हर मौसमानुकूल सुविधा उपलब्ध है। यहां पर शुद्ध सात्विक भोजन की उपलब्ध रहता है।

उत्सव-आयोजन

दोनों नवरात्रों (चैत्र एवं शारदीय) पर पूरे दिवस उत्सव, भजन कीर्तनों का आयोजन होता है खूब धूम रहती है।

पहुँचने की व्यवस्था

- आसोपा के निकट जोधपुर है जो कि बस, ट्रेन, विमान सेवा द्वारा जुड़ा हुआ है।
- अजमेर से नागौर और नागौर से आसोप बस, कर द्वारा जाया जा सकता है।

अन्य -

आरती एवं भोग

आरती

(सुबह 7.30 बजे)

भोग

(सुबह 10 से 10.30 बजे)

संध्या एवं शयन आरती

(सायंकाल 6 से 6.30 बजे)

उसके बाद मंदिर के पट बन्द हो जाते हैं।

- मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष श्री गोरधन झंवर है,
फोन : 0291-2644941,
मो. 94144-18587 है।
इनसे जानकारी प्राप्त की जा सकती है।
- श्री माहेश्वरी टाईम्स के राजस्थान के प्रतिनिधि सुधीर जे. कालाणी
फोन : 0291-2541368,
मो. 9414300306
e-mail : skalani@gmail.com से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

महिला संगठन की पूरी कार्यकारिणी फिर निर्विरोध निर्वाचित

अभा माहेश्वरी महिला संगठन ने 11वें सत्र में भी दोहराया इतिहास - गगडानी बनी राष्ट्रीय अध्यक्ष

हरिद्वार. अभा माहेश्वरी महिला संगठन समाज का एक ऐसा शीर्ष संगठन है जो परस्पर सद्भाव के लिये जाना जाता है। इसी सद्भाव के नजारे गत दिनों हरिद्वार में आयोजित संगठन की चुनावी बैठक में भी नजर आये। फिर से नवीन सत्र के लिए एक नहीं, बल्कि सभी पदों के पदाधिकारियों का चयन संगठन ने सर्वसम्मति से ही किया।

कल्पना गगडानी

आशा माहेश्वरी

अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन के कार्यकारी मंडल की बैठक गत 15-16 अक्टूबर को उत्तरांचल अधिवेशन अभिनंदम् के साथ आयोजित हुई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशीला काबरा थीं। प्रमुख अतिथि के रूप में समाजसेवी वंदना शारदा, कार्यक्रम अध्यक्ष राष्ट्रीय उत्तरांचल उपाध्यक्ष मंजू बांगड़, विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय महामंत्री कल्पना गगडानी, पूर्व अध्यक्ष शोभा सादानी तथा राधाकृष्ण धाम के प्रमुख महंत श्री सतपालजी थे। दीप प्रज्वलन एवं महेश पूजन कर अभिनंदनम् का शुभारंभ किया गया। अतिथि स्वागत प्रेमा झंवर ने किया। इसी अवसर पर माहेश्वरी महिला ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित पुस्तिका 'समन्वय' का विमोचन स्वामी केशवाचार्यजी के कर-कमलों से हुआ। अगले दिन सर्वसम्मति से संगठन के 11वें सत्र (वर्ष 2016-19) के पदाधिकारियों का चयन हुआ।

पूर्व से ही निर्धारित थे नाम

महिला संगठन में मतदान के स्थान पर चयन की गौरवशाली प्रक्रिया है। इसी कारण इस शीर्ष संगठन के चुनावों की सरगर्मी सुनाई भी नहीं देती। संगठन का 10वां सत्र समाप्ति की ओर है। अतः नई कार्यकारिणी के चयन की प्रक्रिया संगठन के अंदर लंबे समय से चल रही थी। इसके लिये सर्वसम्मति से विभिन्न पदाधिकारियों के नाम तय कर दिये गये थे। इस बैठक के दौरान केवल इन प्रत्याशियों के प्रस्ताव रखे गये और इन्हें ध्वनिमत से स्वीकृत किया गया। कोई शोरगुल या विरोध नहीं। बस सभी कुछ प्रसन्नता के साथ हो गया।

'कल्पना' भरेंगी अपनी 'कल्पना' के रंग

इस बैठक में सर्वसम्मति से समाज की प्रखर वक्ता सेवानिवृत्त प्राध्यापिका व वर्तमान सत्र की महामंत्री प्रो. कल्पना गगडानी को अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। श्रीमती गगडानी अभी तक महिला संगठन के कार्यक्रमों में महिलाओं के कॅरियर को महत्व देते हुए उनके संस्कर संवर्धन पर भी विशेष रूप से अपने उद्बोधन देती रहीं हैं। अतः आशा की जा रही है कि इस 11वें सत्र में महिला संगठन महिलाओं के स्वावलंबन की योजनाएँ तो बनाएगा ही साथ ही ऐसे संस्कार शिविरों का भी आयोजन करेगा जिससे नवयुवतियाँ कॅरियर व परिवार के बीच संतुलन स्थापित कर सकें।

कुशल साथियों का साथ

किसी भी नेतृत्व की सफलता के लिये उसे कुशल साथियों की भी जरूरत होती है। इस 11वें सत्र में उन्हें सर्वसम्मति से निर्वाचित महामंत्री आशा माहेश्वरी (कोटा), कोषाध्यक्ष कौशल्या गट्टानी (उदयपुर) तथा संगठन मंत्री मंजू बांगड़ (कानपुर) का साथ मिल रहा है। इन तीनों की सेवाओं से भी समाज अच्छी तरह परिचित है। उन्होंने तन-मन-धन से न सिर्फ संगठन व समाज की सेवा की है, बल्कि अन्यों को सहयोगी भी बनाया है।

अंचलों में भी सेवा की ज्योति

अंचलों के पदाधिकारियों का भी सर्वसम्मति से ही चयन हुआ। इसके अंतर्गत उत्तरांचल में उपाध्यक्ष कांता गगरानी (आगरा) व सहमंत्री शर्मिला राठी (दिल्ली), पूर्वांचल में उपाध्यक्ष सरला काबरा (गुवाहटी), सहमंत्री मंजू कोठारी (कोलकाता), पश्चिमांचल में उपाध्यक्ष ममता मोदानी (भीलवाड़ा), सहमंत्री फुलकुंवर मूंदड़ा (जोधपुर), मध्यांचल में उपाध्यक्ष ज्योति राठी (रायपुर), सहमंत्री मंगल मर्दा (वापी) तथा दक्षिणांचल में उपाध्यक्ष शैला कलंत्री (येवला) व सहमंत्री प्रकाश मूंदड़ा (बेंगलुरु) चुनीं गईं।

सेवा ट्रस्ट और पत्रिका के लिए भी चुनाव

सर्वसम्मति से इसी अवसर पर माहेश्वरी महिला सेवा ट्रस्ट की पदाधिकारियों का चयन भी हुआ। इसमें अध्यक्ष रतनी बाई काबरा मुंबई, कार्याध्यक्ष गीता मूंदड़ा इंदौर, सचिव ललिता मालपानी इंदौर, कोषाध्यक्ष सरस्वती रांदड़ चित्तौड़ व सहसचिव मंगल मानधने जालना चुनी गईं। संगठन द्वारा प्रकाशित पत्रिका 'माहेश्वरी महिला' के लिए संपादक सुशीला काबरा इंदौर, अध्यक्ष मनोरमा लड्ढा ग्वालियर, उपाध्यक्ष पुष्पलता परतानी, सचिव लता लाहोटी, सहसचिव शोभा सादानी तथा सहसंपादक रेखा माहेश्वरी चुनी गईं।

परिचय पुस्तिका विमोचित

विवाह संबंध समिति की संयोजिका शर्मिला राठी द्वारा बायोडाटा संकलन की 'विवाह परिचय पुस्तिका' का विमोचन मुख्य अतिथि वंदना शारदा के कर कमलों द्वारा करवाया गया। इसी अवसर पर विवाह संबंध समिति ने महाराष्ट्र और विदर्भ को सबसे अधिक बायोडाटा के योगदान के लिए पुरस्कृत किया। अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा समाज की प्रतिभाशाली महिलाओं को सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया गया।

सहयोग राशि हुई 30 हजार

तृतीय सत्र में सर्वप्रथम माहेश्वरी महिला ट्रस्ट की बैठक संपन्न हुई। इसमें सभी को ट्रस्ट के प्रगति की जानकारी दी गई। इसके साथ ही नई ट्रस्टी सदस्याओं को सम्मानित भी किया गया। सर्वसम्मति से लिए गए निर्णयानुसार ट्रस्ट द्वारा प्रदान की जाने वाली सहयोग राशि को 10 हजार से बढ़कार 30 हजार रुपए तक करने का निर्णय लिया गया। आगामी सत्र के लिए प्रबंध समिति का चयन भी किया गया। इसके साथ ही माहेश्वरी महिला पत्रिका और एमएमयू ब्रांड के विषय में भी चर्चा हुई।

स्वर्ण श्रीयंत्र

सृष्टि का ब्लूप्रिंट

श्रीयंत्र जिस स्थान पर स्थापित किया जाता है, वहाँ सौभाग्य, समृद्धि और शान्ति आकर्षित होते हैं। मॉस्को विश्वविद्यालय में हुए शोध से इस बात की पुष्टि होती है कि श्रीयंत्र के साथ ध्यान करने से मस्तिष्क की तरंगें अल्फा स्तर पर पहुँच जाती हैं - अल्फा स्तर अन्तर्ज्ञान, रचनात्मक, विश्राम व गहरे ध्यान से जुड़े मन की एक अवस्था है। पौराणिक शास्त्रों में श्रीयंत्र को यंत्रराज अथवा यंत्र शिरोमणी भी कहा गया है।

स्वर्ण श्रीयंत्र आध्यात्मिक प्रगति और समृद्धि का प्रतीक है।

स्वर्ण श्रीयंत्र पौराणिक शास्त्रों के अनुसार –
- सटीक संरचना • उपयुक्त वज़न,
- पाँच सकारात्मक धातुओं(24 कैरेट सोने की परत, चाँदी, ताँबा, जस्ता एवं निकल)
- सही रंग और • अंतर्राष्ट्रीय स्तर की गुणवत्ता के साथ बनाया गया है।

यह स्वर्ण श्रीयंत्र को पूर्ण प्रमाणिक एवं आदर्श श्रीयंत्र बनाते हैं।

पौराणिक शास्त्रों तंत्रराज तंत्रम्, सौभाग्यलक्ष्म्युपनिषद् , लक्षसागर तथा दक्षिणामूर्तिसंहिता में कहा गया है कि लक्ष्मी, यश, आरोग्य तथा सुख प्राप्ति के लिए श्रीयंत्र सर्वोत्तम साधन हैं।

वे परम भाग्यशाली हैं जिनके जीवन में श्रीयंत्र का साथ है। या यूँ कहें कि जिनका भाग्योदय होना होता है उन्हे सहज ही श्रीयंत्र का साथ मिलता है।

श्रीयंत्र ब्रम्हाण्ड से ब्रम्हाण्डीय ऊर्जा को आकर्षित करता है। अमेरिकी शोध में यह सिद्ध हुआ है कि श्रीयंत्र, पिरामिड से 70 गुना अधिक ऊर्जा आकर्षित करता है। आभा फोटोग्राफी एवं ऊर्जा चक्र स्कैन से यह स्पष्ट है कि श्रीयंत्र की उपस्थिति मात्र से मनुष्य के आभामंडल और सातों ऊर्जा चक्रों में सुधार होता है, जिससे सुख, समृद्धि और आयु में वृद्धि होती है। श्रीयंत्र वास्तु दोषों को भी दूर करता है।

सम्पर्क :

ऋषि-मुनि वैदिक सॉल्युशन

90, विद्या नगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.), दूरभाष : 0734-2526561, 2526761, मो. 94250 91161

तीन आकारों में उपलब्ध –

S-81mm L-108mm EL-243mm

पंजीकृत डिज़ाइन

पश्चिमी मप्र में फहरा 'जय महेश पेनल' का परचम

सभी पदों पर एक तरफा जीत, विवाद के बाद रुका अध्यक्ष का फैसला, ईनानी का अध्यक्ष बनना लगभग तय

बेटमा. पश्चिमी म.प्र. प्रादेशिक माहेश्वरी सभी के चुनाव गत 23 अक्टूबर को सम्पन्न हुए, जिसमें जय महेश पैनल ने एकतरफा जीत हासिल की। इसके बावजूद अध्यक्ष पद का फैसला दो प्रत्याशियों के समान मतों के कारण लम्बित हो गया।

अध्यक्ष पद हेतु जय महेश पैनल से राजेंद्र ईनानी (बागली) व विकास पैनल से ईश्वर बाहेती (इंदौर) एवं निर्दलीय के रूप में ओमप्रकाश भराणी (घाटाबिल्लोद) उम्मीदवार थे। मतगणना में राजेंद्र ईनानी व ईश्वर बाहेती को 91-91 मत व ओमप्रकाश भराणी को 88 मत प्राप्त हुए थे। श्री ईनानी व बाहेती को बराबर मत प्राप्त होने से देर रात तक निर्णय नहीं हुआ व विधान की समीक्षा होती रही। अब इसका फैसला केंद्रीय निर्वाचन समिति करेगी। वैसे विधानानुसार तो श्री ईनानी का अध्यक्ष बनना लगभग तय है।

अन्य पदों पर 'जय महेश पैनल'

चुनाव में मानद मंत्री पद हेतु पुष्प माहेश्वरी (इंदौर) ने 148 मत प्राप्त कर विजय हासिल की। प्रतिद्वंद्वी ओमप्रकाश बियाणी (उज्जैन) को 122 मत मिले। संगठन मंत्री पद हेतु अनिल मंत्री (इंदौर) को 165 व उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी मदनलाल मानधन्या (बाग) को 105 मत मिले। कोषाध्यक्ष पद हेतु राम तोतला (बेटमा) 142 मतों के साथ विजयी हुए। प्रतिद्वंद्वी बाबूलाल राठी (रतलाम) को 124 मत मिले। उपाध्यक्ष के 4 पदों में से सिर्फ एक पद पर ही निर्वाचन हुए। इसमें सुनील गगरानी (नीमच) ने 79 मत प्राप्त कर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी से बाजी मार ली। रामरतन लड्ढा (उज्जैन), नरेंद्र धीरन खंडवा तथा कमलकिशोर लड्ढा (इंदौर) सर्वसम्मति से उपाध्यक्ष चुने गये। संयुक्त मंत्री डॉ राजेंद्र पलोड सनावद, मांगीलाल अजमेरा बड़ावदा, बालकृष्ण माहेश्वरी शाजापुर तथा चंद्रप्रकाश लड्ढा महू चुने गये।

इनको मिले 'समान मत'

राजेन्द्र ईनाणी

ईश्वर बाहेती

पुष्प माहेश्वरी
मानद मंत्री

अनिल मंत्री
संगठन मंत्री

रामचन्द्र तोतला
कोषाध्यक्ष

रामरतन लड्ढा
उपाध्यक्ष

नरेन्द्र धीरन
उपाध्यक्ष

सुनील गगरानी
उपाध्यक्ष

कमलकिशोर लड्ढा
उपाध्यक्ष

डॉ. राजेन्द्र पलोड़
संयुक्त मंत्री

बालकृष्ण माहेश्वरी
संयुक्त मंत्री

चन्द्रप्रकाश लड्ढा
संयुक्त मंत्री

माँगीलाल अजमेरा
संयुक्त मंत्री

टीम वर्क ने दिलाई सफलता

इस चुनाव में एक तरफा जीत हासिल करने वाली जय महेश पेनल की प्रतिद्वंद्वी विकास पेनल को समाज के कई प्रभावशाली लोगों का सहयोग प्राप्त हो रहा था। इसके बावजूद जय महेश पेनल की सफलता ने यह सिद्ध कर दिया कि समर्पित समाजसेवी जब एकजुट होते हैं, तो सभी उसी का साथ देते हैं। जय महेश पेनल के संयोजक रवींद्र राठी, अशोक डागा, महेश तोतला, महेश मूंगड़, कमल लड्ढा एवं पुष्कर बाहेती के नेतृत्व में टीम ने समाज में गहन संपर्क किया। उनके इन प्रयासों ने रंग दिखाया और पूरी पेनल को समाज का भारी बहुमत प्रदान करवा दिया। इसके बावजूद अध्यक्ष पद का निर्णय रोकने पर भी समाज में व्यापक चर्चा चलती रही कि जब पूरी पेनल को ही स्पष्ट जनादेश मिला है, तो फिर चुनाव परिणाम रोकने का औचित्य क्या है?

क्या है विधान में नियम

विधान में स्पष्ट है कि समान संख्या में मत प्राप्त होने पर अध्यक्ष को एक अतिरिक्त मत देने का अधिकार होगा अथवा चिट्ठी निकालकर भी निर्णय लिया जा सकेगा।

इससे स्पष्ट है कि यदि किन्हीं कारणवश अध्यक्ष अपना एक अतिरिक्त मत देने में असमर्थ हो या अनुपस्थित हो, तो द्वितीय विकल्प चिट्ठी डालकर निर्णय लिया जा सकता है।

लेकिन हुआ क्या?

प्राप्त जानकारी के अनुसार निर्वाचन अधिकारी श्री मोदानी ने विधान की मंशा का पालन करते हुए अध्यक्ष को एक अतिरिक्त मत लेकर मत को विधिवत सील करके केन्द्रीय निर्वाचन समिति से निर्देश प्राप्त कर फैसला करने का निर्णय लिया।

क्यों किया फैसला लंबित

तीन में से दो प्रत्याशी अध्यक्ष के अतिरिक्त मत के उपयोग के पक्षधर थे। इसके बावजूद इसे न मानते हुए श्री बाहेती द्वारा चिट्ठी निकालकर निर्णय लेने की माँग की। इस निर्णय पर समाज में व्यापक प्रतिक्रिया होती रही कि विधान में उल्लेखित होने के बाद भी आखिर ऐसा क्यों? सम्भवतः निर्वाचन अधिकारी के समक्ष प्रथम अवसर समान मत वाला आया है। इस कारण से निर्वाचन अधिकारी को केन्द्रीय निर्वाचन समिति से निर्देश प्राप्त होने तक फैसला लम्बित रखने का निर्णय लिया है। वैसे केंद्रीय निर्वाचन समिति भी विधानानुसार निर्णय लेगी तो निर्णय श्री ईनानी के पक्ष में ही रहेगा।

समर्पित समाजसेवी की उपेक्षा

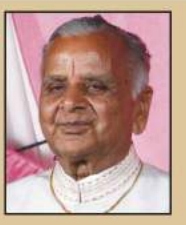

इस चुनाव में एक तरह से निर्दलीय प्रत्याशी की तरह अध्यक्ष पद के लिये घाटाबिल्लोद के समाजसेवी ओमप्रकाश भरानी चुनावी मैदान में उतरे थे। उन्हें किसी भी गुट का समर्थन नहीं था, फिर भी अकेले अपने बलबुते पर वे 88 मत हासिल करने में सफल रहे। बताया जाता है कि गत 2 चुनावों में भी वे प्रत्याशी थे, लेकिन समाज के गणमान्य जनों के आग्रह पर उन्होंने अपना नामांकन वापस ले लिया था। इस बार पुनः उन पर चुनाव में न खड़े होने के लिये एक गुट ने दबाव बनाया था, लेकिन वे समाज की राजनीति व समर्पित समाज सेवियों की उपेक्षा से इतने आहत थे कि अपने आपको रोक नहीं सके। समाज में चर्चा है कि जब बिना किसी पैनल के सहयोग के ही वे 88 मत ला सकते हैं, तो यदि उन्हें पैनल विशेष का सहयोग मिलता तो फिर क्या होता?

रांदड़ बनी समाज की प्रदेशाध्यक्ष

नागौर. चुनाव अधिकारी सरस्वती रांदड़ चितौडगढ़ व पर्यवेक्षक श्रीमती गट्टाणी उदयपुर की देख-रेख में मध्य राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन के चुनाव पुष्कर सेवा सदन में हुए।

सुनीता रांदड़

शांता धूत

किशनगढ निवासी सुनीता रांदड़ सर्वसम्मति से प्रदेशाध्यक्ष चुनी गईं। रांदड़ वर्तमान में भाजपा महिला मोर्चा नागौर जिलाध्यक्ष के पद पर भी सेवा दे रही हैं। सचिव पद पर मतदान में बिजयनगर निवासी शांता धूत विजय रहीं।

> "जिंदगी को आसान नहीं
> बस खुद को मजबूत बनाना पड़ता है।"

परिचय सम्मेलन में किया समाजसेवियों का सम्मान

दमोह. 29वाँ अखिल भारतीय माहेश्वरी विवाह योग्य युवा परिचय सम्मेलन 15 अक्टूबर 2016 को आयोजित हुआ। इस अवसर पर समाजसेवी जगदीश मूंधड़ा (धामनोद) व समाजसेवी प्रहलाददास लड्ढा (इंदौर) का सम्मान धार जिला माहेश्वरी समाज द्वारा किया गया। अखिल भारतीय माहेश्वरी सभा के पूर्व उपाध्यक्ष रंगनाथ न्याती, धार जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष श्याम भांगड़िया, नारायण मालू, प्रहलाद आगीवाल, प्रतीक मूंदड़ा आदि अतिथि के रूप में मौजूद थे।

जिला माहेश्वरी सभा व तहसीलों के भी हुए चुनाव

नागपुर. जिला माहेश्वरी सभा के चुनाव 28 सितंबर को अर्पण विजय चांडक चुनाव प्रभारी, गोविंद मंत्री जिला चुनाव अधिकारी, कमलकिशोर माहेश्वरी प्रदेश पर्यवेक्षक, घनश्याम चांडक सहायक, श्याम सोनी पूर्व महामंत्री की उपस्थिति में निर्विरोध हुए। इसमें शिवरतन गांधी अध्यक्ष, दिनेश राठी सचिव, घासीराम मालू व देवकीनंदन बिसानी काटोल उपाध्यक्ष, गोविंद लाहोटी कोषाध्यक्ष, बृजगोपाल दरक संगठन मंत्री, मधुसूदन बिंझाणी प्रचार मंत्री, विजय राठी व भरतकिशोर कासट सावनेर सहसचिव नियुक्त किये गए।

तहसीलों के चुनाव भी सम्पन्न हुए। इसमें नगर माहेश्वरी सभा नागपुर में पुरुषोत्तम मालू अध्यक्ष, राजेश काबरा सचिव, मथुरादास पनपालिया उपाध्यक्ष, अशोक चांडक कोषाध्यक्ष, अनिल मंत्री संगठन मंत्री, संजय लोया प्रचार मंत्री, ईश्वर काकानी सहसचिव चुने गए। काटोल तालुका माहेश्वरी सभा में मोहन सांवल अध्यक्ष, संकेत चांडक सचिव, सतीश राठी उपाध्यक्ष, गौरिय डांगरा कोषाध्यक्ष, गिरीश लड्ढा संगठन मंत्री, निश्चल बिसानी सहसचिव तथा कोंढाली तालुका माहेश्वरी पंचायत में घनश्याम गांधी अध्यक्ष, विजय मूंधड़ा सचिव, दशरथ लड्ढा उपाध्यक्ष, सुभाष राठी कोषाध्यक्ष, हिंगना तालुका माहेश्वरी संघटन में हरीश बंग अध्यक्ष, अनिल मनियार सचिव, पंकज बंग उपाध्यक्ष, नरेश बंग कोषाध्यक्ष, रमेश असावा संगठन मंत्री, नरेश मनियार प्रचार मंत्री, मनोज बंग सहसचिव चुने गए। उमरेड़ तालुका माहेश्वरी सभा में दामोदर मुंधड़ा अध्यक्ष, राजेश डागा सचिव, घासीलाल मोहता उपाध्यक्ष, गोपालदास तापड़िया कोषाध्यक्ष, संजय गांधी संगठन मंत्री, चंदू नत्थानी सहसचिव, सावनेर तालुका माहेश्वरी सभा में सागर चांडक अध्यक्ष, शिवकुमार भूतड़ा सचिव, जयप्रकाश चांडक उपाध्यक्ष, भरतकिशोर कासट कोषाध्यक्ष, कामठी तालुका माहेश्वरी सभा में संतोष लखोटिया अध्यक्ष, राजेश झंवर सचिव, रमन गांधी उपाध्यक्ष, गजानन राठी उपाध्यक्ष, राजेश मुंधड़ा कोषाध्यक्ष, मनीष लखोटिया संगठन मंत्री, विजय चांडक सहसचिव चुने गये। नगर माहेश्वरी सभा की छह क्षेत्रीय सभा में भगवानदास राठी अध्यक्ष व ओमप्रकाश भैया सचिव, प्रदीप मूंधड़ा अध्यक्ष व हरेश सोनी सचिव, विजय लड्ढा अध्यक्ष व श्रीकिसन लखोटिया सचिव, सुरेश गांधी अध्यक्ष व सोमप्रकाश मंत्री सचिव, अशोक मुंधड़ा अध्यक्ष व अजय राठी सचिव, बद्रीनारायण छप्परवाल अध्यक्ष व सुरेश गांधी सचिव चुने गए।

बंग बने सहकारी बैंक फेडरेशन अध्यक्ष

हैदराबाद. महेश बैंक के चेयरमैन इमीरेट्स रमेशकुमार बंग को उनकी कार्यक्षमता व समर्पित सेवाओं के कारण तेलंगाना प्रदेश सहकारी बैंक्स एवं क्रेडिट सोसायटीज फेडरेशन लि. के अध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित किया गया। उल्लेखनीय है कि संयुक्त आंध्रप्रदेश के विभाजन के बाद वर्ष 2014 में तेलंगाना प्रदेश नगरीय सहकारी बैंक्स एवं क्रेडिट सोसायटीज फेडरेशन लि. का गठन हुआ था। यह संगठन तेलंगाना प्रदेश की नगरीय सहकारी बैंकों एव क्रेडिट सोसायटीज का प्रतिनिधि संगठन है। श्री बंग इसके पूर्व आंध्रप्रदेश नगरीय सहकारी बैंक्स एवं क्रेडिट सोसायटीज एसोसिएशन के भी अध्यक्ष रह चुके हैं। वर्तमान में वे नई दिल्ली स्थित (नेफकॉब) नेशनल फेडरेशन ऑफ को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक्स के निदेशक भी हैं। इसके साथ वे अभा माहेश्वरी महासभा में कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेदारियों का निर्वहन भी कर रहे हैं। वरंगल माहेश्वरी समाज द्वारा इस उपलब्धि पर श्री बंग का स्वागत किया गया। इस अवसर पर वरंगल अध्यक्ष प्रहलाद सोनी, रमेशचंद्र बंग, आंध्रप्रदेश माहेश्वरी सभा अध्यक्ष रामपाल अटल, महेश बैंक के चेयरमैन पुरुषोत्तम मानधनिया आदि मौजूद थे।

बागड़ी समाजसेवा गौरव से सम्मानित

नागपुर. भारतीय जनता पार्टी सांस्कृतिक आघाड़ी एवं कलादालन फाउंडेशन की ओर से समाजसेवक शरद बागड़ी को समाजसेवा गौरव पुरस्कार प्रदान किया गया। उन्हें मुख्य अतिथि एवं भाजपा नागपुर शहर महामंत्री संदीप जोशी के हाथों शॉल-श्रीफल से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन साइंटिफिक हॉल आठ रास्ता चौक में किया गया। इस मौके पर रूपल गडकरी प्रमुखता से उपस्थित थीं। शरद बागड़ी भाजपा नागपुर शहर के महामंत्री व लायंस क्लब ऑफ नागपुर के सचिव भी हैं। कार्यक्रम के संयोजक कलादालन फाउंडेशन की माधवी पांडे व कुणाल गडेकर जैन थे।

"यूं तो गलत नहीं होते अंदाज चहेरों के
लेकिन
लोग वैसे भी नहीं होते जैसे नजर आते हैं।"

अनमोल कालानी ने जीते 5 पदक

जयपुर. गत दिनों इंदौर में आयोजित सीबीएसई स्कूल्स वेस्ट जोन की तैराकी स्पर्धा में समाज के कक्षा छठवीं के छात्र अनमोल कालानी ने 3 स्वर्ण, 1 रजत तथा 1 कांस्य पदक प्राप्त किया है। अनमोल जयपुर निवासी अभिषेक कालानी के सुपुत्र तथा समाज के वरिष्ठ सुशील कालानी के पौत्र हैं। वे इससे पूर्व जिला, राज्य व राष्ट्र स्तर पर भी कई पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं।

माहेश्वरी उद्योगपति श्री बांगड़ को राष्ट्रीय पुरस्कार

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने किया उत्कृष्ट उद्यमिता के लिए सम्मानित

उज्जैन. शहर के उद्योगपति आनंद बांगड़ को सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (भारत सरकार) द्वारा राष्ट्रीय उत्कृष्ट उद्यमिता के प्रथम राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इसके साथ माहेश्वरी समाज की उपलब्धि में एक और पृष्ठ और जुड़ गया।

गत दिनों पंजाब के लुधियाना में आयोजित एक सम्मान समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह पुरस्कार प्रदान किया। इस मौके पर पंजाब के राज्यपाल बीपी सिंह बदनौर, मुख्यमंत्री प्रकाशसिंह बादल, केंद्रीय मंत्री कलराज मिश्र, पीयूष गोयल, केंद्रीय राज्यमंत्री गिरिराजसिंह, हरिभाई चौधरी सहित कई गणमान्यजन भी मौजूद थे। राष्ट्रीय स्तर का यह पुरस्कार उत्कृष्ट उद्यमिता (मध्यम उद्यम श्रेणी) के लिए प्रदान किया गया। आयोजन में श्रीजी पॉलीमर्स के कार्यकारी निर्देशक विष्णु जाजू एवं श्री बांगड़ की धर्मपत्नी मंगला बांगड़ भी मौजूद थीं। राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करने के बाद श्री बांगड़ ने बताया कि वर्तमान में फॉर्मास्युटिकल पैकेजिंग के लिए हमारी कंपनी बॉटल, कैप्स और वेरियस अप्लीकेटस, डिलेवरी डोजेस डिवाइसेस बनाती है, जिन्हें भारत की सभी बड़ी फॉर्मास्युटिकल कंपनियों के लिए तैयार किया जा रहा है। साथ ही जो पैकेजिंग मटेरियल डेवलप किया, उसकी मांग अब भारत ही नहीं यूरोप, अमेरिका सहित चायना में भी बढ़ने लगी है, जिन्हें विदेशों में भी एक्सपोर्ट किया जाता है। आपने इस उपलब्धि का श्रेय अपनी पूरी टीम की मेहनत को दिया।

दीपावली पर्व के अवसर पर सभी माहेश्वरी बन्धुओं को हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएँ

भोपालगंज क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा

भीलवाड़ा (राज.)

रमेशचंद्र नामधराणी
अध्यक्ष
7593975533

प्रहलादराय हिंगड
उपाध्यक्ष

मूलचंद बिड़ला
उपाध्यक्ष

नरेश सोमाणी
उपाध्यक्ष

दिनेश जागेटिया
सहमंत्री

ओमप्रकाश काबरा
सहमंत्री

अशोक मालू
मंत्री
9414112257

केदारमल नुवाल
कोषाध्यक्ष

रामनिवास लड्ढा
संगठनमंत्री

बाबूलाल काबरा
प्रचारमंत्री

आनंद मुछाल
सदस्य

कैलाश ईनाणी
सदस्य

रामपाल सोमानी
सदस्य

प्रहलाद लड्ढा
सदस्य

बालमुकंद कोगटा
सदस्य

बृजमोहन मंडोवरा
सदस्य

प्रहलादराय सोनी
सदस्य

सुशील देवपुरा
सदस्य

लादुलाल सोनी
सदस्य

नरेंद्र पटवारी
सदस्य

प्रितम काबरा
सदस्य

गोपाल कोगटा
सदस्य

आजाद तोतला
सदस्य

केदारमल कोगटा
सदस्य

गोपाल सोनी
सदस्य

कमलकिशोर समदानी
सदस्य

विनोद खटौड
सदस्य

सुमित जागेटिया
सदस्य

मनोज डाड
सदस्य

ओमप्रकाश लड्ढा
सदस्य

विनोद जागेटिया
सदस्य

तदर्थ महिला समिति के हवाले पश्चिमी उत्तरप्रदेश

अनियमितता के आरोप में निर्वाचित कार्यकारिणी भंग - कई संगठनों ने जताया आक्रोश

कासगंज. विगत माह अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा पश्चिम उत्तरप्रदेश माहेश्वरी सभा की निर्वाचित कार्यकारिणी को भंग कर दिया गया। इसके स्थान पर एक तदर्थ समिति गठित कर इसे प्रदेश की बागडोर सौंपी गई है। संगठन के इस निर्णय का प्रदेश की कई संस्थाओं ने विरोध किया और कुछ पदाधिकारियों पर सीधे-सीधे पक्षपात का आरोप ही लगा दिया।

प्राप्त जानकारी अनुसार राष्ट्रीय महिला संगठन द्वारा कुछ संगठनों की शिकायत पर सर्वप्रथम तो प्रदेश अध्यक्ष उर्मिला चाँडक को पदमुक्त किया गया। इसके बाद प्रदेश कार्यकारिणी ही भंग कर दी और इसके स्थान पर एक तदर्थ समिति गठित कर दी। इस तदर्थ समिति में कार्यकारिणी की सचिव व कुछ गिनी चुनी पदाधिकारियों को ही शामिल किया गया। जब पुनः चुनाव की मांग की गई, तब भी एक वर्ष पश्चात ही चुनाव की सम्भावना जताई जा रही है। इसका अर्थ है कि कम से कम एक वर्ष तक तो यह प्रदेश निर्वाचित कार्यकारिणी के बजाय इस तदर्थ समिति के भरोसे ही रहेगा।

जो हुआ वह विधान के अनुसार हुआ

पश्चिम उत्तरप्रदेश माहेश्वरी महासभा की कार्यप्रणाली को लेकर प्रदेश की कई पदाधिकारियों से शिकायत प्राप्त हुई थी। इन शिकायतों पर विधानानुसार कार्यवाही की गई। इसके पश्चात् विधान के अनुसार ही निर्वाचित कार्यकारिणी के स्थान पर समाज हित में तदर्थ महिला समिति गठित की गई। इस पूरी कार्रवाई में कहीं भी कोई पूर्वाग्रह नहीं रहा।

- सुशीला काबरा
अध्यक्ष, अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन

बिना जाँच के कर दी कार्रवाई

प्रदेश की कार्यकर्ता प्रशिक्षण समिति संयोजिका अरुणा लाहोटी कासगंज, फिरोजाबाद अध्यक्ष सुधा चाँडक, जिलाध्यक्ष मोना मूंदड़ा, जलेसर जिलाध्यक्ष शशि राठी, युवा संगठन प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन माहेश्वरी हापुड़ सहित प्रदेश के कई संगठन के पदाधिकारियों ने शोभा सादानी सहित कुछ प्रभावशाली पदाधिकारियों पर पक्षपात के गंभीर आरोप लगाए। इनका कहना है कि नियमानुसार शिकायत प्राप्त होने पर संगठन की जांच करनी थी। इसके स्थान पर बिना जाँच किये ही प्रदेश संगठन के पदाधिकारियों को कार्यमुक्त कर दिया गया। वास्तव में जिन जिला संगठनों की ओर से शिकायत प्राप्त होने का उल्लेख अ.भा. महिला संगठन ने किया है, उनमें से कुछ के पदाधिकारियों ने तो ऐसी शिकायत से ही इनकार कर दिया, वहीं कुछ ने पद आदि के लालच में शिकायत पर हस्ताक्षर करना बताया है।

अब अवैधानिक वसूली

प्रदेश के विभिन्न संगठन अब तदर्थ समिति की कार्यप्रणाली से भी खासे नाराज नजर आ रहे हैं। इनका आरोप है कि विधान विरुद्ध थोपी गई तदर्थ समिति मनमानी कर रही है। इसके द्वारा हरिद्वार में आयोजित अभा माहेश्वरी महिला संगठन की बैठक में शामिल होने के लिये सदस्याओं से जबर्दस्ती 2000 रुपए मांगे गये। इस वसूली का भी सभी ने एकजुट होकर विरोध किया। उनका आरोप है कि इस तदर्थ समिति के गठन की जानकारी भी विधानानुसार पत्र के माध्यम से संगठन ने प्रेषित नहीं की और केवल वाट्सअप संदेश से ही कर्तव्यों की इतिश्री कर ली। इससे इसकी जानकारी सिर्फ उन्हें ही मिली जो वाट्सअप ग्रुप में जुड़े हुए हैं।

> "मनुष्य का पतन कार्य की अधिकता से नहीं वरन कार्य की अनियमितता से होता है।"

शरद महोत्सव हुआ सम्पन्न

शुजालपुर. गत 15 अक्टूबर को माहेश्वरी समाज ने शरद उत्सव बड़ी धूमधाम से विजय चांडक के निवास पर मनाया। इसमें समाज के सभी बंधु सपरिवार शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत समाज के वरिष्ठ सदस्य हीरालाल चांडक व अध्यक्ष अशोक सोमानी ने भगवान महेश व लड्डू गोपाल की पूजा कर की। इसके बाद आरती समाज बंधुओं ने की। महिला मंडल ने भजन पेश किए। इसके बाद दूध-अमृत का वितरण किया गया। कार्यक्रम में जगदीश गुप्ता, मनीष शारदा, राकेश बाहेती आदि मौजूद थे। सचिव राकेश बाहेती ने सभी का आभार माना।

दीपावली के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ

श्री माहेश्वरी समाज सेवा समिति, सुभाष नगर, भीलवाड़ा

ओमप्रकाश मालू
अध्यक्ष
मो. 94130 56438

कैलाशचन्द्र सामरिया
मंत्री
मो. 94142 62320

Maheshwari Enterprises
Sales & Service for all Types Electronics Weighing Scales

Ashish Maloo - 98290 45047
4, Basment, Behind Bheruji Mandir Complex, Near Milan Talkies, Bhilwara (Raj.)

आयुषी कार श्रृंगार

साउंड सिस्टम, MP-3, सेंट्रल लॉक, पावर विंडो, सीट कवर एवं एसेसरीज के थोक विक्रेता
95, Ext., होण्डा एक्टिवा शौरूम वाली गली, सुभाष नगर, भीलवाड़ा (राज.), फोन : 01482-237230
कमलेश सामरिया 94133 58058

माहेश्वरी समाज ने मनाया शरदोत्सव

भोपाल. माहेश्वरी समाज में जन्म होना भी हमारे सुरक्षित भविष्य की गारंटी है। उक्त उद्गार मप्र के उपलोकायुक्त न्यायमूर्ति उमेशचंद्र माहेश्वरी ने भोपाल जिला माहेश्वरी समाज के शरदोत्सव, भजन संध्या और रक्तदाता सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। इस अवसर पर विशिष्ठ अतिथि अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के संयुक्त मंत्री (मध्यांचल) वैद्यराज रमेशकुमार माहेश्वरी ने भोपाल जिला सभा द्वारा किये जा रहे सामाजिक और मानव हित कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में रेडक्रॉस हास्पिटल के डायरेक्टर डॉ. ओ.पी. श्रीवास्तव ने 178 यूनिट ब्लड डोनेशन को अपने कार्यकाल का सबसे बड़ा रक्तदान शिविर बताते हुए कहा कि मानवता के प्रति आपके समाज की सजगता अभिनंदनीय है। जिला सभा अध्यक्ष श्याम बांगड़ ने स्वागत उद्बोधन दिया। इस अवसर पर रक्तदाताओं को प्रमाणपत्र से भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन जिला सभा के सचिव राजेंद्र गट्टानी द्वारा किया गया।

मेधावी विद्यार्थियों का किया सम्मान

रायपुर. छत्तीसगढ़ महेश सेवा निधि प्रादेशिक ट्रस्ट द्वारा मेधावी विद्यार्थी प्रतिभा सम्मान 2016 का वृहद आयोजन सिविल लाइन स्थित वृंदावन हॉल में किया गया। मुख्य अतिथि श्यामसुंदर सोनी नागपुर, विशेष वक्ता शरद माहेश्वरी (अमेरिका यार्कटाउन वर्जिनिया), महेंद्र मुकीम रायपुर, सचिन मूंधड़ा भाटापारा थे। अध्यक्ष रामरतन मूंधड़ा, कोषाध्यक्ष बालकिशन झंवर, सचिव डॉ. सतीश राठी, प्रदेशाध्यक्ष राजेश राठी, महामंत्री बृजकिशोर सूरजन आदि मौजूद थे। मेधावी विद्यार्थियों नमन चांडक, दिव्या चांडक, डॉ. मिताली दुवानी ने दीप प्रज्जवलन किया। अतिथियों का स्वागत मोहन राठी, श्याम सोमानी, रमेश केला, सीए मनोज राठी, सुरेश मूंधड़ा, डॉ. साधना चाँडक व छाया राठी ने किया। समारोह में कक्षा दसवीं व 12वीं के विद्यार्थियों जिन्होंने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किये हैं, उन्हें 5 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि का चेक एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर दामोदरदास मूंधड़ा, राजकुमार गांधी, जगदीश माहेश्वरी, शरद राठी, प्रकाश माहेश्वरी, संजीव राठी, डॉ. एम.एल. राठी, काशीप्रसाद पुगलिया, सूरज कपूरिया, गणेश भट्टर, सुरेश बागड़ी आदि मौजूद थे।

नवीन कार्यकारिणी ने ली पद की शपथ

बीकानेर. अखिल भारतीय सेवा सदन के गत दिनों सम्पन्न चुनाव में बिड़ला पैनल को पूर्ण बहुमत प्राप्त हुआ है। बीकानेर जिला माहेश्वरी सभा के महामंत्री नारायणदास दम्माणी ने बताया कि सेवा सदन के नये सत्र का शपथ-ग्रहण समारोह गत 14 अक्टूबर को पुष्कर में आयोजित हुआ। इसमें सारे भारत से करीब 1200 माहेश्वरी समाजजन शामिल हुए। सभा महामंत्री श्री दम्माणी ने बताया कि शपथ-ग्रहण समारोह में प्रमुख अतिथि के रूप में महासभा के पूर्व अध्यक्ष रामपाल सोनी, जोधराज लड्ढा तथा श्याम सोनी मौजूद थे। सेवा सदन के निवर्तमान अध्यक्ष श्याम बिड़ला ने शपथ ग्रहण समारोह का उद्घोष अपने कविता पाठ के द्वारा किया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष जुगल बिड़ला और उनकी टीम को निम्बार्क के आचार्य पीठ युवाचार्य स्वामी श्यामदेव शरणजी ने शपथ दिलवाई। तदुपरांत कार्यक्रम के अंत में तीन कन्याओं के जन्म पर दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि रुपये 50 हजार फिक्स डिपॉजिट के रूप में 90 मातृ शक्तियों को प्रदान की गई। इसमें बीकानेर जिले के श्री डूंगरगढ़से भी मातृशक्ति शामिल थीं। पवन राठी ने बताया कि शपथ ग्रहण समारोह में किशनकुमार दम्माणी (पूर्व शहर अध्यक्ष), मोहनलाल चांडक (पूर्व जिलाध्यक्ष), नारायणदास दम्माणी (बीकानेर जिला महामंत्री), जुगल राठी (अध्यक्ष बीकानेर जिला माहेश्वरी युवा संगठन), बृजमोहन चांडक (अध्यक्ष माहेश्वरी सेवा सदन), महेश कोठारी (अध्यक्ष करणी औद्योगिक क्षेत्र) के अलावा सुरेश राठी, पवन चांडक, सुख राठी, सुरेंद्र बिहानी (संपादक माहेश्वरी सेवक), नारायण डागा आदि मौजूद थे।

कन्याओं को भेंट की एफडी

"'अच्छे' और 'सच्चे' रिश्ते
न तो 'खरीदे' जा सकते हैं,
न ही 'उधार' लिए जा सकते हैं
इसलिए इन लोगों को
जरूर 'महत्व' दें
जो 'आपको' महत्व देते हैं।"

परिवारों ने जमकर खेला गरबा-डांडिया

राष्ट्र प्रेम का जगाया अलख-प्रवेश को लेकर नजर आई लापरवाही

भीलवाड़ा. श्री महेश बचत एवं खास समिति द्वारा तीन दिवसीय फैमिली गरबा डांडिया का आयोजन 7 से 9 अक्टूबर तक किया गया। मंत्री हरीश पोरवाल ने बताया कि फैंसी ड्रेस व विभिन्न आयु वर्ग के लिये विभिन्न प्रतियोगिता आयोजित की गई। गरबा कार्यक्रम में वायु सेवा दिवस पर सामूहिक राष्ट्रगान का आयोजन सैकड़ों लोगों के साथ हुआ। इसका संचालन शिखानवल जागेटिया द्वारा किया गया। समिति की कार्यकारिणी द्वारा स्वच्छता अभियान एवं चीनी वस्तुओं के बहिष्कार की सामूहिक शपथ ली गई। आयोजन में समाज के वरिष्ठजनों एवं राजनीतिक एवं प्रशासनिक जनों का भी पूरा मार्गदर्शन रहा।

सभी ने दिखाया उत्साह

बच्चों में प्रथम नैतिक पोरवाल, युवाओं में रौनक कोठारी, कपल में आनंद बाहेती, युवतियों में दिव्या राठी रहीं। आयोजन में सभी के लिए ड्रेस कोड था जैसे युवाओं के लिए सफेद कुर्ता पायजामा, युवतियों के लिए गुजराती परिधान व फैंसी सूट तथा महिलाओं के लिए चुंदड़ी व गुजराती परिधान। बच्चे फैंसी ड्रेस में रहे, कोई महात्मा गांधी बना, तो कोई भगत सिंह, कई छोटी बच्चियां माँ का रूप धारण कर आईं। कार्यक्रम में स्वागत अध्यक्ष दिनेश काबरा ने, आभार कार्यक्रम संयोजक शांतिलाल डाड़ ने एवं संचालन ओमप्रकाश काबरा ने किया।

कार्यक्रम पर सवाल भी उठे

इस बार कार्यक्रम में अव्यवस्था भी नजर आई। गेट पर चैकिंग न होने, कूपन वितरण में लापरवाही होने से अनेक अन्य समाजों के व्यक्ति भी इस कार्यक्रम में पहुंच गए, जिससे काफी भीड़ हो गई। निमंत्रण कार्ड में अतिथियों को दो वर्गों में विभक्त कर दिया जो गुटबाजी की ओर इशारा कर रहा था। अनेक लोगों को बगैर पूछे अतिथि बना दिया गया। अनेक विशेष अतिथि बनाये गए परंतु वे कार्यक्रम में नहीं आये। इन सवालों के लिए बचत एवं साख समिति के संयोजक शांतिलाल डाड से पूछा गया तो उन्होंने बाहरी लोगों के प्रवेश को तो स्वीकारा, लेकिन व्यवस्था को सुधारने के लिये अगले वर्ष प्रयास करने का कहकर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया एवं कहा कि दूसरे समाजों के व्यक्ति के पास कूपन हमारे सदस्यों के द्वारा ही पहुंचे थे। गैर सामाजिक गतिविधियों को रोकने के लिए बालिका शिक्षा पर पाबन्दी लगाने जैसा गैर जिम्मेदाराना बयान दिया तथा इस स्थिति के बारे में संतोषजनक उत्तर भी नहीं दे पाए। दो वर्गों में अतिथियों के आमंत्रण के प्रश्न पर श्री डाड का कहना है कि इन्हें पद के अनुसार रखा गया था। जबकि हकीकत में इस नियम का भी पूर्णतः पालन नहीं हुआ।

> “अच्छा ‘दिखने’ के लिये
> मत जिओ
> बल्कि
> अच्छा ‘बनने’ के लिए
> जिओ।”

कविता -
अनामिका (नीलम राठी)

क्या ऐसा होगा ?

गुजर रही थी रास्ते से, कानों में एक आवाज आई।
कदम खुद बढ़ चले, एक छोटी सी कुटिया नजर आई।।
कुछ उदास चेहरे थे, परेशानी की शिकन से भरे।
आंखों में दर्द समेटे हुए अपनी लाचारी का,
दिल में कौतूहल सा जागा, मैं और करीब गई,
सुना जो उनकी बातों को, कानों में झनझानहट हो गई।
दिल दर्द से उमड़ पड़ा, आंखों में नमी भर आई।
नन्हा से बालक कह रहा था मां से
मां दीपावली है आने वाली
मैं भी दीये बनाऊंगा, रंगों से सजाऊंगा।
खूब पैसे आएंगे, हम भी मिठाई खायेंगे।
माँ के जवाब ने मुझे हिला दिया,
कह रही थी मेरे मासूम बच्चे
यह हक भी मुझसे छिन गया है।
कोई चायना नाम का देश है जो हमारी खुशियां ले गया।
बड़े घरों में अब उनके दीये टिमटिमायेंगे।
पहले दो वक्त की रोटी कमाते थे दीपावली पे।
अबकी भूखे सो जाएंगे।
उस देश की चीजों से रौशन होना हर घर
और गरीब अंधेरे की ओर बढ़जाएंगे।
मैं रह गई पत्थर बनकर
झकझोर दिया मुझे इस मंजर ने
क्या सच में हम ऐसा करेंगे
अपने देश के उन लोगों के
अंधेरे को और गहरा करेंगे।
दूसरे देश की रोशनी से घर सजेंगे
क्या ऐसा होगा, क्या ऐसा होगा।

महिला मंडल द्वारा गरबा महोत्सव का आयोजन

निम्बाहेड़ा. माहेश्वरी महिला मंडल, हाथीवाला मंदिर द्वारा नवरात्रि के पावन अवसर पर एक दिवसीय गरबा महोत्सव का 4 अक्टूबर की रात सुरभि महिला क्लब (जे.के. सीमेंट) की अध्यक्ष नीलम राठौड़, समाजसेवी अंगूरबाला सेठिया, डॉ. हर्षा वासवानी के आतिथ्य में आयोजन हुआ। निर्णायक टीना शर्मा, सुधा चटर्जी, वैशाली थीं। माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्ष शिखा शारदा ने बताया कि इस अवसर पर अतिथियों का मंडल सदस्याओं सुनीता बजाज, ममता शारदा, शशि आगार, सुमन शारदा, सुमन आगार द्वारा पुष्पहारों से स्वागत किया गया।

'डांडिया धूम-2' का हुआ आयोजन

हैदराबाद. माहेश्वरी मंडल हैदराबाद (उत्तर), माहेश्वरी महिला समिति एवं माहेश्वरी युवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में नवरात्रि के उपलक्ष्य में गत 8 व 9 अक्टूबर को कुकटपल्ली स्थित नयना गार्डंस में दो दिवसीय आर्केस्ट्रा के साथ डांडिया धूम-2 का आयोजन हुआ। गोपाल बल्दवा संपत्ति दम्पत्ति डांडिया धूम का उद्घाटन किया गया। अशोककुमार गिलड़ा, अरुण भांगड़िया, कुकटपल्ली के विधायक माधवराव कृष्णराव, पार्षद जुपल्ली सत्यनारायण आदि अतिथि के रूप में उपस्थित थे। दोनों ही दिन विभिन्न प्रकार के पुरस्कार प्रदान किये गए। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक गणेशचंद्र सोनी तथा सहसंयोजक श्यामसुंदर भराडिया एवं मोहन काबरा थे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में जगदीश झंवर, श्यामसुंदर तोषनीवाल, राधेश्याम मूंदड़ा, संजय मोदाणी, लोकनाथ मारू, लक्ष्मीकांत झंवर, विजयकुमार मंत्री, राजेश तापड़िया, श्यामसुंदर दम्माणी, प्रदीपकुमार मूंदड़ा सहित समस्त सदस्यों का योगदान रहा। उक्त जानकारी शिवकुमार बंग ने दी।

शरद पूर्णिमा उत्सव का हुआ आयोजन

खरगोन. खरगोन मे समाज की वरिष्ठ गीतादेवी सोमानी के निवास पर समाज के सभी समाजजन एकत्रित हुए व धूमधाम से भजन व भगवान की स्तुति के साथ शरद पूर्णिमा पर्व मनाया गया। गीतादेवी सोमानी, जानकी खटौड़, पुष्पा जाजू, उषा सोमानी, अलका सोमानी, उमा सोमानी, अमिता खटोड़, सुमन खटोड़, उर्मिला पलोड, कांता सोनी, कांता फोफलिया, पूजा कोठारी आदि कई सदस्याएँ उपस्थित थीं।

युवा संगठन ने आयोजित किया थिरकन महोत्सव

भीलवाड़ा. माहेश्वरी युवा संगठन शास्त्री नगर के तत्वावधान में नवरात्रि पर तीन दिवसीय थिरकन 2016 महोत्सव का आयोजन किया गया। प्रथम दिन अखिल भारतीय सेवा सदन पुष्कर के नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष कैलाश मूंदड़ा, माहेश्वरी जिला सभा के अध्यक्ष जगदीश सोमानी, मंत्री कृष्णगोपाल जागेटिया, महेश सेवा समिति के अध्यक्ष राधेश्याम चेचाणी व मंत्री राजेंद्र कचौलिया तथा समाज संपत्ति ट्रस्ट के अध्यक्ष छितरमल सोनी एवं नगर सभा के पूर्व मंत्री देवेंद्र सोमानी अतिथि के रूप में मौजूद थे। कार्यक्रम के द्वितीय दिवस को अखिल भारतीय औद्योगिक एवं व्यापार प्रकोष्ठ की संयोजिका ममता मोदानी एवं प्रदेशाध्यक्ष मोहश्वरी महिला मंडल शिप्रा भदादा, जिला महिला मंडल अध्यक्ष अनिला अजमेरा, मंत्री सीमा कोगटा, नगर महिला मंडल की अध्यक्षा गायत्री मूंदड़ा एवं मंत्री वीणा जाजू ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तृतीय दिवस को अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के उपाध्यक्ष आरएल नौलखा, सेवा सदन पुष्कर के पूर्व उपाध्यक्ष सत्यनारायण डाड एवं नगर सभा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष केदार जागेटिया एवं मंत्री केदार गगरानी, उद्योगपति लादूराम बांगड़, गोपाल राठी आदि अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में स्थानीय माहेश्वरी परिवारों के प्रत्येक आयुवर्ग के महिला एवं पुरुषों ने डांडिया व गरबा की प्रस्तुतियाँ दीं। युवा संगठन के अध्यक्ष राजेंद्र तोषनीवाल, मंत्री मनोज जागेटिया, कार्यक्रम संयोजक दिनेश लड्ढा, सुशील अजमेरा, देवकरण तोतला, संयोजिका राधा न्याती, शोभा मालू, सुनीता झँवर, युवा संगठन के अनिल काबरा, बनवारी राठी, किशन पोरवाल सहित समस्य सदस्यों ने सहयोग दिया।

Nandkishor S. Ladha 94229 16163
Sachin R. Ladha 94221 55691

NANDGOPAL DAL MILL
New Town, Badnera, Amravati (M.S.)-444701
Ph. 0721-2681511, 2684361, Fac : 07221-227061

Sister Concern :
» Siyaram Udyog » Nandkishor Shriballabhdas Laddha
Grain Merchant & Commission Agent
Badnera, Amravati (M.S.)

"मजबूत और सख्त हाथों से भी
'छूट' जाते हैं 'हाथ'
रिश्ते 'जोर' से नहीं 'विनम्रता' से थामे जाते हैं।"

ऊर्जा मंत्री के हाथों हुआ 'श्री विक्रमादित्य पंचांग' का विमोचन

उज्जैन. संपूर्ण क्षेत्र में 'घर का पंडित' के रूप में लोकप्रिय ऋषि-मुनि प्रकाशन द्वारा प्रकाशित पंचांग "विक्रमादित्य (कार्तिकादि)" का विमोचन विद्यानगर स्थित कार्यालय पर हुआ। यह ग्रहलाघवी पद्धति से तैयार पंचांग सर्वाधिक लोकप्रिय पंचांगों में से एक है। विमोचन मुख्य अतिथि प्रदेश के ऊर्जा मंत्री पारस जैन, विशिष्ट अतिथि अक्षरविश्व के संपादक सुनील जैन, न्यूज पोर्टल दस्तक न्यूज डॉटकॉम के प्रधान संपादक संदीप कुलश्रेष्ठ, श्री महाकाल महेश धाम ट्रस्ट के अध्यक्ष जयप्रकाश राठी तथा श्री माहेश्वरी सोशल क्लब के अध्यक्ष नवल माहेश्वरी के कर कमलों से हुआ। अतिथियों का स्वागत प्रकाशक पुष्कर बाहेती ने किया। समस्त अतिथियों ने पंचांग का अवलोकन करते हुए इसकी विशेषताओं की सराहना की।

प्रकाशक श्री बाहेती ने जानकारी देते हुए बताया कि गत 20 वर्षों से सतत रूप से प्रकाशित हो रहा पंचांग "श्री विक्रमादित्य (कार्तिकादि)" अपनी सटीक ज्योतिषीय गणनाओं व मुहूर्त आदि शोधन की सरलतम् पद्धति के कारण न सिर्फ ज्योतिषियों अपितु आम पाठकों के बीच भी "घर का पंचांग पंडित" के रूप में लोकप्रिय है। ज्योतिष के प्रकांड विद्वानों द्वारा इसे विशेष महत्व दिया जा रहा है। इसके साथ ही आम उपयोग के लगभग सभी मुहूर्त इस तरह स्पष्ट करके दिये गए हैं कि जिससे हर आम व्यक्ति भी अपना इच्छित मुहूर्त सहजता से देख सकता है। ज्योतिषियों की सुविधा के लिए इसमें प्रतिदिन के सूर्योदयकालीन ग्रह भी स्पष्ट किये गये हैं। श्री बाहेती ने दीपावली पर्व पर पंचांग के महत्व की जानकारी देते हुए बताया कि वैसे तो पंचांग लगभग शास्त्रोक्त पूजा की आवश्यक सामग्री में से एक है, लेकिन महालक्ष्मी पूजन पर इसका विशेष महत्व है। विद्वानों की मान्यता के अनुसार इसके बिना तो महालक्ष्मी पूजन ही अधूरा है। समय पर प्रकाशित कर पाठकों तक पंचांग प्रकाशित कर पहुँचाने के पीछे हमारा लक्ष्य ही यही है कि पाठक इसे अपनी "महालक्ष्मी पूजन" में भी शामिल कर सकें।

उज्जैन की पुत्रवधू वियतनाम में सम्मानित

उज्जैन. प्रतिष्ठित समाज सदस्य आर. आगीवाल की पुत्रवधू ग्रीनी-मुकुल आगीवाल को वियतनाम की "हो चि मिन्ह सिटी" स्थित प्रख्यात आरएमआईटी यूनिवर्सिटी द्वारा "एक्सीलेंस इन टीचिंग एंड लर्निंग अवॉर्ड" से सम्मानित किया गया। ग्रीनी इसी यूनिवर्सिटी के बिजनेस इकोनॉमिक्स एंड कॉमर्स विभाग में एमबीए के विद्यार्थियों को "बिजनेस स्टेटिक्स" पढ़ाती हैं। लगभग 35 शिक्षकों के बीच कड़े मापदंडों और विद्यार्थियों के फीड बैक के आधार पर ग्रीनी का इस पुरस्कार के लिये चयन किया गया। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी के प्रेसिडेंट, वाइस प्रेसिडेंट, शिक्षक स्टाफ, विद्यार्थी सहित कई गणमान्यजन उपस्थित थे। उज्जैन से उनके सास-ससुर श्री व श्रीमती आगीवाल भी इस कार्यक्रम में वहाँ जाकर शामिल हुए।

पथ संचलन पर की पुष्प वर्षा

भीलवाड़ा. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से 10 अक्टूबर को दुर्गावाहिनी का संचलन व 11 अक्टूबर को विशाल पथ संचलन का कार्यक्रम आयोजित हुआ। समाज की संस्थाओं द्वारा विभिन्न चौराहे पर पुष्पवर्षा की गई। भीलवाड़ा जिला एवं नगर माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा राजस्थानी पगड़ी पहनाकर व संचलन पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। श्री महेश बचत एवं साख समिति के सदस्यों द्वारा राजस्थान सरकार के मुख्य सचेतक कालूलाल गुर्जर के साथ मिलकर पुष्पवर्षा की गई। भोपालगंज, विजय सिंह पथिक नगर, संजय कलंत्री, माहेश्वरी क्षेत्रीय सभा एवं नगर माहेश्वरी सभा द्वारा भी विभिन्न चौराहों पर पुष्पवर्षा की गई।

> "किसी भी रिश्ते की सिलाई
> अगर भावनाओं से हुई है तो टूटना मुश्किल है
> और अगर स्वार्थ से की है
> तो टिकना मुश्किल है।"

बाल साहित्यकार सम्मेलन का हुआ आयोजन

सलूम्बर (राज). संस्था सलिला द्वारा अध्यक्ष डॉ. विमला भंडारी के नेतृत्व में गत 2 व 3 अक्टूबर को दो दिवसीय राष्ट्रीय बाल साहित्यकार सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें 8 राज्यों के लगभग 50-60 साहित्यकार शामिल हुए। पुरस्कार सत्र के मुख्य अतिथि उत्तरप्रदेश हिंदी संस्थान के पूर्व निदेशक सुधाकर अदीब थे। इसमें पुरस्कृत कृति के रचनाकारों को 2500 रुपए तथा सलूम्बर गौरव से सम्मानितों को 1100 रुपये की सम्मान निधि भेंट की गई। मेवाड़ गौरव पुरस्कार प्राप्त करने वाले सत्यनारायण समदानी अस्वस्थता के कारण पहुँच नहीं पाये। बाल प्रतिभा सम्मान के अंतर्गत सलूम्बर नोड्यूल की शैक्षणिक प्रतिभाओं का भी सम्मान किया गया। सलिला साहित्य रत्न सम्मान से 11 साहित्यकारों को सम्मानित किया गया। साहित्यकारों द्वारा अपनी रचनाओं का इस अवसर पर पाठ भी किया गया। संस्था सदस्यों ने अतिथियों का सम्मान किया।

आज ही मँगवाएँ

माहेश्वरी परिचय सम्मेलन नागपुर में दिनांक 15 अगस्त, 2016 को सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ । इस आयोजन की परिचय पुस्तिका, जिसमें लगभग 350 उच्च शिक्षित युवाओं की सचित्र सम्पूर्ण जानकारी केवल छह सौ रुपये (रुपये 600/-) सहयोग राशि से कोरियर द्वारा आपके पते पर भेजी जावेगी।

सत्यनारायण राठी
विवाह सहयोग केन्द्र, प्लॉट 58, महेश कॉलोनी,
चन्दन नगर, नागपुर (महा.) - 440009
दूरभाष : 0712-6958968, मो. 92702 04195

"
इनकार है जिन्हें आज मुझसे
मेरा वक्त देखकर
मैं खुद को इतना बनाऊँगा काबिल
वो मुझे मिलेंगे वक्त लेकर ।
"

मेडिक्लेम बीमा पॉलिसी का वितरण

इंदौर. श्री माहेश्वरी समाज इंदौर जिला द्वारा गत तीन वर्षों से निरंतर जारी मेडिक्लेम बीमा पॉलिसी स्कीम के तहत बनी पॉलिसियों के वितरण का कार्यक्रम माहेश्वरी भवन गोराकुंड पर आयोजित किया गया। श्री बांगड़ माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसायटी व सारड़ा फाउंडेशन के सहयोग से उक्त योजना का आरंभ समाज के जरूरतमंद परिवारों के लिये किया गया था। जिसमें 120 परिवारों को 50000 रुपए की फैमेली फ्लॉटर मेडिक्लेम बीमा पॉलिसी निःशुल्क/न्यूनतम शुल्क पर प्रदान की जाती है। शुभारंभ श्री माहेश्वरी समाज इंदौर जिला अध्यक्ष कल्याणमल मंत्री व सचिव बसंत खटौड़, निवृतमान अध्यक्ष रामेश्वरदयाल असावा, संयोजक व श्री बांगड़ माहेश्वरी मेडिकल सोसायाटी के प्रभारी भरत सारड़ा ने किया। जिन परिवारों की वार्षिक आय एक लाख रुपए तक है, उन्हें ये पॉलिसी निःशुल्क प्रदान की जाती है व जिनकी आय एक से दो लाख रुपए के बीच है उन्हें मात्र 100 रुपए अपने बैंक ऑफ इंडिया के सेविंग खाते में जमा करना होते हैं। शेष राशि माहेश्वरी समाज इंदौर जिला व सहयोगियों द्वारा प्रदान की जाती है। इस योजना में समाज के वी.डी. राठी एवं श्रीनिवास मालपानी का भी निरंतर सहयोग मिल रहा है। दक्षिण क्षेत्र में सर्वाधिक पॉलिसी बनाने में सहयोगी रहे गिरधर मानधन्या का सम्मान किया गया। इस अवसर पर जिला सभा के उपाध्यक्ष राजेश मूंगड़, आर.एल. माहेश्वरी, संयुक्त मंत्री विजय लड्ढा, समाज संगठन के अध्यक्ष संतोष मालू, प्रधान संपादक राम मूंदड़ा, सचिव विजय चंडक, दक्षिण क्षेत्र के अध्यक्ष कमल बाहेती व सचिव रूपेश भूतड़ा मौजूद थे। इस अवसर पर श्री बांगड़ माहेश्वरी वेलफेयर सोसायटी की जानकारी व आवेदन के फोल्डर का विमोचन भी सभी पदाधिकारियों ने किया। आभार बसंत खटौड़ ने माना।

दीपावली पर्व के अवसर पर सभी माहेश्वरी बन्धुओं को
हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएँ

कृष्णगोपाल जाखेटिया
मंत्री
भीलवाड़ा जिला माहेश्वरी सभा
मो. 98297-96822

4-बी, 'कंवर कुंज', विद्युत नगर, भीलवाड़ा, (राज.)

बिड़ला बने तहसील सभा अध्यक्ष

मांडल. तहसील माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष पद के चुनाव करेड़ा माहेश्वरी पंचायत भवन में हुए। इसमें सर्वसम्मति से मांडल निवासी ओमप्रकाश बिड़ला अध्यक्ष चुने गए। शुरू हुई मतदान प्रक्रिया में अध्यक्ष पद पर 5 प्रत्याशियों में से ओमप्रकाश बिड़ला व करेड़ा से ख्यालीलाल झँवर, ओम झँवर, माधवलाल कोठारी व श्यामसुंदर झँवर ने नामांकन दाखिल किये, लेकिन फिर भी सर्वसम्मति से एक मिसाल पेश की गई।

तहसील संगठन के चुनाव सम्पन्न

शिगोंली (चारभुजा). मांडलगढ़ तहसील माहेश्वरी युवा संगठन के चुनाव गत 16 अक्टूबर को शिगोंली श्याम माहेश्वरी धर्मशाला में हुए। मुख्य चुनाव अधिकारी जगदीश लड्ढा थे। इसमें धामनियाँ के जितेंद्र मूंदड़ा अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी महेश नाराणीवाल से 105 वोटों से जीत हासिल कर तहसील माहेश्वरी युवा संगठन मांडलगढ़ के अध्यक्ष बने। मूंदड़ा ने कार्यकारिणी घोषित की। इसमें संरक्षक मुकेश काबरा मांडलगढ़, गोपाल सोडानी काछोला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नीतेश गट्टानी मांडलगढ़, उपाध्यक्ष प्रीतम नुवाल बिगोद, शरद दाखेड़ा काछोला, कमलेश तोषनीवाल मांडलगढ़, महावीर आगाल, श्यामपुरा संगठन मंत्री, सतीश सोमानी बरुंदनी सहमंत्री, राकेश मालू काछोला, सुरेश झँवर मोहनपुरा, मुकेश मंडोवरा लाडपुरा, अंकित सोडाणी बिगोद सांस्कृतिक मंत्री, दीपक काबरा काछोला कोषाध्यक्ष,अमित बसेर काछोला रक्तदान प्रभारी, अरविंद डागा काछोला मेडिकल प्रभारी, नरेंद्र बाहेती मांडलगढ़ प्रवक्ता, अनिल सोनी मांडलगढ़ प्रचार मंत्री, बालमुकुंद झंवर श्यामपुरा, आईटी प्रभारी मनोज सोमाणी बरुंदनी, संदेश प्रभारी भगवतीलाल बसेर सुरास को मनोनीत किया।

हर्षोल्लास के साथ हुआ शरदोत्सव का आयोजन

हरदा. श्री माहेश्वरी समाज हरदा द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी शरद पूर्णिमा उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। सर्वप्रथम महेश वंदना पर नृत्य कु. प्रियांशी माहेश्वरी द्वारा किया गया। युवा मंडल के द्वारा समाज में ऑनलाइन क्विज का आयोजन भी रखा गया। इसमें प्रथम विभा बांगड़, द्वितीय मयंक महेश सादानी व तृतीय उर्मिला महेश सादानी रहे। इसके बाद समाज में अंताक्षरी रखी गई। इसमें विजेता दीवाने (डॉ. पवन सोमनी, पूजा काबरा, शोभना मोहता), उपविजेता मस्ताने टीम (राजेश सोमानी, दिनेश राठी, रीना मूंदड़ा) रहे। महिला मंडल द्वारा गरबा का आयोजन किया गया। अंत में समाज के मेधावी छात्रों का सम्मान भी किया गया।

> हर किसी को मैं खुश रख सकूँ
> वो सलीका मुझे नहीं आता
> जो मैं नहीं हूँ
> वो दिखने का तरीका मुझे नहीं आता।

दीपावली पर्व के अवसर पर सभी माहेश्वरी बन्धुओं को

हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएँ

।। जय महेश ।।

।। जय महेश ।।

Omprakash Gattani
M. 94141 15004

Manish Gattani
M. 98334-50873
M. 93221 28953

Sandeep Gattani
M. 93222 44764
M. 74986 80231

Sandeep Niwar Industries
Mfg. All Type High Class Niwar

Sandeep Tex Fab Pvt. Ltd.
Mfg. of High Quality Yarn

Office : Opp. Bhadada Bagh, Bhilwara-311001, Ph. 01482-220295 (O)
Factory : Near Mahila Ashram, Bhilwara-311001, Ph. 01482-227491 (F)
Residence : 101, Ashok Nagar, Bhilwara-311001

Nem Con International Pvt. Ltd.
Mfg. of Quality Suttings
Bhivandi (Mumbai)

राधाकृष्ण मंडल ने करवाया डांडिया धमाल

बीकानेर. नवरात्रि के पावन अवसर पर राधाकृष्ण मंडल द्वारा माहेश्वरी समाज के लिए आयोजित "डांडिया धमाल-2016" का समापन स्थानीय माखन-भोग "उत्सव कुंज" में हुआ। मंडल महामंत्री व स्थानीय माहेश्वरी समाज के मीडिया प्रभारी पवन राठी ने बताया कि विशिष्ट अतिथि सूरत निवासी कमल भूतड़ा (राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन) थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता द्वारकाप्रसाद राठी (संचालक माखण भोग भवन) ने की। अतिथियों के साथ नारायणदास दम्माणी (महामंत्री जिला माहेश्वरी महासभा), सुशील थिराणी, किशनकुमार दम्माणी (पूर्व शहर सभा अध्यक्ष), जुगल राठी-अध्यक्ष जिला माहेश्वरी युवा संगठन, नारायण डागा, मोहनलाल चांडक, अशोक बागड़ी, घनश्याम कल्याणी-अध्यक्ष प्रीति क्लब आदि ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंडल अध्यक्ष भवानी राठी के अनुसार उपस्थित सभी अतिथियों का कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा दुपट्टा पहनाकर अभिनंदन किया गया। मंडल के कोषाध्यक्ष सौरभ चांडक व मंत्री मोहित चांडक ने बताया कि देर रात 11 बजे तक चले कार्यक्रम में सभी लोगों ने सुहावने मौसम का आनंद लेते हुए डीजे की मस्त धुन पर डांडिया लड़ाते हुए माता रानी को रिझाने का भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम का संचालन मंडल महामंत्री पवन राठी ने किया। इसमें सौरभ चांडक, अमित दम्माणी, मोहित चांडक, देवानंद सोमाणी, नवनीत बागड़ी, शुभम राठी, कंचन राठी, जयश्री मोहता, खुशबू चांडक, विष्णु चांडक, सौरभ पेड़ीवाल, अनुराग झँवर, मनोज राठी, गौतम पेड़ीवाल, राजेश राठी सहित सभी सदस्यों ने अपना योगदान दिया। बेस्ट कपल से नितेश एवं संगीता पेड़ीवाल, बेस्ट किड्स से मौली राठी, मिस्टर नवरात्रा योगेश बाहेती, मिस नवरात्रा से ममता राठी, बेस्ट ग्रुप से बागड़ी ग्रुप व बेस्ट ज्वेलरी के लिए स्वीटी थिरानी को पुरस्कृत किया गया।

With Best Compliments from

M/s Mandhania Marbles (P.) Ltd.
Subh Laxmi Marbles
Near Balaji Temple, Borawar Road, Makrana

M/s Mandhania Granites
Bhagli Road, Jalore (Raj.)

Ramavatar Mandhania M. 94141 16821
Sarveshwar Mandhania M. 94141 17686
Prakash Mandhania M. 98290 78431

महिला परिषद् ने गरबा-डांडिया का किया आयोजन

पिपरिया. शरद पूर्णिमा के उपलक्ष्य में माहेश्वरी महिला परिषद द्वारा सदाबहार हाउजी व गरबा डांडिया का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रतनीदेवी साबू मुख्य अतिथि व जिला सचिव आशा मालपानी तथा महिला परिषद् अध्यक्ष बीना मूंदड़ा व सचिव अरुणा मूंदड़ा विशेष रूप से उपस्थिति रहीं। इस दौरान रंग-बिरंगी पोशाकों में सज संवर कर आई महिलाओं व युवतियों द्वारा गरबा डांडिया में भाग लिया गया। मनोरंजक गेम्स का आयोजन भी हुआ। संचालन डॉ. श्रीमती प्रीति भूतड़ा ने किया। प्रसाद वितरण के बाद कार्यक्रम का समापन हुआ।

दीप पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ

सुरेश बिड़ला
उपाध्यक्ष
श्री नगर माहेश्वरी सभा भीलवाड़ा
94133 56203

पंकज बिड़ला
94142 60203

गायत्री बिड़ला
अध्यक्ष
काशीपुरी वकील कॉलोनी
माहेश्वरी महिला संगठन, भीलवाड़ा
97849 09129

जगदीशचन्द्र डाड- 92148 28183

हिन्दुस्तान टायर रिट्रेडिंग

Dealer of Birla & Bridgestone

BIRLA TYRES Unbeatable! BRIDGESTONE

29, ट्रांसपोर्ट नगर, भीलवाड़ा (राज.) - 311001
फोन : 01482-243253

> उपलब्धि और आलोचना
> एक दूसरे के मित्र हैं
> उपलब्धियाँ बढ़ेंगी
> तो निश्चित ही आपकी
> आलोचनाएँ भी बढ़ेंगी।

छात्रावास में गरबा उत्सव धूमधाम से मना

इंदौर. श्रीमती फूलबाई मुरलीधर झँवर माहेश्वरी कन्या छात्रावास में वर्षभर अनेक गतिविधियाँ समय-समय पर करवाई जाती हैं। इसी के तहत नवरात्रि में गरबा उत्सव धूमधाम से मनाया गया। छात्रावास में रहने वाली करीब 100 छात्राओं ने इस उत्सव में भाग लिया। संस्था के सभी पदाधिकारी भी परिवार सहित इस उत्सव में सम्मिलित हुए। अध्यक्ष अनिल झँवर, उपाध्यक्ष सुमन-भरत सारडा, सचिव रामविलास राठी, रामेश्वरलाल सोमानी, विजय हेड़ा, नम्रता बियाणी एवं वार्डन दंपती निर्मला हीरालाल धीरन द्वारा ज्योत जलाकर शुरुआत की गई। छात्राओं को गरबे में अच्छे प्रदर्शन पर संस्था द्वारा पारितोषित प्रदान किये गये। सभी सम्मिलित छात्राओं को भी प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किये गये।

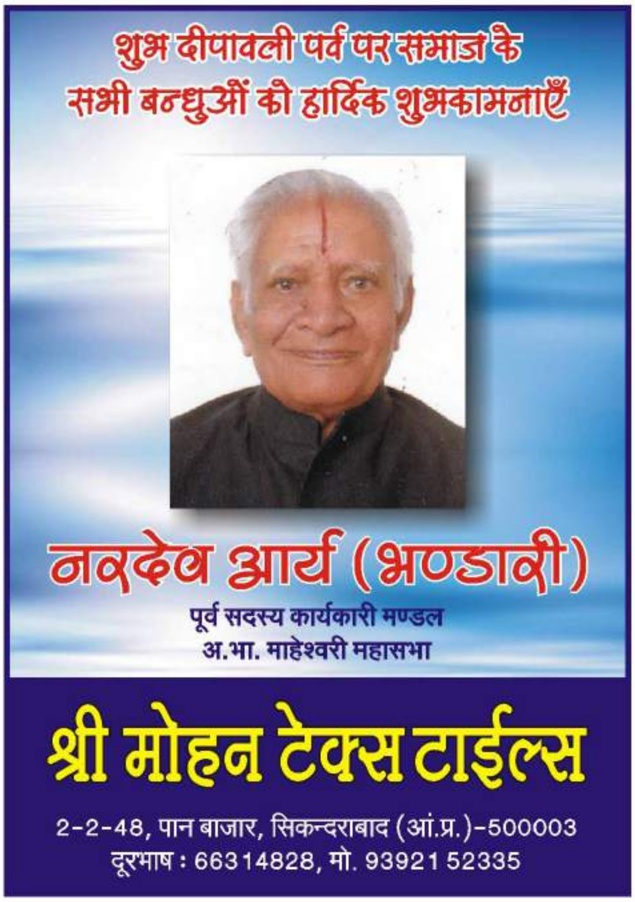

"समझनी है जिंदगी तो पीछे देखो,
जीनी है जिंदगी को तो आगे देखो।"

महिला मंडल द्वारा गरबा उत्सव का हुआ आयोजन

भीलवाड़ा. आर.के.आर.सी महिला मंडल की अध्यक्षा वंदना नुवाल व सचिव इंद्रा हेड़ा के नेतृत्व में दो दिवसीय गरबा का आयोजन 3 व 4 अक्टूबर को किया गया। इसमें गरबा के अनेक रंगारंग कार्यक्रमों के साथ अनेक क्षेत्रीय सभा की माहेश्वरी महिला मंडल की टीमों द्वारा गरबा की प्रस्तुतियां दी गईं व उनके बीच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निर्णायक मंडल द्वारा प्रथम, द्वितीय व तृतीय आने वालों को पुरस्कृत भी किया गया। इस अवसर पर आर.के.आर.सी. महिला मंडल द्वारा गरबा की विशेष प्रस्तुति दी गई।

ट्रस्ट द्वारा रक्तदान शिविर होगा आयोजित

उदयपुर. स्थानीय श्रीमती हेमलता-मानसिंह कोठारी मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आगामी 15 दिसंबर (रविवार) को माहेश्वरी भवन श्रीनाथ मार्ग, उदयपुर में रक्तदान शिविर रखा गया है। ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी आशीष कोठारी ने यह जानकारी देते हुए हुए सभी समाजजनों से इस पावन अवसर का लाभ लेने की अपील की है।

हेड़ा सम्मेलन का हुआ आयोजन

मेड़ता रोड (नागौर). गत 9 अक्टूबर को स्थानीय कुलदेवी माँ ब्रह्माणी मंदिर के प्रांगण में भारत के विभिन्न राज्यों से आये हेड़ा बंधुओं का एक भव्य सम्मेलन सम्पन्न हुआ। सम्मेलन में आये 250 से अधिक परिवारों की अजमेर के राधेश्याम हेड़ा की अध्यक्षता में एक सभा आहूत की गई। इसमें एक अखिल भारतीय हेड़ा संगठन के गठन का निर्णय लिया गया। हेड़ा समाज में मेल-जोल व आपसी आत्मीयता को और सुदृढ़ करने हेतु प्रतिवर्ष सम्मेलन का आयोजन व इन सभी कार्यों हेतु एक कोष की स्थापना की जाएगी। इसको अंजाम देने के लिये एक तदर्थ कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें उद्योगपति व समाजसेवी भागीरथ हेड़ा ब्यावर अध्यक्ष, कालूराम हेड़ा नडियाद व हरिनारायण हेड़ा जोधपुर उपाध्यक्ष, डॉ. जी.एल. हेड़ा नई दिल्ली सचिव, नारायण हेड़ा ब्यावर कोषाध्यक्ष, संदीप हेड़ा जोधपुर सहसचिव व मोहित हेड़ा संगठन मंत्री सर्वानुमति से चुने गए।

माहेश्वरी समाज ने मनाया शरद पूर्णिमा उत्सव

बाग. नगर में शरद पूर्णिमा उत्सव परम्परागत रूप से गरबों के साथ मनाया गया। इसमें जगह-जगह खीर की प्रसादी बांटी गई व गरबे भी खेले गए। नरसिह मंदिर में ठाकुरजी की बाहर चांदनी में बैठाकर आरती कर खीर की प्रसादी बांटी गई। इसके अलावा माहेश्वरी समाज द्वारा मांगलिक भवन पर संगीतमय सुंदरकांड एवं हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। साथ ही रामायणजी की आरती समाज अध्यक्ष प्रदीप अगाल द्वारा की गई। प्रसादी वितरण के बाद कार्यक्रम का समापन हुआ।

> राज तो हमारा हर जगह पर है
> पसन्द करने वालों के 'दिल' में
> और ना पसन्द करने वालों के
> 'दिमाग' में।

सेवा समिति की कार्यकारिणी ने ली शपथ

भीलवाड़ा. श्री माहेश्वरी समाज सेवा समिति सुभाषनगर के पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह गत 9 अक्टूबर को माहेश्वरी भवन पर प्रदेशाध्यक्ष दक्षिणांचल राधेश्याम सोमानी के मुख्य आतिथ्य में हुआ। शपथ लेने वाले पदाधिकारियों में अध्यक्ष ओमप्रकाश मालू, मंत्री कैलाशचंद्र सामरियां, उपाध्यक्ष ओमप्रकाश खटौड़, त्रिभुवन देवपुरा, कोषाध्यक्ष श्यामसुंदर गगरानी, संयुक्त मंत्री प्रमोद मूंदड़ा, कृष्णगोपाल गगरानी व संगठन मंत्री महेशचंद्र माहेश्वरी शामिल थे। कार्यक्रम को जिलाध्यक्ष जगदीशप्रसाद सोमानी, नगर अध्यक्ष केदारमल जागेटिया, नगर मंत्री केदार गगरानी, महेश सेवा समिति के राधेश्याम चेचाणी, पुष्कर सेवा समिति के उपाध्यक्ष कैलाशचंद्र मूंदड़ा, जगदीशप्रसाद कोगटा आदि ने संबोधित किया। इस कार्यक्रम में कन्हैयालाल खटौड़ सहित अनेक क्षेत्रीय सभाओं के अध्यक्ष, मंत्री, महिला संगठन के पदाधिकारियों ने भाग लिया। स्वागत उद्बोधन जमनालाल बांगड़ ने दिया तथा आभार प्रदर्शन राधेश्याम सोडानी ने किया। मंच संचालन सीपी काल्या तथा सुनीता खटौड़ ने किया।

गरबा महोत्सव का हुआ आयोजन

उदयपुर. नगर माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी माहेश्वरी भवन श्रीनाथ मार्ग, उदयपुर में गरबा महोत्सव मनाया गया। प्रतिदिन उत्कृष्ट गरबा करने वालों को पुरस्कृत किया गया। दैनिक गरबा कार्यक्रमों में अतिथि के रूप में जानकीलाल मूंदड़ा, मोहनलाल देवपुरा, डॉ. मुकेश जागेटिया, भंवरलाल समदानी, गिरिश माहेश्वरी, प्रदीप हेड़ा, उत्तमचंद सोमानी आदि की उपस्थिति रही। इसके साथ ही युवा संगठन के अध्यक्ष पंकज तोषनीवाल, हितेश भदादा, दिलीप गट्टानी, लक्ष्मीकांत मूंदड़ा, आशीष कोठारी, मयंक गट्टानी आदि भी अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसी तरह महेश सेवा समिति सेक्टर-4 में महेश महिला परिषद के तत्वावधान में गरबा महोत्सव, शपथ ग्रहण एवं फैंसी ड्रेस का कार्यक्रम मंजू गांधी एवं मधु हेड़ा के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ।

हार्दिक शुभकामनाएं..........

Dalia's™
High in Quality, Rich in Taste

श्री निवास एंड ब्रदर्स
SRINIVAS & BROTHERS

किराणा एवं सूखे मेवे व सभी किस्म के मुरब्बे तथा अचार एगमार्क शहद उपवन ग्रेड-ए
सच्चा मोती एगमार्क साबुदाना सुपर कोकिला मेहंदी

14-7-371/17, बेगम बाजार, राजाबहादुर बिल्डिंग के सामने, हैदराबाद-500012
फोन-24745570, 24606726, 24615438
e-mail : contact@dalias.in web : www.dalias.in

क्षेत्रीय महिला संगठनों के चुनाव सम्पन्न

जयपुर. जिला माहेश्वरी महिला संगठन से सम्बद्ध शहर के चारों क्षेत्रीय माहेश्वरी महिला संगठनों के पदाधिकारियों के चुनाव सर्वसम्मति से हुए। जयपुर शहर परकोटा क्षेत्र जोन एक में- अध्यक्ष प्रेमलता मांधना, उपाध्यक्ष-उर्मिला लोहिया, ममता जाखोटिया, मंत्री कृष्णा सोनी, सहमंत्री मम्मू साबू, कोषाध्यक्ष-सरोज परवाल, सांस्कृतिक मंत्री-अन्नपूर्णा जाजू, सह-सांस्कृतिक मंत्री-अपला मूंदड़ा तथा प्रचार एवं संगठन मंत्री राधिका बागड़ी चुनी गईं। झोटवाड़ा क्षेत्र जोन 2 में अध्यक्ष उमा हुरकट, उपाध्यक्ष-रुक्मणि असावा, मंजू मंत्री, मंत्री-मीना बिन्नानी, सह मंत्री राजोल तापड़िया, ममता जाजू, कोषाध्यक्ष-सीमा झँवर, सांस्कृतिक मंत्री-ज्ञान लाहोटी, सह-सांस्कृतिक मंत्री सविता भूतड़ा तथा प्रचार एवं संगठन मंत्री-शीला मूंदड़ा चुनी गईं। सोढ़ाला क्षेत्र जोन 3 में अध्यक्ष रेखा धूत, उपाध्यक्ष-निर्मला राठी, गायत्री परवाल, मंत्री उमा सोमानी, सह मंत्री विजयलक्ष्मी बियानी, मधु झँवर, कोषाध्यक्ष कृष्णा काबरा, सांस्कृतिक मंत्री अनुराधा झँवर, सह-सांस्कृतिक मंत्री -संतोष काहल्या तथा प्रचार एवं संगठन मंत्री इंदू हुरकट और टोंक फाटक क्षेत्र जोन चार में अध्यक्ष-राजकुमारी लड्ढा, उपाध्यक्ष-सीमा राठी, अनिता मूंदड़ा, मंत्री-मधु हुरकट, सहमंत्री-आशा कोठारी, बीना भाला, कोषाध्यक्ष-आभा अजमेरा, सांस्कृतिक मंत्री सुलभा सारडा, सह-सांस्कृतिक मंत्री सुनीता फलोड़ तथा प्रचार एवं संगठन मंत्री सुनीता पेड़ीवाल चुनी गईं।

समाजसेवी गट्टानी का हुआ सम्मान

उयदपुर. सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. अरुण चतुर्वेदी द्वारा गत 1 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर इंदिरा गांधी पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास संस्थान जयपुर के ऑडिटोरियम में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें समाजसेवी मुरलीधर गट्टानी का सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवा के लिए राज्यस्तर पर सम्मान किया गया। प्रतीक चिह्न एवं प्रमाण-पत्र व शॉल श्रीफल से अभिनंदन किया गया। इसमें पूरे राज्य से कुल 50 वरिष्ठों का सम्मान किया गया।

बागड़ी के हाथों आरोहणम फन एंड फेयर का उद्घाटन

कोलकाता. अ.भा. दिगंबर जैन महिला परिषद ने 'आरोहणम फन एंड फेयर 2016' द्वारा आयोजन जैन मंदिर लक्ष्मीनगर में किया। अतिथि लेखक, समाज सेवक शरद बागड़ी व भारती बागड़ी थे। उद्घाटन श्री बागड़ी के हाथों रिबन कटवा कर व दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर संगठन की प्रांतीय अध्यक्ष अनामिका मोदी, अध्यक्ष वैशाली जैन, उपाध्यक्ष नीरा जैन व भाजपा महिला प्रकोष्ठ कोषाध्यक्ष वंदना शर्मा मौजूद थीं। अध्यक्ष वैशाली जैन ने श्री बागड़ी का परिचय दिया तथा पुष्पगुच्छ व श्रीफल से सत्कार किया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने किया अभियान का शुभारंभ

धार. जयश्री महेश सोशल ग्रुप (माहेश्वरी समाज) धार अध्यक्ष महेश माहेश्वरी ने बताया गांधी जयंती पर ग्रुप द्वारा सेनापति गार्डन, इंदौर रोड पर सफाई अभियान का आयोजन किया गया। अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री विक्रम वर्मा, नपाध्यक्ष ममता जोशी व वैश्य समाज प्रदेश महामंत्री महेश माहेश्वरी आदि उपस्थित थे। छोटे-छोटे बच्चों ने भी बढ़-चढ़ कर योगदान दिया। श्री माहेश्वरी ने बताया कि रविवार को भी गार्डन में सफाई मिशन चलेगा। वृद्धाश्रम जाकर वृद्धों, बच्चों को फल व बिस्किट भी बांटे गए। ग्रुप के कपिल माहेश्वरी, सुभाष गिलड़ा, कृष्णकांत झंवर, संजय बंग, कमल धूत, सुनील माहेश्वरी, स्वयंप्रकाश सोनी, गोपाल राठी, प्रहलाद माहेश्वरी, रवि परवाल, लकी परवाल, सुभाष माहेश्वरी आदि मौजूद थे।

रात्रि जागरण का किया आयोजन

बरेली. नवरात्रि की शुभ बेला में स्थानीय माहेश्वरी महिला समिति द्वारा गीता वैंकट हॉल मारवाड़ीगंज में माँ भगवती के जागरण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष प्रभा मूना, सचिव शशि साबू, कुमकुम, रतनदेवी माहेश्वरी सहित कई सदस्याएँ उपस्थित रहीं। आभार सुशीला देवी साबू ने माना।

> "अगर एक गुलाब देने से प्यार हो जाता,
> तो आज माली
> सारे शहर का प्यार होता ॥"

शक्ति की उपासना के बाद रावण दहन

नलखेड़ा. कक्का इंटरनेशनल स्कूल ने लगातार सातवें सत्र में दशहरा व नवरात्रि महोत्सव धूमधाम से मनाया। इसके अंतर्गत इंटर हाउस गरबा कॉम्पीटिशन एवं रावण दहन कार्यक्रम भी आयोजित हुआ। रंग-बिरंगी वेशभूषा में सुंदर प्रस्तुतियों से विद्यार्थियों ने समां बांध दिया। विद्यार्थियों व कला शिक्षकों के बनाए 31 फीट ऊंचे इको फ्रेंडली पुतले का दहन श्री राम, लक्ष्मण एवं हनुमान बने नर्सरी कक्षा के बालकों ने किया। विशेष अतिथि रामेश्वर खंडेलवाल, पुष्कर बाहेती, राजेंद्र ईनानी, मुकेश रहाणे व पिंकेश गुप्ता थे। चेयरमैन चतुर्भुज माहेश्वरी, भारती माहेश्वरी, इंदु खंडेलवाल व प्राचार्य किरण मूंदड़ा ने भगवान श्रीराम, लक्ष्मण व हनुमान का पूजन किया।

दो दिवसीय गरबा महोत्सव का हुआ आयोजन

उदयपुर. संस्था माहेश्वरी महिला गौरव की ओर से स्थानीय ओरियन्टल पैलेस रिसोर्ट उदयपुर में दो दिवसीय रंगारंग गरबा महोत्सव एवं मेले का आयोजन किया गया। इसमें महिलाओं ने एक जैसी ड्रेस पहनकर डांडिया नृत्य किया एवं मेले का आनंद उठाया। इसी के साथ टीचर्स डे एवं मुस्कान क्लब में विशिष्ट नागरिकों का सम्मान व कव्वालियों का आयोजन भी किया गया। महिला गौरव की संरक्षक कौशल्या गट्टानी व जनक बांगड़ के नेतृत्व में युवतियों एवं महिलाओं के लिए निःशुल्क प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। उदयपुर के कई स्थानीय क्लब के साथ तीज उत्सव पर जगह-जगह पौधे रोपकर संकल्प लिया गया कि शहर को साफ-सुथरा बनाए रखेंगे। इस स्पर्धा एवं मेले का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि राजेंद्र मंत्री एवं विशेष अतिथि गोपाल काबरा, मधु खमेसरा, घनश्याम लड्ढा, पुष्पा राठी एवं रामनारायण कोठारी ने किया।

समाज के नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने की आभार यात्रा

धामनोद. धार जिला माहेश्वरी समाज के नव-निर्वाचित जिलाध्यक्ष विजय (श्याम) भांगड़िया सगोर ने जिले का दौरा किया। इसमें श्री भांगड़िया ने धामनोद, गुजरी, सुन्द्रेल, काली बावड़ी आदि स्थान में समाजजनों के घर-घर जाकर उनका आशीर्वाद लिया व आभार माना। सभी स्थान पर समाजजनों ने उनका अभिनंदन किया। श्री भांगड़िया द्वारा अपने माता-पिता की स्मृति में गुजरी माहेश्वरी भवन निर्माण के लिए 11 हजार की सहयोग राशि और न्याती पब्लिक स्कूल धामनोद में विद्यार्थियों के लिए दो कम्प्यूटर की सौगात दी गई। श्री भांगड़िया के साथ पूर्व जिलाध्यक्ष घनश्याम जाजू, पूर्व जिलाध्यक्ष उपाध्यक्ष राधेश्याम मंत्री, अखिल भारतीय सदस्य जगदीश मूंदड़ा, सहसचिव व प्रहलाद आगीवाल व अमित भांगड़िया आदि भी साथ थे।

मूंदड़ा अध्यक्ष, पेड़ीवाल सचिव

मंजू मूंदड़ा

नीलम पेड़ीवाल

उदयपुर. गत दिनों महेश महिला सोसायटी के चुनाव बड़बड़ेश्वर महादेव मंदिर पर चुनाव अधिकारी मुरलीधर गट्टानी के निर्देश में सम्पन्न हुए। इसमें अध्यक्ष मंजू मूंदड़ा, सचिव नीलम पेड़ीवाल व कोषाध्यक्ष शोभा कालानी निर्वाचित हुई। प्रदेश व जिला से जानकीलाल मूंदड़ा, मोहनलाल देवपुरा व शंकरलाल भदादा मौजूद थे।

महिला मंडल कार्यकारिणी गठित

बेंगलुरु. माहेश्वरी महिला मंडल की नई कार्यकारिणी का गठन सलाहकार समिति के मार्गदर्शन में गत 1 अक्टूबर को हुआ। इसमें अध्यक्ष सुशीला बागड़ी व सचिव श्वेता बियाणी चुनी गईं।

पुण्य स्मृति में बनवाया विश्रांति गृह

आगूंचा. आगूंचा के समाजसेवी व भामाशाह सत्यनारायण सोमानी द्वारा अपने पिता स्वर्गीय श्री रामस्वरूप सोमानी की पुण्यस्मृति में मोक्षधाम पर शवदाह विश्रांति गृह का निर्माण कराया गया। उक्त जानकारी देते हुए आशीषकुमार व अनिलकुमार सोमानी ने बताया कि महामंडलेश्वर महंत 1008 श्री जगदीशपुरी जी महाराज की पावन प्रेरणा से यह निर्माण हुआ है। इसके निर्माण में 5 लाख रुपये से अधिक राशि व्यय हुई है। इसके निर्माण होने से अब मोक्षधाम में आने वाले लोगों को सर्दी-गर्मी व बारिश से निजात मिली है।

> दिल के रिश्ते
> कभी खत्म नहीं होते,
> बस कभी-कभी
> खामोश हो जाते हैं।

स्वास्थ्य एवं आध्यात्म विकास शिविर सम्पन्न

उदयपुर. महेश सेवा संस्थान एवं महेश सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में महेश सेवा समिति के भवन में मेरठ आश्रम के डॉ. गोपाल शास्त्री के मार्गदर्शन में सात दिवसीय स्वास्थ्य एवं आध्यात्म विकास शिविर का पहली बार आयोजन हुआ। इसमें तप सेवा सुमिरन के सिद्धांतों एवं मानस योग साधना आधारित स्वास्थ्य शक्ति, ज्ञान, आनंद एवं प्रेम की राह पर चलने से ही जीवन की सार्थकता बताई गई तथा आदर्श भोजन प्रणाली अपनाने के प्रवचन आदि हुए। दोनों संस्था के अध्यक्ष राधाकृष्ण गट्टानी, डॉ. बीएल असावा, सचिव श्यामलाल मूंदड़ा, श्यामलाल सोमानी, कोषाध्यक्ष डॉ. प्रहलादराय सोमानी, शंकरलाल काबरा, शिविर संयोजक मुरलीधर गट्टानी एवं विनोद झँवर सहित 30 कार्यकर्ताओं ने योगदान दिया।

महिला मंडल के चुनाव संपन्न

वंदना मंत्री

आशा अजमेरा

नीमच. स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल की नवीन कार्यकारिणी का गठन गत 10 सितंबर को समाज अध्यक्ष ओमप्रकाश मंत्री के नेतृत्व में किया गया। इसमें अध्यक्ष वंदना मंत्री, उपाध्यक्ष वर्षा बाहेती, सचिव आशा अजमेरा, सहसचिव मंजू समदानी, कोषाध्यक्ष संध्या राठी, प्रचार मंत्री विनीता गट्टानी, सांस्कृतिक सचिव लीला मंडोवरा, संगठन मंत्री उमा काबरा व संरक्षक सूरजदेवी गट्टानी चुनी गईं।

> "मूल्यहीन व्यक्ति
> केवल
> खाने और पीने के लिए
> जीते हैं,
> मूल्यवान व्यक्ति
> केवल
> जीने के लिए
> खाते और पीते हैं।"

विश्व हृदय दिवस पर माहेश्वरी समाज द्वारा रक्तदान शिविर

वरंगल. माहेश्वरी समाज वरंगल द्वारा विश्व हृदय दिवस एवं महात्मा गांधी जयंती के उपलक्ष्य में थेलेसिमिया रोग से पीड़ितों को रक्त आपूर्ति हेतु महेश फाउंडेशन हैदराबाद के सहयोग से डॉ. राधेश्याम तापड़िया की देख-रेख में रक्तदान शिविर लगाया गया। आयोजन प्रगतिशील मारवाड़ी समाज भवन में हुआ। शुभारम्भ डॉ. तापड़िया द्वारा गणेश पूजन के साथ किया गया। मारवाड़ी समाज के साथ अन्य समाजजनों ने भी शिविर में उत्साह के साथ भाग लिया। डॉ. तापड़िया ने समाज के उत्साह को देखते हुए बताया कि भविष्य में समाज के निःशुल्क चिकित्सा शिविरों में भी उनका सहयोग रहेगा। समाज अध्यक्ष प्रहलाद सोनी, मंत्री संपतकुमार लाहोटी, प्रादेशिक उपाध्यक्ष रमेशचंद बंग, जिला सभा मंत्री बृजगोपाल लाहोटी, समाज उपाध्यक्ष श्याम जाखोटिया, रामकिशोर मणियार, नवल मणियार, विष्णु बल्दवा, नवल मूंदड़ा आदि मौजूद थे।

बाल कलाकार शुभम ने दिये रंगोली से संदेश

अमरावती. शहर के बाल कलाकार शुभम-सतीश सुदा ने रंगोली के माध्यम से 9 दिन तक सामाजिक, आध्यात्मिक विषयों के साथ देश के नौजवानों के लिए भी विभिन्न प्रकार के संदेश दिये। इसके लिये शुभम ने प्रतिदिन विभिन्न विषयों पर सुंदर-सुंदर रंगोली बनाई। नवरात्रि के शुभ अवसर पर महाकाली मंदिर में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, रक्तदान श्रेष्ठदान जैसे संदेश दिये गये। शुभम ख्यात रंगोली कलाकार माधुरी-सतीश सुदा के सुपुत्र और जगदीश व इंद्रकांता सुदा के पौत्र हैं।

महिला समिति द्वारा कुकीज क्लास का हुआ आयोजन

पुरुलिया. स्थानीय माहेश्वरी महिला समिति द्वारा गत 31 अगस्त को अर्चना मल्ल के मार्गदर्शन में कुकीज क्लास का आयोजन किया गया। इसमें लगभग 10 से ज्यादा प्रकार के कुकीज बनाना सिखाया गया। योग शिक्षिका पिंकी दीदी और अन्य द्वारा संस्था के साथ मिलकर "योग दिवस" पर भी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दुर्गापुर में पश्चिम बंगाल प्रादेशिक महिला संगठन के अंतर्गत अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की ओर से कार्यसमिति तथा कार्यकारिणी बैठक का आयोजन भी किया गया। इस दौरान नई समिति का गठन किया गया। इसमें पुरुलिया से कुसुम मल्ल को सचिव और नीरा मल्ल को उपाध्यक्ष चुना।

श्री महेश वरिष्ठ नागरिक सभा मालेगांव द्वारा 'श्री माहेश्वरी टाईम्स' का विमोचन

मालेगांव. गत 2 अक्टूबर को श्री महेश वरिष्ठ नागरिक सभा मालेगांव के अध्यक्ष रामनिवास तापड़िया के कर कमलों से श्री माहेश्वरी टाइम्स के अक्टूबर 2016 अंक का विमोचन हुआ। श्री महेश वरिष्ठ नागरिक सभा के संदर्भ में लेख प्रकाशित करने पर श्री माहेश्वरी टाइम्स के प्रति सभी सदस्यों ने बहुत-बहुत आभार जताया और आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी उनके सभी कार्यकलापों को पत्रिका में स्थान देंगे। वरिष्ठ नागरिक सभा की विस्तृत जानकारी को संकलित कर प्रकाशित करवाने के लिए सुमिता-राजकुमार मूंधड़ा को श्री महेश वरिष्ठ नागरिक सभा अध्यक्ष श्री तापड़िया और श्री माहेश्वरी प्रगति मंडल अध्यक्ष आशीष झँवर ने सम्मानित किया। सचिव गिरिराज खटोड़, कोषाध्यक्ष सत्यनारायण काला, रमेशचंद्र झँवर, रमेशचंद्र मूंधड़ा, जुगल झँवर सहित करीब 100 लोग मौजूद थे।

महिला मंडल ने शहीदों को दी रक्तदान से श्रद्धांजलि

अमरावती. स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा अध्यक्ष प्रभा श्रीकांत झँवर व सचिव प्रीति रवि डागा के अथक प्रयास से इस वर्ष कई धार्मिक व सामाजिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जम्मू-कश्मीर के उरी क्षेत्र में हुए आतंकी हमले में शहीद हुए 18 जवानों में अमरावती जिले के नांदगांव खंडेश्वर निवासी 27 वर्षीय विकास उर्फ पंजाब जानराव उईके भी शामिल हैं। उनको श्रद्धांजलि देने हेतु महिला मंडल द्वारा "रक्तदान-महादान" किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में पालक मंत्री प्रवीण पोटे उपस्थित थे। विधायक श्रीकांत देशपांडे, पुलिस आयुक्त दत्तात्रय मंडलिक, पूर्व विधायक सुलभा खोड़के, नगर की महापौर रीना नंदा, माहेश्वरी पंचायत अध्यक्ष सुभाष राठी, सचिव सुरेश साबू, अखिल भारतीय महिला संगठन की महामंत्री पुष्पलता परतानी आदि विशेष रूप से मौजूद थे। रक्तदान समिति के अध्यक्ष महेंद्र भूतड़ा के प्रयास से इसमें रक्तदाताओं से 250 यूनिट्स रक्त संग्रह किया गया। इस कार्यक्रम में विशेष रूप से शहीद की मां बेबी ताई, भाई, दामाद व दोस्त आदि भी उपस्थित थे। इस अवसर पर शहीद की माताजी को साड़ी, शॉल-श्रीफल के साथ 11 हजार रुपए की सम्मान राशि भेंटकर सम्मानित किया गया।

गाजरघास को हटाने के लिए अभियान

भीलवाड़ा. विजय सिंह पथिक नगर माहेश्वरी समाज संस्थान द्वारा अपने क्षेत्र में उगी हुई गाजरघास को हटाने का कार्यक्रम चलाया गया। संस्थान के अध्यक्ष बनवारीलाल सोमानी व मंत्री रविकुमार बाहेती ने बताया कि संस्थान द्वारा समय-समय पर समाजोत्थान के अनेकों कार्यक्रम आयोजित किये जाते रहे हैं। इसी कड़ी में संस्थान द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के तहत गाजरघास हटाने का शुभारंभ इस अवसर पर किया गया, जो 6 अक्टूबर तक चला। शुभारंभ अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष, पूर्व न्यास अध्यक्ष एलएन डाड, पर्यावरणविद् बाबूलाल जाजू, प्रदेशाध्यक्ष राधेश्याम सोमानी, पुष्कर सेवा समिति के उपाध्यक्ष कैलाश मूंदड़ा, नगर अध्यक्ष केदारमल जागेटिया, कैलाशचंद्र कोठारी, देवेंद्र सोमानी, राधेश्याम चेचाणी, युवा संगठन एवं महिला संगठन के पदाधिकारी सहित कई गणमान्यजन मौजूद थे।

पश्चिमी मप्र माहेश्वरी महिला संगठन के चुनाव संपन्न

अरुणा बाहेती

वीणा सोमानी

इंदौर. मप्र पश्चिमी मप्र माहेश्वरी महिला संगठन की अगले सत्र के लिए महू में चुनावी बैठक संपन्न हुई। इसमें प्रदेश अध्यक्ष अरुणा बाहेती खंडवा, सचिव वीणा सोमानी इंदौर, कोषाध्यक्ष गीता झँवर मंदसौर, संगठन मंत्री मंजू मल्लिका इंदौर, आंचलिक उपाध्यक्ष कांता सोडानी महू, उषा सोडानी उज्जैन, प्रवीणा झँवर सेंधवा व सुधा मेहरा जावरा तथा आंचलिक संयुक्त सचिव मंगला सिंगजी देवास, पुष्पा कोठारी उज्जैन, स्नेहलता झँवर बाग व मीना चौधरी आलीराजपुर सर्वानुमति से निर्वाचित हुईं। निर्वाचन अधिकारी अंजू बाहेती एवं राष्ट्रीय पर्यवेक्षक उर्मिला झँवर के साथ राष्ट्रीय पदाधिकारी सुशीला काबरा, गीता मूंदड़ा व प्रदेशाध्यक्ष महेश तोतला भी मौजूद थे।

"कौन
ज्यादा सुखी है
'सोने की चैन वाला'
या
'चैन से सोने वाला'।"

करेड़ा समाज के हुए निर्विरोध चुनाव

करेड़ा. श्री माहेश्वरी समाज करेड़ा के चुनाव गत 24 सितंबर को स्थानीय माहेश्वरी भवन करेड़ा में सर्वसम्मति से हुए। इसमें अध्यक्ष भंवरलाल अजमेरा, मंत्री ओमप्रकाश झँवर व कोषाध्यक्ष दिनेशचंद्र झँवर एवं कार्यकारिणी के सदस्य निर्विरोध चुने गए। मंत्री ओमप्रकाश झँवर ने बताया कि उपरोक्त कार्यकारिणी द्वारा माहेश्वरी भवन के विस्तार व समाज सुधार हेतु विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर आने वाले समय में समाज को नई ऊंचाइयों में ले जाने का संकल्प भी किया गया।

दशहरा महोत्सव का हुआ आयोजन

भीलवाड़ा. समाजसेवी अरविन्द अजमेरा के मजबूत नेतृत्व में ही दशहरा महोत्सव का आयोजन श्री झालरा महादेव व्यायामशाला परिवार की ओर से किया गया। गत 4 वर्षों से अजमेरा इसके अध्यक्ष हैं। श्री अजमेरा ने बताया कि रावण दहन से पहले शोभायात्रा गांव में निकाली जाती है। मोक्षधाम के पास रावण दहन किया जाता है।

> अगर बुरी आदत
> समय पर न बदली जाये
> तो बुरी आदत
> समय
> बदल देती है।

प्रवासी भारतीय अमृता बाहेती का प्रधानमंत्री ने किया सम्मान

भीलवाड़ा. आगूंचा की बहू व पुर की बेटी व प्रवासी भारतीय अमृता बाहेती का गत दिनों दिल्ली में आयोजित प्रवासी भारतीय केंद्र के उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने सम्मान किया। बापूनगर में रहने वाले शांतिलाल-प्रकाशदेवी पलोड़ की बेटी अमृता सऊदी अरब में पति अमित के साथ रहती है। उन्होंने विदेश मंत्रालय की ओर से आयोजित 'भारत जानो यात्रा' में भाग लिया। एक माह की यात्रा के लिए अमृता का चयन ऑनलाइन टेस्ट के जरिये हुए था। एक माह की भारत यात्रा के तहत उन्होंने कई जगह भ्रमण किया और विभिन्न जानकारियां जुटाईं। इसके बाद दिल्ली में प्रवासी भारतीय केंद्र की ओर से आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया।

रंगनाथ न्याती ने मनाया जन्मदिवस

धामनोद. ख्यातवरिष्ठ समाजसेवी व अ.भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व उपाध्यक्ष रंगनाथ न्याती का जन्मदिवस गत 2 अक्टूबर को स्थानीय समाजजनों व स्नेहीजनों द्वारा मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित स्वजनों ने उनसे केट कटवाया और फिर उनका हार-फूल से भव्य अभिनंदन किया। इस अवसर पर दामोदर राठी, राधेश्याम मालानी, सुरेश आगीवाल, कल्याणमल न्याती, भगवानदास न्याती, मोहनलाल न्याती, भगवानदास न्याती, घनश्याम जाजू, कैलाश परवाल, भगवानदास मूंदड़ा, नारायण मालू, प्रहलाद आगीवाल आदि कई गणमान्यजन मौजूद थे। उक्त जानकारी प्रहलाद आगीवाल ने दी।

'गंगा बचाओ' विषय पर पोस्टर व स्लोगन स्पर्धा एवं कुकरी शो

मेरठ. माहेश्वरी महिला मंडल मेरठ ने 10 अक्टूबर को सेठ बी.के. माहेश्वरी स्कूल में मास्टर शेफ निशा वर्मा के साथ कुकरी शो का आयोजन किया। इसी के साथ गंगा बचाओ विषय पर पोस्टर व स्लोगन स्पर्धा भी आयोजित हुई। शुरुआत माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्ष मधु डांगरा, सचिव प्रगति माहेश्वरी, माहेश्वरी मित्र मंडल अध्यक्ष देवेंद्र भट्टर आदि ने दीप प्रज्ज्वलन से की। अतिथि निशा वर्मा, लेडीज क्लब अध्यक्ष वीना जैसवाल, दुर्गेश माहेश्वरी व निशा टावरी थीं। संचालन वंदना ढक ने किया। कार्यक्रम मे म्यूजिकल तंबोला भी खेलाया गया। सुश्री वर्मा ने महिलाओं को कई तरह के व्यंजन बनाना सिखाया। पोस्टर स्पर्धा में प्रथम भावना माहेश्वरी, द्वितीय गुंजन ढक, तृतीय कविता धन्नानी रहीं। शेष सभी को सांत्वना पुरस्कार दिए गए।

छत्तीसगढ़ में किया उद्योगपतियों को आमंत्रित

मुंबई. सीएसआईडीसी अध्यक्ष छगनलाल मूंदड़ा आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्र, मुम्बई द्वारा आयोजित वार्षिक आमसभा में शामिल हुए। इसमें पदाधिकारियों ने श्री मूंदड़ा का सम्मान किया। छग के मुख्यमंत्री डॉ. रमनसिंह ने राज्य के तीव्र औद्योगिक विकास हेतु सुगम व सरल औद्योगिक नीति बनाई है। इसमें शासन ने स्थापित होने वाले सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम श्रेणी के उद्योगों को अनेक प्रकार की छूट दी है। श्री मूंदड़ा ने सभा में इसकी जानकारी दी। इसे जानकर अध्यक्ष ने बैठक में उपस्थित उद्योगपतियों व व्यापारियों से छत्तीसगढ़ में उद्योग लगाने की अपील की तथा छत्तीसगढ़ आने हेतु आमंत्रित किया। इस वार्षिक आमसभा में माहेश्वरी सभा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं आदित्य विक्रम बिड़ला कार्याध्यक्ष बंशीलाल राठी, केंद्र अध्यक्ष व बिड़ला ग्रुप की चेयरपर्सन राजश्री बिड़ला, माहेश्वरी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जोधराज लड्ढा, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल सोनी, नवल राठी, रामरतन मूंदड़ा आदि मौजूद थे।

दक्षिण कलकत्ता सभा के चुनाव सम्पन्न

कलकत्ता. दक्षिण कलकत्ता माहेश्वरी सभा के चुनाव गत 29 सितंबर को हुए। इसमें सभापति अरुण लड्ढा, उपसभापति राजगोपाल पसारी व राजेश नागोरी, मंत्री गिरिराज चितलांगिया, उपमंत्री दिलीप लाहोटी व अनिल लाखोटिया, कोषाध्यक्ष रमेश चांडक एवं संगठन मंत्री प्रवीण गग्गर निर्वाचित हुए। कार्यकारिणी सदस्य मुरली मनोहर मानधना, अरुण गग्गर, सूरज नागोरी, अभय सोमाणी, भगवतीप्रसाद मूंधड़ा, हरीश जाजू, सुरेश भूतड़ा, अजय लड्ढा सदस्य निर्वाचित हुए।

आयुर्वेदिक नाड़ी परीक्षण शिविर सम्पन्न

मालेगांव. महालक्ष्मी माहेश्वरी मंडल, मालेगांव द्वारा दो दिवसीय आयुर्वेदिक नाड़ी परीक्षण शिविर का आयोजन गत 25 और 26 सितंबर को किया गया। इसमें नाशिक के दम्पत्ति डॉ. गौरव भूतड़ा (एमडी आयुर्वेद) तथा उनके साथ डॉ. सुप्रभा भूतड़ा ने 225 लोगों का नाड़ी परीक्षण किया। इस शिविर में अध्यक्ष सरिता बाहेती, शमा जाजू, रत्ना लड्ढा, वंदना जाजू, शारदा लाहोटी, बीना भंडारी आदि ने विशेष योगदान दिया। इस कार्यक्रम में मंडल के सभी पदाधिकारी और सदस्याऐं मौजूद थीं।

झँवर बने तहसील अध्यक्ष

शिगोली श्याम. माहेश्वरी धर्मशाला सिंगोली चारभुजा में सम्पन्न हुए मांडलगढ़ तहसील माहेश्वरी सभा के चुनावों में गोवर्धनलाल झँवर तहसील अध्यक्ष चुने गए। चुनाव अधिकारी सत्यनारायण मूंदड़ा, राजेंद्र कचोलिया, कृष्णगोपाल राठी, ओमप्रकाश सोडानी, रामप्रसाद आगाल के मार्गदर्शन में चुनाव में सम्पन्न हुए।

ओसियां के चुनाव सम्पन्न

चांदरत्न डागा

सुनील लाहोटी

मुरलीधर भूतड़ा

ओसियां. तहसील माहेश्वरी समाज के चुनाव मथानिया माहेश्वरी समाज सभा भवन में वल्लभ फोफलिया, मुरलीधर सोनी व एमडी भूतड़ा के सान्निध्य में सम्पन्न हुए। इसमें सर्वसम्मति से तहसील अध्यक्ष चांदरत्न डागा, सचिव सुनील लाहोटी व कोषाध्यक्ष मुरलीधर भूतड़ा चुने गए। इस अवसर पर पुष्कर माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष श्याम माहेश्वरी, समाज के जिलाध्यक्ष रतनलाल डागा, जोधपुर माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष दामोदर बंग, पश्चिम राजस्थान माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष जेएम बूब सहित कई गणमान्यजन मौजूद थे।

> "समझदार वह व्यक्ति नहीं
> जो ईंट का जवाब
> पत्थर से दे
> समझदार वह है
> जो फेंकी हुई ईंट से अपना
> आशियाना बना ले..."

परिचय सम्मेलन का हुआ आयोजन

इंदौर. विगत दिनों जय महेश माहेश्वरी सेवा संस्थान द्वारा परिचय सम्मेलन समाजसेवी रंगनाथ न्याती की उपस्थिति में संपन्न हुआ। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि रामअवतार जाजू अध्यक्ष माहेश्वरी बोर्ड तथा अतिथि गिरिश सारडा इंदौर व दिनेश सारडा मानपुर थे। इस

अवसर पर रमेशचंद्र डाड द्वारा संपादित एवं संस्थान द्वारा प्रकाशित विवरणिका प्रणय का विमोचन भी हुआ। इसी अवसर पर कल्याण मंत्री व रामेश्वरलाल असावा के सान्निध्य में किशन भैया व माणकलाल अजमेरा का सम्मान किया गया। रात्रि में रामअवतार जाजू के सान्निध्य में जय महेश माहेश्वरी सेवा संस्थान द्वारा रंगनाथ न्याती का अमृत महोत्सव मनाया गया। इसमें श्री द्वारका मंत्री द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गई। दूसरे दिन अतिथियों के लिये प्रमिला भूतड़ा के संयोजन में माहेश्वरी फ्रेंड्स ग्रुप द्वारा सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। संस्थापक सुरेशचंद्र राठी, संस्था अध्यक्ष गोपालकृष्ण मानधन्या, स्वागत अध्यक्ष शैलेष होलानी, संयोजक राजेश भट्टड़ ने अतिथियों का स्वागत किया। आभार संस्था सचिव एन.डी. माहेश्वरी ने माना।

प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन में हुआ सम्मान

कोलकाता. पं. बंगाल के राज्याास केशरीनाथ त्रिपाठी के आतिथ्य में पश्चिम बंगाल प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन वार्षिक सम्मान समारोह के साथ आयोजित हुआ। इसमें डॉ. जलज भादूड़ी को "लक्ष्मीदेवी-नृसिंहदास मूंधड़ा कृतज्ञता सम्मान" से विभूषित किया गया। नारी सशक्तिकरण एवं महिलाओं के चातुर्दिक विकास के लिए सक्रिय अलका बांगड़ को "सुधा-जगदीशचंद्र मूंधड़ा गौरव सम्मान" से अलंकृत किया गया। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पत्रकारिता में कम उम्र में सुख्याति प्राप्त करने वाली "आज तक" की वरिष्ठ पत्रकार एवं टीवी टुडे (इंडिया टुडे ग्रुप) की उपसंपादक मनोज्ञा लोइवाल को "श्रीदेवी माहेश्वरी नारी शक्ति सम्मान" से विभूषित किया गया। गौरव टेकड़ीवाल को श्री चंद्रप्रकाश माहेश्वरी युवा सम्मान से नवाजा गया। श्री टेकड़ीवाल वैदिक मैथ्स फोरम इंडिया के संस्थापक अध्यक्ष हैं। कार्यक्रम का संचालन विश्वम्भर नेवर ने किया। जगदीशचंद्र मूंधड़ा ने अध्यक्षीय भाषण दिया। सचिव घनश्याम शर्मा ने सबका स्वागत किया। डॉ. वसुंधरा मिश्र, अशोक बियानी, प्रदीप अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, गोकुल मुरारका, अमित मूंधड़ा आदि कार्यक्रम को सफल बनाने में संलग्न थे।

> "कोई भी इंसान इतना अमीर नहीं होता कि वो अपना भूतकाल खरीद सके और कोई इतना गरीब नहीं होता कि वोअपना भविष्य न बदल सके।"

प्रदेश महिला संगठन के चुनाव सम्पन्न

ज्योत्सना लाहोटी

अनुसूया मालू

इचलकरंजी. महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन की पंचम कार्यकारिणी की बैठक नवनिनाद इचलकरंजी (जिला कोल्हापुर) में आयोजित हुई। चुनाव अधिकारी के रूप में लता लाहोटी अभा माहेश्वरी महिला संगठन की पूर्वाध्यक्ष पुणे तथा पर्यवेक्षक के रूप में कल्पना गगडाणी (अभा माहेश्वरी महिला संगठन की महामंत्री) उपस्थित थीं। इसमें सप्तम सत्र के पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से चयन किया गया। अध्यक्ष ज्योत्सना लाहोटी-जलगांव तथा सचिव अनुसूया मालू-जयसिंगपुर चुनी गईं। कोषाध्यक्ष निर्मला बल्दवा, उपाध्यक्ष विजया जाजू (खानदेश), शांति मूंदड़ा (प. महाराष्ट्र) विभागीय सहसचिव कमला कालाणी (कोकण), सूर्यमाला मालाणी (मराठवाड़ा), शोभना बूब (खानदेश) व सरोज तोषणनीवाल (प. महाराष्ट्र) चुनी गईं। महासभा कार्यसमिति के लिए अरुणा लड्ढा का चयन हुआ।

धर्मीचंद बिड़ला बने अध्यक्ष

मेड़तासिटी. स्थानीय माहेश्वरी पंचायत के चुनाव गत दिनों सम्पन्न हुए। सर्वसम्मति से धर्मीचंद बिड़ला अध्यक्ष, रामनारायण काबरा सचिव व सत्यनारायण लाहोटी कोषाध्यक्ष चुने गए।

बागड़ी अध्यक्ष, बियाणी सचिव

बेंगलुरु. माहेश्वरी महिला मंडल, बेंगलुरु की नई कार्यकारिणी का गठन सलाहकार समिति के मार्गदर्शन में गत 1 अक्टूबर को सम्पन्न हुआ। इसमें नए सत्र का कार्यभार अध्यक्ष सुशीला बागड़ी व सचिव श्वेता बियाणी को सौंपा गया।

नगर माहेश्वरी सभा के चुनाव

गंगापुर. गत 02 अक्टूबर को चारभुजानाथ मंदिर में माहेश्वरी समाज गंगापुर की नगर कार्यकारिणी के चुनाव जिला पर्यवेक्षक रामराय सेठिया एवं तहसील अध्यक्ष मनोहरलाल सोमानी के सान्निध्य में सम्पन्न हुए। अध्यक्ष शांतिलाल समदानी एवं उपाध्यक्ष जुगलकिशोर जागेटिया सर्वसम्मति से चुने गए।

कासगंज व एटा के चुनाव सम्पन्न

कासगंज. जिला माहेश्वरी सभा कासगंज व एटा के पदाधिकारी व कार्यकारिणी सदस्यों के चुनाव स्थानीय मारवाड़ी माहेश्वरी धर्मशाला सोरों गेट में चुनाव अधिकारी अमित माहेश्वरी के निर्देशन और पश्चिमी उत्तरप्रदेश के पर्यवेक्षक महेंद्र डागा, मनोज दुजारी (आगरा) एवं राकेश मोहता (अलीगढ़) के सान्निध्य में सर्वसम्मति से हुए। इसमें अजय झंवर अध्यक्ष, महेंद्र चांडक मंत्री, सुनील दरगढ़ कोषाध्यक्ष, आनंद राठी जलेसर, पंकज खटोल व संजय धूपड़ उपाध्यक्ष, घनश्याम माहेश्वरी संगठन मंत्री, विनीतकुमार राठी एटा, राजेश भट्टर व अनिलकुमार भडसारी उपमंत्री चुने गए। कार्यकारिणी मंडल सदस्यों का चयन भी हुआ।

> "हे स्वार्थ !
> तेरा शुक्रिया...
> एक तू ही है,
> जिसने लोगों को
> आपस में
> जोड़कर रख रखा है।"

बाबा रामदेव का जन्मोत्सव मनाया

दुर्ग. गंजपारा स्थित श्री बाबा रामदेव मंदिर समिति ने बाबा का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया। 3 सितंबर को श्री माहेश्वरी पंचायत दुर्ग अध्यक्ष ओमप्रकाश टावरी, सचिव राजकुमार केला, मंदिर समिति अध्यक्ष अशोक राठी व समाजजनों ने ध्वजारोहण कर महाआरती की। रोज 8.30 से 12 बजे तक ख्यात भजन गायकों ने प्रस्तुति दी। 13 सितंबर की शाम शहर के विभिन्न मार्गों से शोभायात्रा निकाली गई। ओमप्रकाश टावरी, अशोक राठी, मोहन राठी, विठ्ठल भूतड़ा, राजकुमार गांधी, चतुर्भुज राठी, चैनसुख भट्टड़, राजकुमार केला, अमरचंद गांधी, जगदीश झंवर, मुरारी भूतड़ा, रामवतार राठी आदि मौजूद थे।

प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के चुनाव सम्पन्न

फरीदाबाद. हरियाणा-हिमाचल प्रदेश-जम्मू-कश्मीर प्रादेशिक सभा की चुनावी बैठक गत 11 सितंबर को जिला माहेश्वरी सभा के तत्वावधान में स्थानीय माहेश्वरी भवन में आयोजित की गई। इसमें प्रदेश के सभी जिलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। जिला सभा सचिव बिनोद बिहानी व जिला अध्यक्ष सुशील नेवर द्वारा समस्त पदाधिकारियों का स्वागत किया गया। प्रादेशिक सचिव राजेंद्र कलंत्री ने सभी जिला पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए प्रादेशिक सभा द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चंडीगढ़ व आसपास हिमाचल व पंजाब के भाग को जोड़कर एक नई ट्राई सिटी सभा का गठन किया गया है। प्रादेशिक ट्रस्ट अध्यक्ष प्रदीप पेड़ीवाल ने बताया कि ट्रस्ट का कोष 4 लाख से बढ़कर 14 लाख हो गया है तथा ट्रस्ट द्वारा विधवाओं को मासिक पेंशन तथा जरूरतमंदों को शिक्षा एवं मेडिकल चिकित्सा हेतु सहायता दी जा रही है।

ये बने प्रदेश के नए कर्णधार

प्रदेश मंत्री राजेंद्र कलंत्री ने बताया कि चुनाव अधिकारी सतीश माहेश्वरी बहादुरगढ़, राकेश राठी अबोहर तथा महासभा पर्यवेक्षक अनिल मानधनी की उपस्थिति में चुनाव करवाए गए। इसमें महासभा कार्यसमिति सदस्य प्रदीपकुमार पेड़ीवाल अबोहर, अध्यक्ष-ओमप्रकाश पसारी फरीदाबाद, उपाध्यक्ष राजेंद्र कलंत्री गुड़गांव, ओमप्रकाश राठी हिसार, अशोक गोदानी लुधियाना, सचिव महेश राठी हिसार, संगठन मंत्री सुशीलकुमार मूधड़ा भटिंडा, कोषाध्यक्ष विवेक तोषणीवाल रेवाड़ी तथा संयुक्त मंत्री नकुल मोहता सिरसा व रतनलाल भुराड़िया बहादुरगढ़ चुने गए। प्रादेशिक ट्रस्ट अध्यक्ष पद पर रामानंद माहेश्वरी बहादुरगढ़ का सर्वसम्मति से चयन किया गया।

हृदयरोग की प्राथमिक चिकित्सा का लिया प्रशिक्षण

वारंगल. विश्व हृदय दिवस के उपलक्ष्य में ख्यात हृदय विशेषज्ञ डॉ. श्रीनिवास द्वारा काकतिया मेडिकल कॉलेज प्रांगण में दिल की बीमारियां व सतर्कता तथा हृदयघात होने पर प्रथम चिकित्सा पर प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम में प्रगतिशील मारवाड़ी समाज व माहेश्वरी समाज के बंधुओं के लिए सुबह 9 से 10 बजे तक का समय निर्धारित था। समाज की ओर से प्रहलाद सोनी, रमेशचंद बंग, किशनचंद बोहरा आदि ने भाग लिया। मारवाड़ी व माहेश्वरी समाज की ओर से डॉ. श्रीनिवास (प्रमुख हृदय चिकित्सक) का पुष्पगुच्छ से अभिनंदन किया गया।

शरद गोपीदास बागड़ी का हुआ सम्मान

कोलकाता. एक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित समाजसेवक व लेखक शरद बागड़ी का सत्कार लक्ष्मीनगर जोन की नगरसेविका नीलिमा बावने व धरमपेठ जोन की सभापति वर्षाताई ठाकरे ने किया। बागड़ी के हाथों सिलाई मशीन का वितरण करते समय नीलिमा ताई ने उनके सामाजिक कार्यों की तारीफ की। उन्हें शॉल-श्रीफल व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। दक्षिण-पश्चिम जोन व्यापारी आघाड़ी महामंत्री सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

तेलंगाना के वित्तमंत्री का स्वागत

हैदराबाद. तेलंगाना सरकार के वित्त मंत्री इटेला राजेंद्र का अभिनंदन तेलंगाना स्टेट कोऑपरेटिव अर्बन बैंक एंड क्रेडिट सोसायटीज फेडरेशन के अध्यक्ष संगम रामकृष्ण एवं महेश बैंक के चेयरमैन इमीरेट्स रमेशकुमार बंग आदि द्वारा किया गया।

आयुर्वेदिक काढ़ा का निःशुल्क वितरण

गंगापुर (भीलवाड़ा). डेंगू, चिकनगुनिया, बुखार, खाँसी व मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए माहेश्वरी युवा संगठन गंगापुर द्वारा 29 सितंबर को सहाड़ा चौपाटी पर निःशुल्क आयुर्वेदिक काढ़े का वितरण किया गया। सचिव दामोदर लड्ढा ने बताया कि आयुर्वेदिक चिकित्सक सतीशकुमार शर्मा के निर्देशन में माहेश्वरी युवा संगठन ने काढ़ा तैयार किया। इस अवसर पर संगठन के अध्यक्ष राजेश समदानी, संरक्षक संदीप बाल्दी, कोषाध्यक्ष राकेश जागेटिया, चिकित्सा सचिव दिव्येश जागेटिया, संजय समदानी, अर्पित मूंदड़ा, शुभम बहेड़िया, नारायण लड्ढा, सुमन जागेटिया, भावेश न्याती सहित संगठन के सभी सदस्य मौजूद थे।

परवाल अध्यक्ष एवं कचोलिया मंत्री

उमा परवाल

अनुराधा कचौलिया

जयपुर. जिला माहेश्वरी महिला संगठन के चुनावों में उमा परवाल अध्यक्ष एवं अनुराधा कचौलिया मंत्री निर्वाचित हुईं। चुनाव अभा माहेश्वरी महिला संगठन की पूर्व अध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक बिमला साबू (सूरत) एवं चुनाव अधिकारी सरस्वती रांदड़ (चित्तौड़गढ़) की देखरेख में सम्पन्न हुए।

पटवारी अध्यक्ष एवं राठी मंत्री

सविता पटवारी

सुमन राठी

जयपुर. पूर्वोत्तर प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन के चुनावों में सविता पटवारी अध्यक्ष एवं सुमन राठी मंत्री चुनी गईं। चुनाव अभा माहेश्वरी महिला संगठन की पूर्व अध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक बिमला साबू (सूरत) एवं चुनाव अधिकारी सरस्वती रांदड़ (चित्तौड़गढ़) की देखरेख में सम्पन्न हुए।

श्रावणी भोज का किया आयोजन

दुर्ग. प्रतिवर्षानुसार श्री माहेश्वरी पंचायत दुर्ग द्वारा श्रावणी भोज का आयोजन किया गया। इस बार यह आयोजन दुर्ग से 55 किमी दूर मां बनेश्वरी के धाम डोंगरगढ़ में किया गया। जलपान व अल्पाहार के पश्चात श्री माहेश्वरी पंचायत की साधारण सभा की बैठक भी संपन्न हुई। भोजन प्रभारी अमरचंद गांधी, रामावतमार राठी, नंदकिशोर चांडक, संतोष चांडक, हेमंत राठी व सहयोगियों ने भोजन का प्रबंध किया। संचालन सचिव राजकुमार केला ने किया। मोहनलाल राठी, विट्ठलदास भूतड़ा, गोकुलदास लाखोटिया, चतुर्भुज राठी, राजकुमारजी गांधी, योगेश चांडक, मुरारी भूतड़ा, महेश टावरी, मनीष राठी, कोमलचंद चांडक, रमेश राठी, दीपक गांधी, मनोज राठी, सत्यनारायण भूतड़ा, मनोज भूतड़ा, राणा भूतड़ा सहित बड़ी संख्या में समाजजन शामिल थे।

“झूठे दिलासे से स्पष्ट इंकार बेहतर है।”

महेश बैंक ने दिया 18 प्रतिशत लाभांश

हैदराबाद. महेश बैंक द्वारा स्वयं के कोष को बढ़ाते हुए वर्ष 2016-17 के लिए सकल व्यापार 3300 करोड़ रुपए तक पहुँचाते हुए, 33 करोड़ रुपए का कर पूर्व लाभ अर्जित करने का लक्ष्य रखा गया है। बैंक के परिणाम एवं भावी विकास कार्यक्रमों के दृष्टिगत निदेशक मंडल द्वारा वर्ष 2015-16 के लिये 18 प्रतिशत लाभांश वितरण की सिफारिश की गई है। महेश बैंक शीघ्र ही ई-कॉमर्स एवं भारत बिल पेमेंट सेवा उपलब्ध कराने की ओर अग्रसर भी है। महेश बैंक के चेयरमैन पुरुषोत्तमदास मानधणा ने उक्त जानकारी बैंक की 40वीं वार्षिक साधारण सभा में बैंक के अंश धारकों को संबोधित करते हुए दी। उन्होंने बताया कि महेश बैंक द्वारा इंटरनेट एवं मोबाइल बैंकिंग सेवा, मिस्ड कॉल सेवा, एसएमएस बैंकिंग, रूपे डेबिड कार्ड के अतिरिक्त और भी कई नई सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं। इस साधारण सभा में बैंक के चेयरमैन इमीरेट्स रमेशकुमार बंग, निदेशक मंडल सदस्य पुष्पा बूब, रामप्रकाश भंडारी, चैनसुख काबरा, लक्ष्मीनारायण राठी, श्रीगोपाल बंग, कृष्णचंद बंग, बृजगोपाल असावा, कमलनारायण राठी, श्रीकांत गोविंद इन्नाणी, श्रीनिवास असावा, नंदकिशोर हेड़ा, ओमप्रकाश जाखोटिया के साथ व्यावसायिक निदेशक सीए किशन गोपाल मणियार, सीएस सुमन हेड़ा आदि मौजूद थे। आभार वाइस चेयरमैन रामपाल अटल ने माना।

युवा संगठन ने ली पद की शपथ

मेरठ. गणपति भवन ट्रांसपोर्ट नगर के सामने दिल्ली रोड में माहेश्वरी युवा संगठन की प्रथम कार्यकारिणी की बैठक एवं पदग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इसमें तीन पंचवेलटी अवॉर्ड एवं कुछ फैमेली गेम्स का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मनीष शारदा, राजीव राठी, कमल ढ़क, प्रगति माहेश्वरी एवं विशेष अतिथि दीपक मूना, विशाल ढँक व अश्विनी कोठारी थे। कार्यक्रम का संचालन संगठन के अध्यक्ष गौरव टावरी एवं महामंत्री विशाल मालपानी तथा फैमिली गेम्स का आयोजन, सांस्कृतिक मंत्री साक्षी माहेश्वरी व सोनिया ढँक ने किया। इस अवसर पर संगठन के अध्यक्ष गौरव टावरी, महामंत्री विशाल मालपानी, सोनल माहेश्वरी, श्रद्धा मालपानी, अमित शारदा, मनीष केला, सोनिया ढ़क, साक्षी माहेश्वरी, राजीव मूंदड़ा, सौरभ चाँड़क, धीरज हरकुट, आदित्य शारदा, नितिन भट्टर आदि का सहयोग रहा।

जिला संगठन के चुनाव सम्पन्न

जगदीश माहेश्वरी

शाजापुर. माहेश्वरी समाज जिला शाजापुर-आगर की कार्यकारिणी के निर्वाचन निर्विरोध सम्पन्न हुए। इसमें अध्यक्ष विनय मालानी आगर, सचिव चतुर्भुज लखोटिया नलखेड़ा, अभा माहेश्वरी महासभा प्रतिनिधि जगदीश माहेश्वरी (चांडक), वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरीश केला मोहन बड़ोदिया, उपाध्यक्ष राजेंद्र माहेश्वरी शाजापुर व मनीष शारदा शुजालपुर, सहसचिव राजेंद्र बंग सुसनेर, मोहनलाल राठी शुजालपुर व दामोदर चांडक पोलायकलां, कोषाध्यक्ष कृष्णदास गिलड़ा तथा प्रचार मंत्री आयुष चांडक अकोदिया चुने गए। पश्चिमी मप्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा में प्रतिनिधि अशोककुमार मोदानी सुसनेर, अशोककुमार सोमानी शुजालपुर, महेशकुमार माहेश्वरी आगर, पंकज अटल आगर, संजयकुमार केला मोहन बड़ोदिया, बालकृष्ण मानधनिया शाजापुर व अशोककुमार बजाज सुसनेर चुने गए।

श्रावण की पिकनिक का हुआ आयोजन

सूरत. माहेश्वरी मुस्कान महिला मंडल (म-4) की तरफ से रिमझिम बरसात में श्रावण मास में गत 10 अगस्त को पिकनिक का आयोजन किया गया। मंडल अध्यक्ष सरला मालू ने बताया कि कार्यक्रम फॉर्म हाउस में आयोजित हुआ। गेम व अंताक्षरी के कार्यक्रमों ने महिलाओं का मन मोह लिया। पिकनिक में 65 से 70 महिलाओं की उपस्थिति रही।

> "छोटे आदमी का हाथ पकड़कर रखिये साहब, बड़े आदमी के पांव पकड़ने की जरूरत नहीं पड़ेगी।"

महेश बैंक बनी बेस्ट यूथ कस्टमर इंगेजमेंट

हैदराबाद. बैंकिंग टेक्नोलॉजी एवं बैंकिंग व्यवसाय के क्षेत्र में मुंबई से प्रकाशित देश की शीर्ष पत्रिका "बैंकिंग फ्रंटीयर" द्वारा नईदिल्ली में आयोजित एक भव्य समारोह में नगरीय सहकारिता क्षेत्र की बड़ी बैंकों में महेश बैंक को बेस्ट यूथ कस्टमर इंगेजमेंट के सम्मान से सम्मानित किया गया। उपरोक्त पुरस्कार बैंक की ओर से प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी रमेशचंद असावा ने प्राप्त किया। बैंक के चेयरमैन पुरुषोत्तमदास मानधणा व बैंक के चेयरमैन इमीरेट्स रमेशकुमार बंग ने इस उपलब्धि पर समस्त बैंककर्मियों को बधाई दी।

दो दिवसीय आचरणम् का हुआ आयोजन

बेलगांव. कर्नाटक गोवा प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन का दो दिवसीय सम्मेलन आचरणम् 2 व 3 सितंबर को सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशीला काबरा इंदौर, दक्षिणांचल उपाध्यक्ष शैलजा कलंत्री येवला, राष्ट्रीय संयोजिका शोभा भूतड़ा हुबली, आशा लड्डा अमरावती, डॉ. इंदिरा मूंदड़ा नांदेड़, मंगल मर्दा वापी, सूरज बाहेती चेन्नई, उषा लाहोटी गुलबर्गा आदि अतिथि के रूप में मौजूद थीं। कर्नाटक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष अरुण लोया गुलबर्गा, सचिव ब्रजमोहन भूतड़ा हुबली, विजयकुमार हेड़ा बेलगांव, महिला संगठन अध्यक्षा लीला चांडक बेलगांव, सचिव हेमलता बंग बेलगांव ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर ग्रामीण विकास, किशोर-किशोरी स्वास्थ्य शिविर, कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संगठन की नवीन कार्यकारिणी का गठन पर्यवेक्षक सूरज बाहेती ने किया। इसमें निवर्तमान अध्यक्ष लीला चांडक बेलगांव, अध्यक्ष कमला तोषनीवाल विजयपुर, सचिव उमा भट्टड़ बनहट्टी, कोषाध्यक्ष सुलोचना जाजू बेंगलोर, संगठन मंत्री हेमलता बंग बेलगांव, प्रचार मंत्री पुष्पा मालू गुलबर्गा, साहित्यिक-सांस्कृतिक मंत्री कावेरी बाहेती हुबली, उपाध्यक्ष सरिता सारडा बेलगांव, चंद्रकला राठी बेंगलोर, पुष्पा गिलड़ा गुलबर्गा व सरोजनी कासट बागलकोट, सहसचिव उमा मर्दा गुलेदगूड्ड, सुलोचना हेड़ा बेलगांव, लता तोषनीवाल विजयपुर व श्वेता बियानी बेंगलोर चुनी गईं।

नाथद्वारा जिला माहेश्वरी महिला संगठन के चुनाव सम्पन्न

नाथद्वारा. गत 27 अगस्त को अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन, नाथद्वारा में जिला माहेश्वरी महिला संगठन राजसमंद के चुनाव पर्यवेक्षक प्रेम माघना चित्तौड़गढ़ (उपाध्यक्ष दक्षिण राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन) एवं चुनाव अधिकारी मीनाक्षी अजमेरा, नाथद्वारा (पार्षद नगरपालिका) के सान्निध्य में सम्पन्न हुए। इसमें श्री महेश महिला प्रगति संस्थान राजसमंद की पूजा बंग को जिलाध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया। कार्यकारिणी में सचिव प्रेम बिड़ला, कोषाध्यक्ष समता सोमानी, संगठन मंत्री चंदा भदादा, उपाध्यक्ष लीला बूब व संरक्षक प्रेम बल्दवा चुनी गईं। अखिल भारतीय स्तर से संचालित दस समितियों के संयोजक एवम् सहसंयोजक का भी जिलास्तर पर चयन किया गया। संस्था द्वारा 18 सितंबर के उरी (जम्मू-कश्मीर) आतंकी हमले में शहीद हुए 17 जवानों में से एक राजसमंद जिले के भीम क्षेत्र के शहीद निंबसिंह रावत के परिवार को सहायतार्थ 11 हजार की राशि भेंट की गई।

किचन का खजाना

गुलकंद के मेवा लड्डू

सामग्री- घी में तली बादाम बुरबुरी-100 ग्राम, घी में तले काजू बुरबुरे-70ग्राम, नारियल का बुरा-50 ग्राम, घी-200 ग्राम, दूध में भीगी केसर-1/4 छोटा चम्मच, ईलायची के दाने का पाउड़र 1/4 छोटा चम्मच, गुलकंद-पांच बड़े चम्मच/स्वादानुसार, चांदी के बरक इच्छानुसार, फीका मावा- 50 ग्राम, मैदा-100 ग्राम, अंजीर के छोटे-छोटे टुकड़े-पांच नग के, पिस्ते की कतरन-15 नग की, सिंघोड़े का आटा 50 ग्राम।

ऐसे बनाएं- कड़ाही में घी गरम कर नारियल का बुरा, बादाम, काजू, सिंघाड़े का आटा एवं मैदा डाल सुनहरा होने तक पका लें। गुलकंद, केसर, ईलायची पावडर, अंजीर, पिस्ते की कतरन व मावा डाल पका लें। मिश्रण के निवाया होने पर मन चाहे आकार के लड्डू बना लें। केसर, ईलायची पावडर व चांदी के बरक से सजा कर खिलायें।

मंजू जैसलमेरिया
M. 9828522322

> कहां बोलना
> कहाँ पर चुप रहना
> होता है
> सफलता के लिए
> यही तो
> सीखना होता है।

जलगांव जिला सभा की बैठक सम्पन्न

जलगांव। जिला माहेश्वरी सभा की सत्र 2016-19 की कार्यकारिणी का गठन अखिल भारतीय निरीक्षक माणकचंद काबरा, प्रदेश सभा के निरीक्षक मधुसूदन गांधी, रामविलास बूब एवं चुनाव अधिकारी संदीप झंवर, सूरजमल सोमाणी इनकी उपस्थिति में हुआ। इसमें सर्व सम्मति से अध्यक्ष मनीष झंवर, सचिव तेजस देवुरा, कार्याध्यक्ष शरद कासट, संगठन मंत्री जगदीश जाखेटे व बंकटलाल लढे, कोषाध्यक्ष शैलेष काबरा, उपाध्यक्ष हरीश मूंदड़ा, जलगांव, विजय झंवर एरंडोल, विजय कासट चौपड़ा, गुलाचंद झंवर जामनेर व ईश्वर राठी जलगांव, संयुक्त मंत्री राजेंद्र बिरला जलगांव, जयप्रकाश समदाणी कासोदा, योगेश मूंदड़ा अमलनेर व संजय चांडक भुसावल, कार्यालयीन मंत्री प्रदीप मणियार व पी.आर.ओ. विलास करवा चुने गए। अखिल भारतीय सभा के लिए संजय दहाड़, संजय बिरला, केदार मूंदड़ा, सुनील मानुधने का चयन हुआ।

नवरात्रि उत्सव में कार्यक्रमों का रंग

छिंदवाड़ा. माहेश्वरी महिला मंडल के तत्वावधान में 8 अक्टूबर को श्री फतेहनारायण राठी माहेश्वरी भवन में बच्चों व महिलाओं ने विभिन्न स्पर्धाओं जैसे आलू के व्यंजन, माहेश्वरी मोनो बनाना, सब्जी से सीनरी, टियारा मेकिंग, नवयुवतियों के लिए साड़ी पहनना आदि स्पर्धाओं का आयोजन हुआ। 15 अक्टूबर को राजस्थानी परिवेश में महारास (गरबा) का आयोजन किया गया। लक्ष्मी राठी की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित हुआ। शुरुआत बाल कलाकरों ने सरस्वती वंदना से की। वरिष्ठ सदस्य लक्ष्मी चांडक का मंडल ने सम्मान किया। कार्यक्रम के समापन पर पुरस्कार वितरण हुए। सचिव अर्चना चांडक ने आभार प्रकट किया। इसी के साथ सभी ने चांदनी रात मे दूध का अमृत पान किया। ममता मालपानी, अलका जाखोटिया, अर्चना चांडक, छाया गाँधी, उषा राठी, संगीता राठी, अरुणा राठी, रेणु चांडक, अल्पना भैया, कुंजबाला काबरा, उषा डागा, विमला राठी, लता चांडक, शारदा परवाल आदि मंडल सदस्याओं का हर कार्य में सहयोग रहा।

दक्षिण राजस्थान महिला संगठन के चुनाव सम्पन्न

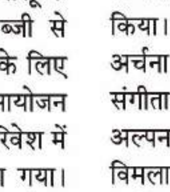

भीलवाड़ा. दक्षिण राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन के चुनाव महेश भवन कुंभानगर चित्तौड़गढ़में सम्पन्न हुए। दक्षिणांचल उपाध्यक्ष भोला कलंत्री चुनाव पर्यवेक्षक एवं सरस्वती रांधड़, अखिल भारतीय सेवा ट्रस्ट उपाध्यक्ष ने सर्वसम्मति से शिखा भदादा (भीलवाड़ा) को प्रदेशाध्यक्ष एवं कुंतल तोषनीवाल चित्तौड़गढ़ को प्रदेश सचिव घोषित किया। प्रदेश अध्यक्ष पुष्पा राठी ने सभी का स्वागत किया। प्रदेश के भीलवाड़ा, राजसमंद, चित्तौड़गढ़ व उदयपुर जिले से लगभग 125 सदस्याओं ने भाग लिया। चित्तौड़गढ़ जिलाध्यक्ष चंदा नामधर ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन लीला आगाल व कुंतल तोषनीवाल ने किया।

जिला सभा के चुनाव सम्पन्न

जालोर। जिला माहेश्वरी सभा के त्रिवर्षीय चुनाव प.रा.प्रा. सभा के द्वारा सूर्य प्रकाश लड्डा उपाध्यक्ष प.रा.प्रा.मा. सभा एवं उनके सहायक सुभाष भंडारी अध्यक्ष जिला माहेश्वरी सभा पाली, अशोक मोदी का.का.मं. सदस्य अ.भा. माहे. सभा एवं आलोक लड्डा सोजत रोड के सान्निध्य में सम्पन्न हुए। इसमें समाज के करीब 500 बधुओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। तीन प्रत्याशियों डुगरमल रडवा सांचौर, महानंद शारदा-रानीवाड़ा व मोहनलाल भट्टड़ बाकरा रोड के मध्य चुनाव हुए। इसमें श्री डुगरमल को 6 मतों से विजयी घोषित किया गया। श्री लड्डा एवं पराजित दोनों प्रत्याशियों द्वारा उनका स्वागत कर समाज में अपनी एकता का परिचय दिया गया।

जिला माहेश्वरी एवं तहसीलों के चुनाव सम्पन्न

पाली। जिला माहेश्वरी सभा के चुनाव प्रदेश पर्यवेक्षक सूर्यप्रकाश लड्डा, अशोक मोदी, सुभाष भंडारी की उपस्थिति में सम्पन्न हुए। जिला सभा के चुनाव सोजत रोड माहेश्वरी भवन में सम्पत मोदी के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुए। इसमें कैलाश टवाणी-पाली अध्यक्ष , रामनिवास लाखोटिया जैतारण वरिष्ठ उपाध्यक्ष, रामगोपाल खेतावत पाली सचिव, राज कुमार सोमानी पाली- सह सचिव, लक्ष्मीनारायण सोनी जैतारण संगठन सचिव व राजेंद्र लड्डा सोजत रोड कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए। उपाध्यक्ष पाली तहसील से दिनेश हेड़ा, सोजत तहसील से मनीष राठी जैतारण तहसील से गोपाल भंडारी एवं संयुक्त सचिव पाली तहसील से नरेंद्र माच्छर, सोजत तहसील से आलोक लड्डा, जैतारण तहसील से दिनेश मूंदड़ा चुने गये। इसी तरह जिले के अंतर्गत तहसीलों के चुनाव भी निर्विरोध सम्पन्न हुए। इसमें पाली तहसील से अध्यक्ष किसन सोमानी, उपाध्यक्ष नीरज राठी, सचिव शरद खेतावत, संगठन सचिव सुनील मूंदड़ा, कोषाध्यक्ष लोकेश बिड़ला व सहसचिव नवनीत तापड़िया। जैतारण तहसील से अध्यक्ष कमलेश मूंदड़ा, उपाध्यक्ष रामेश्वर राठी, उपाध्यक्ष राधेश्याम बाहेती, सचिव रामसोमानी, संगठन सचिव अशोक भंडारी व कोषाध्यक्ष सुरेश भंडारी, सोजत तहसील से अध्यक्ष ब्रह्मप्रकाश मूंदड़ा, सचिव श्यामसुंदर पलोड़ व कोषाध्यक्ष जयप्रकाश राठी चुने गये।

"सुख शरीर का टॉनिक है
और
दुःख आत्मा का।"

आदित्य विक्रम बिड़ला केंद्र की बैठक सम्पन्न

कोष को 25 करोड़ करने का लक्ष्य - श्रीमती बिड़ला ने दिया 1 करोड़ का अतिरिक्त सहयोग

मुंबई. श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्र सदस्यों की वार्षिक साधारण सभा गत 30 सितंबर को बिरला आरोरा मुंबई में पद्मभूषण श्रीमती राजश्री बिड़ला की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इसमें केंद्र की कोष वृद्धि प्रमुख लक्ष्य बनाया गया, जिससे सेवा राशि में वृद्धि हो।

केंद्र अध्यक्षा राजश्री बिरला ने अपने उद्‌बोधन में योजना की सराहना करते हुए कहा कि किसी भी राष्ट्र की शक्ति एवं पहचान उसकी आर्थिक स्थिति से होती है। इस हेतु प्रत्येक व्यक्ति का आर्थिक उन्नयन अत्यंत आवश्यक है और यह कार्य उद्यमता से ही संभव है। वैश्वीकरण के युग में व्यवसाय की कार्यप्रणाली में काफी बदलाव आया है। इस बात को ध्यान में रखते हुए हम सभी को अपनी व्यवसायिक कार्यप्रणाली में परिवर्तन लाना आवश्यक है। आज समाज के करीब 10 प्रतिशत परिवारों की आय बहुत ही सीमित है और उन्हें आर्थिक संबल की आवश्यकता है। माहेश्वरी समाज एक स्वाभिमानी समाज है वह मदद के लिए किसी के आगे हाथ नहीं फैलाना चाहता। अतः हम सभी का दायित्व है कि ऐसे बंधुओं की पहचान कर उन्हें समाज की विविध योजनाओं का लाभ दिलवाएँ। उन्हें आत्म निर्भर एवं स्वावलंबी बनाने की दिशा में सहयोग करें। आपने बताया कि केंद्र योजना समाज की एक अनूठी योजना है। सामाजिक ट्रस्ट होते हुए भी यह एक सुव्यवस्थित मिनी बैंक की तरह कार्य कर रहा है। कार्यशाला सेमिनार, गोष्ठी आदि की उपयुक्तता बताते हुए आपने सुझाव दिया कि देश के विभिन्न क्षेत्रों में इस तरह के आयोजन कर संबंधित क्षेत्र के बंधुओं को नये-नये व्यवसाय, उद्योग एवं नई कार्यप्रणाली की जानकारी देना चाहिए। आपने केंद्र की सफलता के लिए केंद्र कार्याध्यक्ष बंशीलाल राठी एवं केंद्र मंत्री कस्तूरचंद बाहेती की लगन एवं तत्परता की सराहना की।

केंद्र के कोष की होगी वृद्धि

केंद्र कार्याध्यक्ष बंशीलाल राठी ने अपनी भावना व्यक्त करते हुए सभी के सहयोग से यथाशीघ्र केंद्र कोष को रुपए 25 करोड़ करने के लिए निवेदन किया। इसके साथ प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि केंद्र अध्यक्षा श्रीमती राजश्री बिड़ला ने स्वेच्छा से 1 करोड़ रुपए का अतिरिक्त सहयोग का चेक प्रदान किया है। इस तरह अभी तक बिरला समूह से योजना में 6 करोड़ रुपए से अधिक का सहयोग प्राप्त हो चुका है। उपस्थित अनेक सदस्यों ने स्वेच्छा से आगे आकर नये दानदाता बंधुओं को योजना से जोड़ने का आश्वासन दिया। महासभा के पूर्व सभापति रामपाल सोनी भीलवाड़ा ने 11 सदस्य, अभा माहेश्वरी महिला संगठन की तत्कालीन महामंत्री कल्पना गगड़ानी डोम्बीवली ने 5 सदस्य, सत्यनारायण काबरा, राजेंद्र साबू जयपुर ने 5 से अधिक सदस्य, विनोद लाहोटी मुंबई ने 5 सदस्य, रामबिलास सोनी एवं वीरेंद्र सोनी औरंगाबाद, बाबूलाल करवा मुंबई, सत्यनारायण लाहोटी बीड, गोपालकृष्ण गोयदानी भोपाल, जयराम भूतड़ा लातूर आदि बंधुओं ने भी नये सदस्य बनाकर योजना को संबल देने का आश्वासन दिया।

योजनाओं को गति भी देंगे

उपस्थित सदस्यों ने योजना को अधिक गति देने हेतु अपने सुझाव रखे। इसमें योजना का प्रचार-प्रसार हेतु केंद्र की अलग-अलग क्षेत्रों में मीटिंग का आयोजन, प्रदेश/जिला स्तर पर केंद्र संयोजकों की नियुक्ति, सेमिनार, कार्यशाला एवं गोष्ठी द्वारा हितग्राही बंधुओं को नये-नये व्यवसाय, उद्योग एवं कार्यप्रणाली की जानकारी आदि के सुझाव प्राप्त हुए। मंत्री श्री बाहेती ने बताया कि उपरोक्त विषय केंद्र कार्य योजना में सम्मिलित है। इसे क्रियान्वित करने हेतु प्रदेश एवं जिला सभाओं द्वारा योजना का प्रचार-प्रसार अत्यंत आवश्यक है। श्री बाहेती ने बताया कि एक सफल व्यवसायी के लिए आवश्यक है कि वे अपने व्यावसायिक कमीटमेंट समय पर पूरा करें। केंद्र द्वारा दी गई ऋण सहायता की बकाया राशि कुल ऋण सहायता की करीब 4 प्रतिशत है। केंद्र को विश्वास है कि केंद्र की कोई भी राशि डूबत नहीं होगी। बकाया राशि वसूली के कार्य में सभी के सहयोग के लिए आपने निवेदन किया।

श्री माहेश्वरी पंचायत संस्थान ने ली शपथ

बूंदी. श्री माहेश्वरी पंचायत संस्थान की सत्र 2016-2019 तक की कार्यकारिणी का शपथग्रहण समारोह जैत सागर रोड स्थित माहेश्वरी भवन में हुआ। मुख्य अतिथि रेवती रमण बिरला जिलाध्यक्ष माहेश्वरी सभा, विशिष्ट अतिथि राजेंद्र बाहेती संयुक्त मंत्री पूर्वी राजस्थान थे। अध्यक्षता पंचायत अध्यक्ष जगदीश जैथलिया ने की। मुख्य अतिथि रेवती रमण बिरला ने पद व गोपनीयता की शपथ नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को दिलाई। समारोह में राधेश्याम मूंदड़ा, विजेंद्र माहेश्वरी, चतुर्भुज समदानी, द्वारकालाल जैथलिया, शिवलहरी जैथलिया सहित कार्यकारिणी सदस्य और समाज के गणमान्यजन शामिल रहे। समारोह का संचालन मनीष मंत्री ने किया। शपथ ग्रहण के पश्चात् अध्यक्ष जगदीश जैथलिया ने कार्यकारिणी की संयुक्त बैठक आयोजित की।

महिला समिति के चुनाव सम्पन्न

बीकानेर। डागा चौक स्थित महेश भवन में बीकानेर माहेश्वरी महिला समिति के चुनाव सम्पन्न हुए। कार्यकारिणी संरक्षिका किरण झंवर, अध्यक्षा अंजलि झंवर, महासचिव कंचन राठी, उपाध्यक्ष वीणा झंवर, निशा झंवर, चंद्रकला कोठारी, उपसचिव विभा बिहाणी, नीलम बिन्नानी, सुधा चांडक, कोषाध्यक्ष मंजू दम्माणी, प्रभार प्रभारी रेखा लोहिया चुने गये।

> "जब हम गलत होते हैं
> तो समझौता चाहते हैं
> और दूसरे गलत होते हैं
> तो हम न्याय चाहते हैं।"

रात्रि ऑफ्टर नवरात्रि गरबा/डांडिया में भूतड़ा

सूरत. जिला माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा गत 16 अक्टूबर को शरद पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित रात्रि ऑफ्टर नवरात्रि गरबा एवम डांडिया कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष कमल भूतड़ा बतौर मुख्य अतिथि सम्मिलित हुए। स्थानीय युवा संगठन के अध्यक्ष मनमोहन राठी व सुनील भट्टड़, सवाई चांडक, विक्रम करनानी, राजेश भट्टड़ आदि द्वारा मुख्य द्वार पर उनका स्वागत किया गया। विशेष अतिथि रामपाल सोनी, शंकरलाल सोमानी, प्रदेशाध्यक्ष मदनमोहन पेड़ीवाल थे। बाद में प्रतियोगिता राउंड की शुरुआत हुई। इसमें अलग-अलग कैटेगिरी के विजेताओं को पुरस्कार दिए गए।

रंगारंग कार्यक्रम संग मनी करवा चौथ

बीकानेर. स्थानीय माहेश्वरी समिति द्वारा करवा चौथ की पूर्व संध्या पर उत्सव मनाया गया। स्थानीय मीडिया प्रभारी व बीकानेर जिला माहेश्वरी युवा संगठन मंत्री पवन राठी ने बताया कि बीकानेर में यह पर्व माहेश्वरी महिला समिति व राजस्थान पत्रिका के संयुक्त तत्वावधान में जस्सूसर गेट के बाहर स्थित माहेश्वरी भवन में मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य रूप से मिसेज करवा चौथ, थाली सजाओ, रंगोली, मेहंदी, नृत्य, वन मिनट गेम शो आदि का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की संयोजिका महिला समिति महामंत्री कंचन राठी के अनुसार प्रतियोगिताएँ सुश्री दीक्षा राठी एवं प्रियंका बागड़ी के निर्देशन में सम्पन्न हुईं। स्थानीय राजस्थान पत्रिका के प्रभारी रवींद्र हर्ष ने समस्त कार्यक्रम का सफल संचालन किया। राजस्थान पत्रिका के जोनल हेड संपादकीय प्रभारी चक्रेश महोबिया, लोट्स डेयरी निर्देशक अविनाश मोदी, सविता मोदी, माहेश्वरी महिला समिति संरक्षिका किरण झँवर, अध्यक्षा अंजलि झँवर, महामंत्री कंचन राठी, प्रेमलता चांडक, ममता राठी, रेखा लोहिया आदि ने संयुक्त रूप से पुरस्कृत किया। सभी महिलाओं को लोट्स डेयरी कंपनी द्वारा गिफ्ट हैम्पर भी दिये गये। इस अवसर पर विभा बिहाणी, सरला लोहिया, निशा झँवर, चंद्रकला कोठारी, रश्मि राठी आदि समिति की कई महिलाएँ मौजूद थीं।

> गलत फहमियों के सिलसिले आज इतने दिलचस्प हैं
> कि हर ईंट सोचती है कि दीवार मुझपे टिकी है।

हेल्थ व स्पोर्ट्स क्लब होगा एक अनूठा तोहफा

जयपुर. दी एजुकेशन कमेटी ऑफ माहेश्वरी समाज द्वारा स्वीकृत श्री माहेश्वरी स्कूल तिलक नगर जयपुर के स्कूल में प्रस्तावित भवन हेल्थ व स्पोर्ट्स क्लब का निर्माण शुरू करने की जानकारी भूपू अध्यक्ष व इस क्लब के चेयरमैन बालकिशन सोमानी ने समाज कार्यकारिणी की सभा में दी। समाज अध्यक्ष सत्यनारायण काबरा, महामंत्री संजय माहेश्वरी व समाज के समस्त पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे। श्री सोमानी ने बताया कि इस हेल्थ व स्पोर्ट्स क्लब में एक स्वीमिंग पुल लगभग 80 बाय 40 फीट का होगा। तीन बैडमिंटन कोर्ट, चार टेबल टेनिस के कोर्ट होंगे। तीन स्क्वेश कोर्ट, एक बड़ा जिम्नास्टिक व एरोबिक्स रूम, योग रूम, मल्टी परपज रूम जिसमें कैरम, बिलियर्डस व अन्य खेल खेले जाएंगे। कैफेटेरिया व मैनेजर रूम आदि भी होंगे। इसमें आधुनिक एयरकंडीशन (वातानुकूलित) सहित सभी सुविधाओं का समावेश होगा। यह क्लब राजस्थान के अब तक के स्कूलों व कॉलेज में बनाये गये स्पोर्ट्स क्लब में सर्वश्रेष्ठ होगा।

जलगांव में सामूहिक विवाह

जलगांव। श्री जलगांव माहेश्वरी विवाह सहयोग समिति जलगांव जिला माहेश्वरी सभा एवं श्री साख सेवा समिति चैरीटेबल ट्रस्ट पालधी द्वारा पंचम सामुहिक विवाह समारोह आगामी 9 फरवरी को आयोजित किया जा रहा है। सामुहिक विवाह समारोह में 11 जोड़ियों का विवाह करवाने का प्रयत्न है। पहले आने वाली 11 जोड़ियों का अथवा 1 जनवरी 2017 तक आने वाली जोड़ियों का पंजीकरण होगा। यह समारोह जलगांव में श्री प्रगति मंडल एवं मणियार ग्राउंड रिंग रोड पर आयोजित किया जाएगा। इसमें शामिल होने वाले वर को ड्रेस व वधू को घागरा चुन्नी का उपहार आयोजकों की ओर से एवं समाज संगठन की ओर से विभिन्न भेंट दी जाएगी। इच्छुक समाजजन भारत दुग्धालय 146, नवीपेठ जलगांव, फोन 257-2223959, मो. 94239-78139 पर संपर्क कर सकते हैं।

भीलवाड़ा में नए नेतृत्व के चयन की तैयारी

सर्वसम्मति नहीं बनी तो कोठारी और खटोड़ के बीच होगी टक्कर

भीलवाड़ा। माहेश्वरी समाज के सर्वाधिक वर्चस्व वाले जिले भीलवाड़ा में जिला माहेश्वरी सभा के चुनावों की तैयारी प्रारंभ हो गई है। इस चुनाव पर संपूर्ण समाज की निगाहें टिकी हुई हैं, क्योंकि इस क्षेत्र का समाज के लिये वही महत्व है, जो दिल्ली का संपूर्ण राष्ट्र के लिये।

अत्यंत गरिमामय माने जाने वाले भीलवाड़ा जिला माहेश्वरी सभा के चुनाव अपनी दस्तक दे चुके हैं। इस महत्वपूर्ण चुनाव को लेकर संपूर्ण क्षेत्र ही नहीं, बल्कि समाज में भी सरगर्मी तेज हो गई है। वैसे तो प्रयास सर्वसम्मति के लिये ही हो रहे हैं, लेकिन इसमें सफलता नहीं मिली तो अध्यक्ष पद के लिये सीधी टक्कर कन्हैयालाल खटोड़ तथा कैलाशचंद्र कोठारी के बीच हो सकती है। इस बार इस चुनाव पर लोगों की निगाहें इसलिये भी टिकी हुई हैं क्योंकि दोनों उम्मीदवार ही क्षेत्र के अत्यंत प्रभावशाली समाजसेवी हैं। बस अंतर है, तो यह कि दोनों के सेवा के क्षेत्र कुछ भिन्न रहे हैं। अब देखना यह है कि मतदाता किस की सेवाओं को अधिक महत्व देकर सौंपते है, जिला सभा का शीर्ष पद? चुनावी दंगल होगा या सर्वसम्मति?

एक नजर

कन्हैयालाल खटोड़

मूलतः रायपुर निवासी कन्हैयालाल खटोड़ अपनी तेजस्वी व ओजस्वी वाणी के लिए मशहूर हैं। आपने समाज सेवी के रूप में अनेक सेवाएं दी हैं। श्री खटोड़ के मार्गदर्शन में ही दो बार रायपुर व एक बार कोटडी में सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित हो चुका है। जिला सभा में 7वीं बार निर्विरोध रूप से चुनकर आये और 1989 से जिला सभा से जुड़े हुए हैं। अनेक बार आपने तहसील संगठन के चुनावों में निर्विरोध निर्वाचन कराये हैं, वे वर्तमान में जिला सभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष भी हैं। प्रथम बार वे सोनी सा. के साथ संगठन में आये और अब तक उपाध्यक्ष व वरिष्ठ उपाध्यक्ष रहते आए। इसके साथ ही महेश क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी के डायरेक्टर व फाउंडर सदस्य भी हैं।

ग्रामीण क्षेत्र पर रहेंगे केंद्रित

श्री खटोड़ वैसे तो समाज के सर्वांगिण विकास को ही अपना ध्येय बनाऐंगे। फिर भी यदि उन्हें अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी प्राप्त हुई तो उनका लक्ष्य हर गांव का दौरा कर ग्रामीण अंचल की समस्याएँ जानना तथा उनका समाधान करना होगा। उनका मानना है कि आमतौर पर ग्रामीण अंचलों में समस्याएँ अधिक हैं।

कैलाशचंद्र कोठारी

मूलतः सांगानेर निवासी कैलाशचंद्र कोठारी भी माहेश्वरी समाज भीलवाड़ा के लिए जाना पहचाना नाम है।वर्तमान में भीलवाड़ा कंस्ट्रक्शन कंपनी के प्रबंध निदेशक है। वे अपनी श्रेष्ठ प्रबंधन की छाप समाजसेवा गतिविधियों में भी छोड़ रहे हैं। श्री नगर माहेश्वरी सभा के दो बार अध्यक्ष रहे और तन-मन-धन से सहयोग दिया एवं महेश नवमी कार्यक्रम को नई ऊंचाइयाँ देते हुए पूरे हिंदुस्तान में एक पहचान दी है। अभी वर्तमान में वे रामेश्वरम भवन समिति के अध्यक्ष भी हैं। आपकी देख-रेख में यह भवन निर्माणाधीन है। उनका प्रयास है कि यह भवन संपूर्ण समाज का गौरव बने। इस पर न सिर्फ माहेश्वरी, अपितु संपूर्ण भीलवाड़ा शहर को भी गर्व हो। साथ ही आप सोना मंदबुद्धि विद्यालय के मुख्य संरक्षक एवं महेश सेवा समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष व सेवल्या माताजी बागोर मन्दिर ट्रस्ट के सचिव व सेवल्या माताजी बागोर के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। सेवल्या-कुंज बागोर महेश सेवा संस्थान सांगानेर का भवन निर्माण भी उनके मार्गदर्शन में ही हुआ है।

सभी को संगठन से जोड़ेंगे

श्री कोठारी का सपना संपूर्ण समाज को संगठन की मुख्यधारा से जोड़ने का है। इसके लिये वे हर परिवार से संपर्क करेंगे और महासभा की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाएंगे। इन योजनाओं से समाज को लाभान्वित करवाना उनका प्रमुख लक्ष्य होगा। उनका मानना है कि इससे ही समाज का हर वर्ग समाज संगठन के प्रति निष्ठावान बनेगा।

मूंदड़ा ने बनाई औद्योगिक विकास की योजनाएँ

रायपुर. छत्तीसगढ़ औद्योगिक विकास निगम अध्यक्ष छगनलाल मूंदड़ा औद्योगिक प्रवास पर रायगढ़पहुंचे। विश्रामगृह पहुंचने पर रायगढ़इस्पात उद्योग संघ अध्यक्ष रामअवतार अग्रवाल, स्पॉन्ज आयरन के अध्यक्ष संदीप अग्रवाल के नेतृत्व में उद्योगपतियों ने श्री मूंदड़ा का भव्य स्वागत किया। श्री मूंदड़ा ने उद्योगपतियों के साथ ही रायगढ़शहर से सटे सियारपाली क्षेत्र में प्रस्तावित 60 एकड़ में नए औद्योगिक क्षेत्र का निरीक्षण किया तथा इस हेतु जल्द से जल्द प्रक्रिया पूरी करने हेतु अधिकारियों को निर्देश दिए। तत्पश्चात पूंजी पथरा इंडस्ट्रियल पार्क, पुराना औद्योगिक प्रक्षेत्र तथा नए औद्योगिक क्षेत्र के लिए संभावना तलाशने के लिए मुआयना किया। उद्योगपतियों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं व सुझावों पर त्वरित विचार कर क्रियान्वयन हेतु अधिकारियों को भी निर्देशित किया।

डांडिया उत्सव का आयोजन

दिल्ली. माहेश्वरी मंडल (दिल्ली) की महिला समिति एवं युवा संघ द्वारा डांडिया उत्सव का कार्यक्रम मेयर हाउस, तिमारपुर दिल्ली में आयोजित किया गया। तत्पश्चात डांडिया नृत्य का रंगारंग कार्यक्रम गीत संगीत के साथ शुरू हुआ जो कि लगभग 2 घंटे तक चला। इसमें 250 से अधिक युगल जोड़ों ने बहुत ही सुंदर ढंग से डांडिया खेला। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में श्यामसुंदर बिहानी, शंकर सोमानी, अनंत लोया, विक्रम लखोटिया, कैलाशचंद मालानी, सोहनलाल कासट, नंदकिशोर करवा, पुरुषोत्तम सारडा, किशनलाल करनानी, ओमप्रकाश करनानी, राजेंद्र काबरा, ओमप्रकाश मोहता एवं विनय कोठारी का सहयोग प्राप्त हुआ। डांडिया में महिला वर्ग, पुरुष वर्ग, युगल वर्ग तथा बच्चों के वर्ग में सबसे आकर्षक नृत्य प्रस्तुत करने तथा सबसे आकर्षक परिधान हेतु उपहार प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। लकी ड्रॉ का भी आयोजन किया गया।

सेहल बिड़ला बनीं सीए

मेड़तासिटी. समाज सदस्य सुरेंद्रकुमार बिड़ला की सुपुत्री सेहल बिड़ला ने मात्र 18 वर्ष की उम्र में ही सीए की परीक्षा उत्तीर्ण करने का रिकॉर्ड बनाया है। समस्त स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया है।

> "इंसान कहता है कि पैसा आये तो मैं कुछ करके दिखाऊँ और पैसा कहता है कि तू कुछ करके दिखा तो मैं आऊँ।"

सेवा संगठन ने मनाया वर्ल्ड फिजियोथैरेपी डे

रतलाम. स्थानीय माहेश्वरी समाज संस्था श्री माहेश्वरी सेवा संगठन द्वारा फिजियोथैरेपी सेंटर श्रीराम मोहल्ला में वर्ल्ड फिजियोथैरेपी दिवस मनाया गया। इसमें पूर्व महापौर शैलेंद्र डागा ने सेंटर के यशस्वी चिकित्सक डॉ. लोकेंद्र चौधरी, श्रद्धा मेहता, दीप्ति गगरानी, विनंति तिवारी आदि का अभिनंदन किया। अध्यक्षीय उद्‌बोधन माहेश्वरी समाज रतलाम के अध्यक्ष माधव काकानी ने दिया। संगठन के पूर्व अध्यक्ष सुनील लाठी, द्वारका भंसाली, सतीश झँवर, मुकेश गिलड़ा, द्वारका धूत, महेश सोमानी, विजय लड्डा, सत्यनारायण बाहेती आदि की मौजूदगी में संगठन अध्यक्ष सतीश मंजुबाला मारोठिया ने अतिथियों का सत्कार किया। संचालन समाज सचिव नरेंद्र बाहेती के किया। आभार संगठन सचिव अनिल-चेतना गगरानी ने माना।

प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के चुनाव सम्पन्न

रायपुर. (छत्तीसगढ़). प्रादेशिक माहेश्वरी सभा का चुनाव जिला सभा रायपुर के सौजन्य एवं माहेश्वरी सभा गुढ़ियारी के आतिथ्य में आयोजित हुआ। संगठन मंत्री राजकुमार राठी ने बताया कि दुर्ग के बिट्ठलदास भूतड़ा अध्यक्ष निर्वाचित हुए। महामंत्री नारायण राठी व संगठन मंत्री राजकुमार राठी, उपाध्यक्ष विजय दम्मानी-रायपुर, नरेंद्र लोहिया-राजनंदगांव व अशोक राठी कंकर निर्वाचित हुए। संयुक्त मंत्री सुरेश मूंदड़ा रायपुर, राधेश्याम राठी दुर्ग, रामकिशोर केला कुरूद निर्वाचित हुए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी रामकिशन मूंदड़ा, चुनाव अधिकारी श्याम सोमानी एवं कृष्णाकुमार मूंदड़ा थे। अंत में शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न हुआ।

माहेश्वरी महिला मण्डल द्वारा करवा चौथ का हुआ सामूहिक उद्यापन

भोपाल. शाहपुरा कम्यूनिटी हॉल में माहेश्वरी महिला मंडल भोपाल दक्षिणांचल द्वारा करवाचौथ पर्व एवं उद्यापन कार्यक्रम हर्षोल्लास से मनाया गया। आयोजित कार्यक्रम में 5 सदस्याओं द्वारा उद्यापन किया गया। 80 जोड़ों के अतिरिक्त समाज के करीब 50 परिवारों ने सशुल्क भागीदारी की। आयोजन संयोजक मंगला बियाणी, शोभा लाहोटी, भावना काबरा एवं रश्मि बांगड़ द्वारा सुसंयोजित इस कार्यक्रम में भोजन कक्ष में ज्योति सोमानी द्वारा चांद सितारों और करवा की प्रतिकृति से साज-सज्जा की गई। सांस्कृतिक सचिव कीर्ति सिंघी के मधुर स्वागत गीत व रेडियो जॉकी मेघा भंडारी के चुटीले संचालन ने कार्यक्रम को रोचक बना दिया। इस अवसर पर प्रमिला झँवर के सौजन्य से अनेक पुरस्कार भी बांटे गए।

बिना मतदान के सर्वसम्मति से नेतृत्व चयन यह अभा माहेश्वरी महिला संगठन की गरिमामयी परंपरा है। इसी परंपरा से इस संगठन का शीर्ष पद संभालने जा रही है, उज्जैन की बेटी और मुम्बई की गौरव कल्पना गगडानी।

उज्जैन की बेटी बनी महिला संगठन की सिरमौर कल्पना गगडानी

गत दिनों हरिद्वार में आयोजित अभा माहेश्वरी महिला संगठन की बैठक में सर्वसम्मति से पुनः आगामी सत्र के लिये समस्त पदाधिकारियों का चयन हुआ। इसमें संगठन के शीर्ष पद राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिये समाज की ख्यात चिंतक विदुषी प्रो. कल्पना गगडानी का हर्षध्वनि के साथ चयन किया गया। श्रीमती गगडानी समाज के बीच एक प्रखर वक्ता ही नहीं, बल्कि एक कुशल लेखिका तथा कार्यक्रम की अत्यंत सफल संचालिका के रूप भी में लंबे समय से विशिष्ट पहचान बनाए हुई हैं। वर्तमान सत्र में श्रीमती गगडानी महामंत्री पद की जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रही थीं।

स्वतंत्रता सेनानी परिवार में जन्मीं

श्रीमती गगडानी का जन्म उज्जैन जिले के बिड़ला ग्राम नागदा में ख्यात स्वतंत्रता संग्राम सेनानी तथा व्यवसायी गाडरवारा (मप्र) के निवासी श्री पुरुषोत्तम राठी के यहाँ हुआ था। स्व. श्री राठी ने सन् 1942 के अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन में गांधीजी के आह्वान पर मात्र 20 वर्ष की अवस्था में वर्धा, नागपुर व जबलपुर के अपने तीनों भाषणों से अंग्रेज सरकार को परेशान कर दिया था। आपके ओजस्वी भाषणों से प्रभावित हो कॉलेजों, बाजारों, घरों से लोगों का हुजूम अंग्रेजी सरकार के विरोध में सड़कों पर उतर आया। लिहाजा परेशान अंग्रेज सरकार ने आपको गिरफ्तार कर लिया। आपको 19 माह तक जेल की काल कोठारी में बंद रखा गया। जेल में विनोबाजी का लंबा सान्निध्य मिला, जिसका उनके जीवन पर गहन प्रभाव पड़ा। सन् 1944 में जेल से बाहर आये और गांधीजी के साथ सक्रिय राजनीति में भाग लिया। भारत के पहले आम चुनाव में सांसद बनने का मौका मिला परंतु व्यापारी पिता की आज्ञा के कारण फिर सक्रिय राजनीति से दूर हो गये। इसके बावजूद आजीवन आपने खादी पहनी और गांधीजी एवं विनोबाजी के आदर्शों को जीवन प्रणाली बनाया। आप संस्कृत के प्रकांड पंडित, वेद-उपनिषद् व पुराण के विश्लेषक, भारतीय संस्कृति के सहज व्याख्याता, समयानुकूल सोच वाले चिंतक तथा पाखंडी धार्मिक आस्थाओं के कट्टर विरोधी रहे।

माता-पिता की 'कल्पना' ने लिया साकार रूप

प्रथम औलाद के साथ माता-पिता की सहस्त्रों कल्पनाएँ पनपती हैं। इसलिये बुद्धिवादी साहित्यिक पिता ने पुत्री को नाम दिया ''कल्पना''। कर्मठ एवं जीवट मां कृष्णलता ने अपनी परवरिश से पिता की कल्पना को साकार करने वाला आकार प्रदान करने में अपनी पूरी सूझबूझ एवं शक्ति लगा दी। पिता के प्रगतिशील विचारों एवं माता की सकारात्मक सुदूर दृष्टि एवं कठिन अनुशासन के तपस्या भरे प्रेम व लालन-पालन को ही वे अपनी सफलता का श्रेय देती हैं। देश प्रेम, समाज हित व उच्च शिक्षा की प्रेरणा माता-पिता से इस तरह मिली की, एक के बाद एक वे शिक्षा के क्षेत्र में सफलता की सीढ़ियाँ पार करती ही चली गईं। बचपन से ही श्रीमती गगडानी अत्यंत प्रतिभावान रहीं।

बहुआयामी व्यक्तित्व की धनी

स्कूली शिक्षा बिरलाग्राम नागदा के ग्रेसिम स्कूल में हुई। एक कुशल विद्यार्थी बहुआयामी व्यक्तित्व, खेलकूद, वाद-विवाद, स्कूल बैंड, मैग्जीन सम्पादन, डांस, ड्रामा सभी में अग्रणी। एचएससी परीक्षा में संपूर्ण मप्र में पहली बार उज्जैन संभाग को मेरिट लिस्ट में स्थान दिलाया। उन्होंने संभाग में प्रथम तथा पूरे मप्र में छठवां स्थान बोर्ड की परीक्षा में हासिल किया। आगे बीए की पढ़ाई उज्जैन में विक्रम विवि के गर्ल्स डिग्री कॉलेज के होस्टल में रहकर पूर्ण की। बीए में मेरिट लिस्ट में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। विवि से हिंदी में मास्टर्स की उपाधि भी मेरिट में द्वितीय स्थान प्राप्त कर हासिल की। उज्जैन के सांदीपनि कॉलेज से एलएलबी की डिग्री विशेष योग्यता से उत्तीर्ण की। पीएचडी हेतु यूजीसी फैलोशिप प्राप्त हुई। ''अजेय की काव्य-शैली का वैज्ञानिक अध्ययन'' विषय पर ख्यात विद्वान प्रो. राममूर्ति त्रिपाठी के अंतर्गत शोध कार्य पूर्ण किया। विवाहोपरांत मुंबई विवि से डिप्लोमा इन हायर एजुकेशन की उपाधि भी विशेष योग्यता के साथ प्राप्त की। सन्1963 से सन् 2014 तक मुंबई विवि के ए ग्रेड कॉलेज में प्रोफेसर पद पर कार्यरत रहीं और वर्ष 2014 में रिटायर हुईं।

हर क्षेत्र में सफलता के ध्वज

बचपन से ही खेलकूद में विशेष रुचि रही। स्कूल में ही एथलीट, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, स्वीमिंग, बास्केटबॉल, हॉकी की खिलाड़ी रहीं। कॉलेज जीवन में भी खेलकूद के यह उपक्रम डिस्ट्रिक्ट एवं विवि स्तर तक बने रहे। बाद में लॉन टेनिस एवं बिलियडर्स में विशेष रुचि रही। एथलीट में डिस्क थ्रो एवं शाटपुट में विशेष कीर्तिमान बनाया। स्कूल से ही वक्तृत्व कला का निखार हुआ। भाषण व वाद-विवाद एवं तत्कालीन भाषण, निबंध लेखन में अनेक पुरस्कार प्राप्त किए। कॉलेज में अनेकों अंतरविश्वविद्यालयीन प्रतियोगिताओं की विजेता रहीं। साथ ही नृत्य, संगीत, नाट्य, फैंसी ड्रेस, फ्लावर डेकोरेशन, हेयर स्टाइल, कुकिंग में अनेकों पुरस्कार प्राप्त किये। कला के क्षेत्र में ड्राइंग, पेंटिंग, बुटिक, प्रिंटिंग की एवं कई वर्षों तक मुंबई में इनकी सफल क्लासेस भी चलाती थीं। प्रारंभ से ही कुशल नेतृत्व क्षमता भी रही। स्कूल में ग्रुप लीडर, क्लास कैप्टन रहीं। डिग्री कॉलेज में यूनियन के सभी पदों पर रहीं। स्कूल ऑफ स्टडीज की प्रेसिडेंट एवं विक्रम विवि की पहली महिला यूनिवर्सिटी प्रेसिडेंट बनीं। अनेकों सामाजिक संस्थाओं में अध्यक्ष पद पर कार्य किया। कॉलेज में भी अनेकों प्रकल्पों की प्रमुख रहीं।

कॅरियर व परिवार की जिम्मेदारियों का बनाएँ सन्तुलन

श्रीमती गगडानी कॅरियर व पारिवारिक जिम्मेदारी दोनों को ही जरूरी मानती हैं। उनका कहना है कि दोनों के बिना आज की नारी अधूरी है। लेकिन इसमें भी नारी के लिये परिवार अधिक जरूरी है। अतः यह आज की माताओं की जिम्मेदारी है कि वे सन्तान में पारिवारिक जिम्मेदारी के संस्कार डालें। यदि कॅरियर व पारिवारिक जिम्मेदारी दोनों का सन्तुलन बनाकर चले तो किसी भी प्रकार की कोई बाधा ही पैदा नहीं होगी। याद रखें, ''बिना परिवार के कॅरियर औचित्य विहीन है।''

महिला संगठन की समर्पित सेवी

अपनी नौकरी की व्यस्तता के बावजूद श्रीमती गगडानी महिला संगठन को हमेशा से समर्पित सेवा देती रही हैं। अब सेवानिवृत्ति के बाद तो संगठन के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित ही हो चुकी हैं। माहेश्वरी महिला संगठन में अखिल भारतवर्षीय सांस्कृतिक सचिव, उपाध्यक्ष, प्रकल्प प्रमुख एवं महामंत्री रहते हुए अब अध्यक्ष पद पर चुनी गईं। अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के अनेकों प्रकल्पों, कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर, लेखक पैनल, सांस्कृतिक संवर्धन समिति की पेनलिस्ट भी रहीं। 150 से अधिक कार्यक्रमों में सामाजिक विषयों की मुख्य वक्ता रहीं। पधारो म्हारा देश महाअधिवेशन में प्रमुख वक्ता रहीं तथा ''हम हैं माहेश्वरी, माहेश्वरी हैं हम'' महाअधिवेशन के एक दिवसीय कार्यक्रम की निर्माता-निर्देशक एवं सूत्र संचालक भी रहीं। आपके द्वारा लिखा गया गीत ''हम हैं माहेश्वरी'' अति लोकप्रिय हुआ एवं अनेक कार्यक्रमों की शान बना। महासभा के मुख पत्र माहेश्वरी में भी अनेकों लेख प्रकाशित हुए। महिला संगठन के मुख पत्र ''माहेश्वरी महिला'' में रेग्लुयर कॉलम ''वक्त से पहले वक्त की आहट'' लिखती रहीं, जो बहुत लोकप्रिय हुआ।

कलम के साथ रचनात्मकता की भी उड़ान

पत्रकारिता में अनेकों वर्षों तक फ्री लांस जर्नलिस्ट के रूप में कार्य करती रहीं। आर्ट एंड कल्चर रिपोर्टर के रूप में नवभारत दैनिक में कार्य किया। अनेकों लेख, इंटरव्यू प्रकाशित हुए। अनेक मैग्जीन में लेख प्रकाशित हुए। मराठी कहानियों का हिंदी अनुवाद किया। टीवी कार्यक्रमों की टेली मार्केटिंग की कई स्क्रिप्ट लिखी। कविता, लेख, निबंध प्रकाशित हुए। पत्रकारिता हेतु नारी रत्न पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। इसके साथ उनके योगदानों से कला का क्षेत्र भी अछूता नहीं है। अपनी संस्था ''कल्पना क्रिएशंस'' के द्वारा ''जियो तो ऐसे जियो'' नामक वर्कशॉप का संचालन करती रहीं हैं। अब तक पूरे भारत वर्ष में 100 से अधिक वर्कशॉप कर चुकी हैं। दहलीज, दीप्त दाम्पत्य, वंदना वानप्रस्थ आदि आपकी बहुचर्चित कार्यशालाएँ हैं। इसके अलावा टाइम मैनेजमेंट, स्ट्रेस मैनेजमेंट, समय संतुलन आदि विषयों पर अनेक त्रिदिवसीय व एक दिवसीय वर्कशॉप आयोजित होती रहती हैं। अनेक सामाजिक संस्थाओं, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, प्रोफेशनल सेल में आपकी वर्कशॉप बहुचर्चित रहीं। उन कार्यशालाओं में विपरीत परिस्थितियों में भी सहज एवं आनंदमयी जीवन जीने की कला सिखाई जाती है। प्रमाण-पत्र दिये जाते हैं। पर्सनल काउंसलिंग का भी सफलतापूर्वक कार्य निरंतर जारी है।

परिवार भी अति महत्वपूर्ण

श्रीमती गगडानी अपने भरपूर आनंदमयी पारिवारिक जीवन को ही सबसे बड़ी उपलब्धि मानती हैं। पति शरद गगडानी ने केमिस्ट से कार्ययात्रा शुरू की। आज वे प्रतिष्ठित शेयर ब्रोकर फर्म कल्पना इन्वेस्टमेंट व कल्पना सिक्योरिटी के प्रोपाइटर भी हैं। पुत्र प्रकर्ष ब्रोकिंग फर्म के सीईओ हैं। पुत्री प्रणीता ने मुंबई से मास्टर्स इन मास मीडिया एवं विश्व प्रसिद्ध लंदन स्कूल ऑफ इकोनामिक्स से ''मास्टर्स इन कम्यूनिकेशन'' की उपाधि विशेष योग्यता के साथ प्राप्त की। जयपुर में आप अपने ससुराल के साथ व्यवसायरत हैं। पुत्रवधू पूनम ज्वेलरी डिजाइनर हैं। वे कास्ट्यूम ज्वेलरी का स्वतंत्र व्यवसाय करती हैं। पौत्र प्रत्युश, पौत्री प्रितिषा, पुत्र-पुत्रवधू आदि से भरेपूरे परिवार के साथ पारिवारिक जिम्मेदारियां वहन कर रही हैं।

वर्तमान में स्वास्तिक के बिना कोई भी धार्मिक आयोजन पूर्ण नहीं होता। यही इसकी पवित्रता की पहचान है। इसका कारण इसमें छिपी हुई अलौकिक शक्तियाँ हैं, जिन्हें वर्तमान में वैज्ञानिक भी अपने शोध से स्वीकार कर चुके हैं, लेकिन इनका शुभ व पूर्ण लाभ प्राप्त करने के लिए जरूरी है कि स्वास्तिक सही ढंग से ही बनाया जाए।

▸▸ श्यामसुंदर लखोटिया, मालेगांव

कैसे बनाएँ सही स्वास्तिक

आज के आधुनिक युग में भौतिक स्पर्धा की चकाचौंध के कारण मनुष्य अपना व्यक्तित्व भूलकर प्रकृति से दूर होता जा रहा है। यही कारण है कि आज समाज ही नहीं बल्कि हर समाज में समस्या का बोलबाला है। जैसे कि शादी के बाद तलाक, अंतरजातीय विवाह, कुंवारापन, पति-पत्नी के संबंध में कटुता, व्यापार की कमजोरी। इन सबका मुकाबला करना है तो इन्हें मंत्रों की सहायता से हल किया जा सकता है। इसलिये मंत्रों को जीवन की सर्च लाइट कहा गया है, जिसके प्रकाश में व्यक्ति तीव्रता से आगे बढ़ सकता है। जल्दी से जल्दी मंजिल को पा सकते हैं। धनपति बनना बुरी बात नहीं है। संपन्न होना अपराध नहीं है। गृहस्थ जीवन की सुख शांति का आधार जहाँ मधुर पारंपरिक संबंध हैं, वहाँ आर्थिक संपन्नता भी है। धन प्राप्ति के लिए नवग्रहों की साधना शीघ्र फलदायक तथा विशेष भावयुक्त है। यदि नवग्रहों यंत्रों के सामने नवग्रह स्रोत का पाठ किया जाए तो तुरंत फलदायक होती है। मनुष्य अपने कर्ज से शीघ्र ही मुक्ति प्राप्त करता है और अपनी दरिद्रता को दूर भगाने में समर्थ हो पाता है। ठीक इसी तरह इससे भी अधिक लाभदायक है स्वास्तिक।

गलत स्वास्तिक है परेशानियों का कारण

स्वास्तिक को शास्त्रों में ऊर्जा का खजाना व सभी अशुभों को दूर कर शुभता का सृजन करने वाला माना गया है। इसके बावजूद वर्तमान में स्वास्तिक बनाने के बाद कई बार अशुभ प्रभाव भी दिखाई देते हैं। इनका कारण इसका गलत निर्माण होता है। आजकल कई लोग दीपावली पूजन के समय जो स्वास्तिक बनाते हैं, वह कलयुगी स्वास्तिक होता है। इस गड़बड़ से परेशानियों का तांता लग जाता है। वास्तव में दीपावली के समय में द्वापर काल का स्वास्तिक बनाना चाहिये। इसके लिये घर या व्यापार स्थल के मुख्य द्वार के ऊपर वाले थोड़े से स्थान को जहां पर स्वास्तिक बनाना है, गंगाजल से धोकर हल्दी से स्वास्तिक बनाएं। उस पर चने की दाल और थोड़ा गुड़ रख दें। स्वास्तिक अनामिका अंगुली से बनायें तथा पहले नीचे से ऊपर की ओर फिर बाएं से दायं बनाएं। अधिकांश व्यक्ति स्वास्तिक बनाते समय अंगुली ऊपर से नीचे की ओर ले जाते हैं। ऐसा स्वास्तिक फलीभूत नहीं होता।

कैसे बनाएं सही स्वास्तिक

सर्वप्रथम 1 से 2 को, फिर उसे 3 से 4 को, फिर 3 से 6 को, 5 से 1 को, 2 से 8 को, 7 से 4, 9 से 5 को, फिर 6 से 10 को, 12 से 7 को फिर 8 से 11 को मिला दें। 13-14-15-16 के स्थान पर बिंदु बनाइये। बस सही व शुद्ध विधि, तंत्र शास्त्र मंत्र शास्त्र एवं वेद पुराणों के अनुसार आपका स्वास्तिक बनकर तैयार हो गया है। लाखों में से एक दो व्यक्ति ही होंगे, जो इस विधि से स्वास्तिक बनाते हैं जबकि सतयुग एवं द्वापर में प्रत्येक घर में इस विधि से ही स्वास्तिक का निर्माण होता था। अब आप स्वयं सोचिये कि हमारी पौराणिक शक्तियाँ कैसे फलीभूत होंगी? हमें विधि का ही ज्ञान नहीं है। हम स्वयं ऊपर से नीचे कैसे भी लकीरें खींचकर स्वास्तिक निर्माण कर देते हैं और स्वयं ऊपर से नीचे आ जाते हैं। अर्थात धनवान से गरीब हो जाते हैं। प्रभु कृपा से सही स्वास्तिक निर्माण से आप शीघ्र ही व्यवसाय में लाभ का अनुभव करेंगे।

कुछ अमोघ मंत्र

घुटने का दर्द मिटाने के लिए (1 माला रोज)

गरुड़ मंत्र-

श्री विष्णुवाहं प्रणामामि माला सर्पाशनं दुःख हर खगेशम्।
मनोहरं वायु समानवेग छंदोम्य ज्ञान घनं प्रशान्तम्।।
विष्णु पत्राय शान्ताय बलबुद्धियुताय च,
पक्षीन्द्रायतिवगाय, गरुड़ाय नमो नमः।।

खोया हुआ धन वापस पाने के लिए

कार्तवीर्यार्जुनो नाम राजा बाहु सहस्त्रवान
तेन स्मरण मात्रेण गतं धनं च लभ्यते।।

With Best Compliments from
Shree
Vasudeva Marble
Marbles & Granite
Chandra Prakash Maloo
All Types of Marble Slab's & Floor Tiles
Contact Person
Vasudeo Ladha
Kuchaman City, Jaipur (Raj.)
98290 71179
Chandra Prakash Maloo
Hyderabad (T.S.)
94418 86402, 90300 31591
Aditya Maloo
95021 36378
Specialist in : Sawar, Toranto, Green, Black, Pink, Slab & Tiles
3-11-2, L.B. Nagar, Ring Road, Near Kamineni Hosital,
Beside M.V.N. High School, Hyderabad-500074 (T.S.)
Ph. 040-24031802 (O), 040-24145356 (R)

दीपावली पर्व के अवसर पर सभी माहेश्वरी बन्धुओं को
हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएँ
रामबिलास हरकलाल सोनी (माहेश्वरी)
श्री मोतीलाल गणपतलाल सोनी
गणपतलाल सोनी
हरकलाल सोनी
94141-13230
दीपक सोनी
94146-29630
टेन्ट, कनात, गेट कवर एवं रजाई–बिस्तर का कपड़ा, चद्दर
साटण, दरी, ताइवान व साईडवाल का प्रिन्टेड कपड़ा
मेटिंग, पातीया, सूतली, जूट रस्सा, निवार, बेडशीट, बॉस
पूनम, लाईक्रा, स्पारकल, दाणी एवं सिक्वेन्स का कपड़ा
टेन्ट सम्बन्धित सभी वैरायटियों के निर्माता व विक्रेता
महिला आश्रम स्कूल के पीछे, ICICI बैंक के पास, भीलवाड़ा (राज.),
फोन : 01482-232340, मो. 93144-13230

स्वास्थ्य सर्वोत्तम धन है और इसकी कुंजी है योग। मनुष्य १२० बरस तक पूरी तरह स्वस्थ और होशपूर्वक आनंद के साथ जी सके, इसलिए प्राचीन ऋषि-मुनियों ने योग की खोज की। योग दुनिया को भारत की देन है। एक ऐसा उपहार जो हजारों साल से लोगों को स्वस्थ और संपूर्ण जीवन जीने की विधि दे रहा है। योग के लिए आयु का कोई बंधन नहीं है। शास्त्रों के अनुसार किसी भी आयु वर्ग का व्यक्ति योग से कभी जुड़ सकता है। वह जिस दिन से जुड़ेगा, जब जागो तब सवेरा की भांति योग के माध्यम से उसके जीवन में सुख, स्वास्थ्य और शांति का प्रकाश उतर जाएगा।

▸▸ डॉ. विवेक चौरसिया, उज्जैन

योग से जुड़ें जवानी की ओर मुढ़ें

60 वर्ष या उससे अधिक की आयु आते-आते स्वाभवतः हमारे सोच में कई तरह के बदलाव आते हैं। जो लोग अपने जीवन में सफल हुए हैं, उनकी अपनी सोच होती है और जो असफल हुए या कम सफल हुए हैं उनकी अपनी सोच होती है। सोच उनके जीवन के अगले पढ़ाव को तो प्रभावित करती ही है इस बीच ढलती उम्र और 60 बरस से उपयोग लाई जा रही है शरीर की मशीन भी अपना असर दिखाती है। स्वभावतः शरीर वैसा नहीं रह पाता जैसा बचपन या जवानी या उसके कुछ समय बाद तक साथ देता था, ऊर्जा से परिपूर्ण रहता था, कठोर परिश्रम के बावजूद लगातार काम के लिए प्रेरित करता था।

शरीर व आत्मा दोनों की आवश्यकता

जीवन में कई संघर्ष देख चुके लोग इस आयु तक आते-आते मानसिक स्थितियों और शारीरिक शक्ति के कम होने से कई तरह के अवसाद, अशांति, अरुचि के बीच जीते हुए जीवन से अजीब विरक्ति का अनुभव करने लगते हैं, जबकि इस पर भी गर्वित हो सकते हैं कि उन्होंने अपने जीवन के शुरुआती दौर से आज तक मेहनत की, भोग किया, कर्तव्यों का निवर्हन किया और अब वे जीवन की सांझ में खड़े हैं। उनके मन में विरक्ति के बजाए जीवन की मस्ती और किए हुए कर्मों का संतोष होना चाहिए। यह सब योग से सुलभ है। योग शरीर के साथ मन और आत्मा दोनों को संतुलित और सन्मार्ग की ओर ले जाने में समर्थ है।

योग का जीवन अपनाकर इस आयु में भी हम अपने आपको जवानों सी मस्ती में ले जा सकते हैं। अपनी सोच को थोड़ा सकारात्मक और शरीर को थोड़ा योगाभ्यास की आदत डालकर हम योग से जुड़कर जवानी की ओर फिर अपने कदम मोड़ सकते हैं। इसके साथ प्राणायाम और ध्यान भी शेष जीवन में वह मस्ती, वह सुख, वह शांति दे सकता है जो अब तक दुर्लभ रही।

योग एक नजर में

योग अतिप्राचीन है। माना जाता है कि करीब ढाई हजार साल पहले महर्षि पतंजलि ने इसका संकलन किया जो योग सूत्र के रूप में विश्व विख्यात है। इस ग्रंथ के 195 सूत्र जीवन प्रबंधन के सूत्र हैं। जो हर आयु वर्ग, हर जाति, हर धर्म और हर वर्ग लोगों को हर काम में कुशलता का संदेश देते हैं, प्रेरित करते हैं और विधि भी बताते हैं। योग सूत्र अष्टांग योग का प्रतिपादन करता है। ये हैं- यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि।

जीवन की सांझ और यम-नियम

कई बार जीवन की सांझ इसलिए नीरस हो जाती है कि वातावरण, परिस्थिति या संस्कारवश हम जीवन के महत्वपूर्ण वर्षों में यम और नियम के पालन से चूक जाते हैं। योग सूत्र के अनुसार पांच यम हैं जो अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह के रूप में हमें अपने आप का चरित्र निर्माण सिखाते हैं। बताते हैं कि हम हिंसा न करें, सत्य बोलें, चोरी न करें, ऊर्जा का अपव्यय न करें और भौतिक वस्तुओं का संग्रह न करें। पांच नियम हैं जो शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय और ईश्वर प्रणिधान के रूप में हमें पवित्र रहना, संतोष करना, परिश्रम करना, सद्साहित्य पढ़ना और हर काम ईश वर को समर्पित करते हुए करना सिखाते हैं। यदि आप जीवन में इन दस सूत्रों के पालन में चूके हैं, तो उम्र के इस पढ़ाव पर आज से ही इन्हें अपना लीजिए। आप स्वयं पाएंगे जीवन बदल गया है।

दिनचर्या और सात्विक भोजन

सामान्य तौर पर आयु बढ़ने के साथ कई तरह के रोग शुरू हो जाते हैं। घर के बच्चे अपने बुजुर्ग माता-पिता की सेवा में अधिक समय नहीं दे पाते और रोग व कष्ट से निदान के लिए बुजुर्ग डॉक्टरों की शरण ले लेते हैं। दवाइयों का सिलसिला शुरू हो जाता है। इससे परहेज नहीं होना चाहिए लेकिन इस स्थिति से बचाव के लिए दिनचर्या में बदलाव और अनुशासन तथा सात्विक भोजन के प्रति सजगता और जिम्मेदारी का भाव लाभदायक हो सकता है। प्रातः जागरण से लेकर रात्रि सोने तक पूरी दिनचर्या यदि क्रमबद्ध और अनुशासित हो तो बढ़ती उम्र के कष्ट काफी

हद तक कम किये जा सकते हैं। इसी तरह भोजन का अनुशासन भी जरूरी है। बचपन या जवानी में हमारी ऊर्जा विकासक्रम या चरम पर होती है, जबकि बुढ़ापे में वह कम हो जाती है। ऐसे में भोजन के मामले में सावधानी जरूरी है। शास्त्रों में तीन तरह के भोजन बताए हैं। ये हैं सात्विक, राजसिक, तामसिक। जो भोजन ताजा सुपाच्य है वह सात्विक है। जो तला, गला और गरिष्ठ है वह राजसिक है और जो बासी है वह तामसिक है। योग शास्त्र के अनुसार हर आयु वर्ग के व्यक्ति को हर समय सात्विक भोजन ही करना चाहिए, लेकिन आयु के इस पढ़ाव पर तो केवल सात्विक भोजन ही करना श्रेष्ठ है।

कुछ योगासन जो उपयोगी हैं

योग शास्त्र में 84 प्रकार के आसान बताए गए हैं। समय के साथ इनके कई रूपांतरण भी हुए हैं। एक ही आसन कई प्रकार से करने की विधियां और विधान भी हैं। कुछ बहुत सरल हैं, कुछ बहुत कठिन हैं। 60 वर्ष की आयु के लिए कुछ आसन शारीरिक कष्ट को कम करने के लिए उपयोगी हैं। इनमें ताड़ासन महत्वपूर्ण है। यह संपूर्ण में खिंचाव देता है। मेरूदंड को लाभ देता है और फेफड़ों की मांसपेशियों को व्यायाम देता है।

यष्टिक आसन भी सरल है। इससे पीठ व कमर का दर्द कम होता है। कोणासन मेरूदंड में खिंचाव, लीवर, पेट और बड़ी आंत के व्यायाम के लिए उपयोगी है। भुजांगासन पीठ दर्द और स्लिप डिस्क में लाभकारी तथा मेरूदंड को सही स्थिति में रखने के लिए सहायक है। इसी तरह पवन मुक्तासन गैस विकारों और कब्ज दूर करने के लिए उपयोगी है। वक्रासन मेरूदंड को स्वस्थ रखने, स्थितप्रार्थनासन एकाग्रता बढ़ाने, शवासन और मकरासन रक्तचाप को नियंत्रित करने में उपयोगी है। जिन्हें घुटनों में दर्द की समस्या न हो वे पद्मासन, वज्रासन, वीरासन, शशांक आसन जैसे आसन भी कर सकते हैं। ये सभी आसन सुबह सूर्योदय या शाम को सूर्यास्त के दौरान खुले या शांत स्थान पर करना चाहिए। आसन के लिए भोजन कम से कम तीन से चार घंटे पहले ग्रहण किया गया हो। आसन कैसे किए जाएं, एक बार कुछ समय के लिए योग्य शिक्षक के सान्निध्य में अभ्यास जरूर करें।

प्राणायाम और ध्यान

ये दोनों ही अष्टांग योग के महत्वूर्ण अंग हैं। प्राणायाम श्वांसों के विज्ञान को समझने और श्वांसों के सम्यक प्रयोग से लंबा और स्वस्थ जीवन पाने की पारंपरिक व वैज्ञानिक विधियाँ हैं। इसके कई प्रकार हैं। आयु अधिक होने पर अनुलोम-विलोम, भ्रामरी और ओंकार उच्चारण के प्राणायाम सरल और उपयोगी हो सकते हैं। इसी तरह एकाग्रतचित्त होकर ध्यान की उपलब्ध विभिन्न विधियों में से स्वयं स्वभाव के अनुरूप शांति देने वाली विधियाँ अपनाई जा सकती हैं।

दीपावली पर्व के अवसर पर
सभी माहेश्वरी बन्धुओं को
हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएँ

श्री माहेश्वरी समाज संस्थान,
सांगानेर (भीलवाड़ा)

कृष्णगोपाल कोठारी
अध्यक्ष
मो. 98290 45841

महेशचन्द्र आगाल
मंत्री
मो. 94623 51700

With Best Compliments From

Maheshwari Enterprises

Bhagwandas Boob
M. 088868 19233

Dhiiraj Boob
M. 094417 79476

68, R.R. Towers, Chirag Ali Lane,
Abids, Hyderabad (A.P.) - 500001
Ph. : 040 23203499, M. : 094417 79476
E-mail : maheshwari_enterprises@yahoo.com

आपका मत करेगा फैसला कौन होंगे

माहेश्वरी ऑफ द ईयर-2016

जो अपने कार्यों से समाज को गौरवान्वित कर रहे हैं, ऐसी विभूतियों को "माहेश्वरी ऑफ द ईयर" से सम्मानित करना "श्री माहेश्वरी टाईम्स" की अपनी परम्परा है। इस बार भी होगा ऐसी विभूतियों का सम्मान और कौन होंगी ये विभूति इसका फैसला करेंगे आप। प्रबुद्ध पाठकों का मत ही होगा निर्णायक।

विशिष्ट सेवा प्रदान करने वाली विभूतियों का सम्मान वास्तव में एक सामाजिक कर्तव्य ही नहीं, बल्कि एक ऐसा प्रेरक कार्य भी है, जो भावी पीढ़ी को भी मार्गदर्शित करता है। अपनी परम्परानुसार "श्री माहेश्वरी टाईम्स समाज की उन विभूतियों को नववर्ष में माहेश्वरी ऑफ ईयर 2016 से सम्मानित करेगी, जिन्होंने किसी भी स्तर पर अपना विशिष्ट योगदान दिया है। यह सम्मान वास्तव में ऐसी विभूतियों की सेवाओं का सम्मान तो है ही, साथ ही इस अवसर पर "श्री माहेश्वरी टाईम्स" में प्रकाशित होने वाली उनकी सफलता की कहानी समाज की नई पीढ़ी को कुछ नया और कुछ हटकर करने की प्रेरणा भी देगी, जिस पर समाज व राष्ट्र गर्व कर सकें।

इस बार भी कई क्षेत्रों को सम्मान

श्री माहेश्वरी टाईम्स के प्रकाशन के साथ ही अवॉर्ड "माहेश्वरी ऑफ द ईयर" की गरिमामयी शुरुआत भी हुई थी। लगभग 11 वर्ष की सफलता की इस यात्रा में श्री माहेश्वरी टाईम्स समाज की कई शीर्षस्थ हस्तियों को इस सम्मान से सम्मानित कर चुकी है। इसके अंतर्गत प्रतिवर्ष एक ही विभूति को सम्मानित किया जाता था। इससे कई सेवा क्षेत्र की विभूतियाँ सम्मानित होने से वंचित रह जाती थीं। अतः प्रबुद्धजनों के परामर्शानुसार गत 3 वर्ष से इसके स्वरूप को और भी वृहद करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में पृथक-पृथक रूप से माहेश्वरी ऑफ द ईयर सम्मान दिया जाने लगा है। इसी शृंखला में गत वर्ष माहेश्वरी ऑफ द ईयर 2015 से राजनीति के क्षेत्र में भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू, औद्योगिक क्षेत्र में सत्यनारायण नुवाल तथा आर्थिक सेवा के क्षेत्र में रतनलाल नौलखा को इस गरिमामय अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

इस बार भी फैसला आपके हाथ

"श्री माहेश्वरी टाईम्स" अपनी परम्परानुसार पाठकों से इस सम्मान के लिये उनका मत आमंत्रित करती है। यदि आप समाज की किसी भी ऐसी हस्ती को जानते हैं जिन्होंने किसी भी कार्य क्षेत्र में अपनी विशिष्ट उपलब्धियों से समाज को गौरवान्वित किया है तो उनके नाम का प्रस्ताव संक्षिप्त जानकारी व संपर्क नम्बर के साथ प्रेषित करें। अपना यह प्रस्ताव आप ईमेल द्वारा भी प्रेषित कर सकते हैं। चयन समिति ऐसी विभूतियों में से माहेश्वरी ऑफ द ईयर 2016 अवॉर्ड के लिये प्रत्याशियों का चयन करेगी। अतः इसमें निर्णायक के रूप में अधिकांश दारोमदार होगा, समाज के उन प्रबुद्ध पाठकों का, जिनके मत हमें प्राप्त होंगे। डाक अथवा ईमेल में सबसे ऊपर माहेश्वरी ऑफ द ईयर 2016 लिखना न भूलें।

संपर्क- 90, विद्यानगर, टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे, साँवेर रोड, उज्जैन (मप्र), **दूरभाष :** 0734-2526561, 2526761, **मोबाइल :** 9425091161, **ई मेल :** smt4news@gmail.com

PETERS PRINCE PHENYLE

Disinfectant
Best
By Test

Manufacturers of Disinfectants & Antiseptics:

NATH PETERS HYGEIAN LIMITED

REGD. OFFICE: 17-1-200, SAIDABAD, HYDERABAD - 500 059 T. S. INDIA
PHONE NO: 040- 24534-523/524/525 FAX: +91-40-24530299
E-mail: sales@nathpeters.com Website: www.nathpeters.com
CIN NO. U24110TG1992PLC014256
An ISO 9001:2008 Certified Company

For Distributorship Enquiries Please Contact
Mr. Raju on Cell No. 09701343335

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन
एकादश सत्र के नवनिर्वाचित
कल्पना जी गगडानी
राष्ट्रीय अध्यक्ष
आशा जी माहेश्वरी
राष्ट्रीय महामंत्री
कौशल्या जी गट्टानी
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
मंजू जी बांगड़
राष्ट्रीय संगठन मंत्री
को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं
करोड़ों की भीड़ में,
'इतिहास' मुट्ठी भर लोग ही बनाते हैं।
वही रचते हैं 'इतिहास',
जो आलोचना से नहीं घबराते हैं॥
कांता गगरानी
उपाध्यक्ष उत्तरांचल
शर्मिला राठी
संयुक्त मंत्री उत्तरांचल

With Best Compliments from
Sheetal Radium & Flex
We deal in
| Flex printing |
| Vinyl printing |
| Eco printing |
| In-shop branding |
| Glow sign boards |
| Hoarding |
| Market Promotion Campaigns |
Sheetal Birla
Sheetal
Radium & FLEX
Our Projects
Hari Seva Dham Road, Near Baheti Palace, Bhilwara (Raj.)
Ph. : +91-1482-234836 (Shop), +91-1482-239200 (Work Shop)
M. +91-94141-16036, 92148-03191
e-mail : info@sheetalflex.com, website : www.sheetalflex.com

सुखी जीवन के सूत्र बताती पुस्तक

खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद

प्रत्येक व्यक्ति की दीर्घायु और सुखी जीवन जीने की चाहत रहती है, लेकिन 55 वर्ष की आयु प्राप्ति के बाद से वह बढ़ती हुई उम्र के कारण अपने आपको निर्मूल भावी आशंकाओं, समस्याओं और मुसीबतों से घिरा हुआ महसूस करने लगता है। ऐसा होता है, उसकी गलत सोच के कारण। उम्र बढ़े, वृद्धावस्था आए यह चिंता की बात नहीं, परंतु सताए नहीं। इस दृष्टि से जागरूक रहना जरूरी है। यही जागरुकता लाना पुस्तक "खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद" का उद्देश्य है। उन्नीस अध्यायों में विभाजित इस पुस्तक में लेखक ने प्रौढ़ से लेकर वृद्धावस्था तक से जुड़े जीवन की समग्रता का आकलन प्रस्तुत किया है। पुस्तक में स्वस्थ, दीर्घायु, सुखी, आनंद सहित पूर्ण जीवन जीने के बारे में प्रत्येक पहलू पर चर्चा की गई है। साथ ही इस संबंध में कई विवि और शोध संस्थानों द्वारा किए गए शोधों एवं सर्वेक्षणों के निष्कर्षों का भी समावेश किया गया है। इसके अतिरिक्त पुस्तक में देश के विभिन्न जगहों से सुखी और आनंद से जी रहे प्रौढ़ और वृद्ध व्यक्तियों के साक्षात्कार से उनके सुखी जीवन जीने के राज को उनके ही शब्दों में जानने की कोशिश की गई है।

पुस्तक	-	खूबसूरती से जिएँ 55 के बाद
लेखक	-	डॉ. एचएल माहेश्वरी
प्रकाशक	-	ऋषि मुनि प्रकाशन 90 विद्यानगर, उज्जैन
मूल्य	-	रुपए 120/-

सम्पर्क : 0734-2526761, मो. 94250 91161

एक मौलिक एवं नवीन तकनीक और सोच के साथ लिखी यह पुस्तक लेखक के अथक परिश्रम एवं गहन अध्ययन का निष्कर्ष है। यह पुस्तक प्रौढ़, सेवानिवृत्त एवं वृद्ध व्यक्तियों के लिए संजीवनी बूटी की तरह है। साथ ही वृद्धावस्था में नवीन पथ दिखाने वाली एक व्यावहारिक निर्देशिका भी है।

पुस्तक पद्यांशों व शेरों शायरी से अलंकृत है। भाषा सरल और रोचक है। प्रिंटिंग त्रुटि रहित है। आवरण पृष्ठ आकर्षक और मोहक है।

दीप पर्व के पावन पर्व की समस्त माहेश्वरी बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनाएं

आर.के. एवं आर.सी. व्यास नगर महेश सेवा संस्थान

भीलवाड़ा (राज.), फोन : 01482-247195

नारायण लाल लढ़ा
अध्यक्ष
94141 14435

मनोहर लाल अजमेरा
सचिव
94149 71181

माहेश्वरी भवन की सुविधाएँ

• 2, कॉन्फ्रेंस हॉल • 17 फर्नीचर सहित वातानुकूलित कमरे • भोजनशाला व बर्तन व्यवस्था • 13 हजार स्के. फीट ग्राउण्ड • डीप फ्रीज • ट्यूबवेल • सायलेंट जनरेटर आदि

राधेश्याम चेचाणी
उपाध्यक्ष
70735 43438

सुरेश चन्द्र कचौलिया
कोषाध्यक्ष
94147 40082

कृष्णगोपाल सोडानी
सहमंत्री
94141 15181

राजेन्द्र पोरवाल
कार्यकारिणी सदस्य
94620 14959

श्रीनिवास नुवाल
कार्यकारिणी सदस्य
98290 47664

एवं समस्त पदाधिकारी व सदस्यगण

दीपोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएँ

गुजरात प्रान्तीय माहेश्वरी सभा

अध्यक्ष
श्री मदन मोहन पेडीवाल, सूरत
मो. 098241-51296

मंत्री
श्री सुनील गिगल, बड़ौदा
मो. 094260-13693

अर्थमंत्री
श्री भेरुलाल झवर, सूरत
मो. 098251-25350

संगठनमंत्री
श्री लादूलाल जागेटिया, धनसुरा
मो. 099252-44471

उपाध्यक्ष
श्री गजानंद राठी, सूरत
मो. 098240-51931

उपाध्यक्ष
श्री बंसीधर राठी, जेतपुर
मो. 098242-13506

उपाध्यक्ष
श्री कैलाशचन्द्र झवर, अहमदाबाद
मो. 098250-66131

संयुक्तमंत्री
श्री त्रिभुवन काबरा, बड़ौदा
मो. 093758-01000

संयुक्त मंत्री
श्री अनिल सोमानी, अहमदाबाद
मो. 093774-82336

संयुक्त मंत्री
श्री मूलचंद गट्टानी, पोरबन्दर
मो. 098252-50777

सहमंत्री/अध्यक्ष कार्यालय
श्री विनीत काबरा, सूरत
मो. 078780-12345

सहमंत्री/मंत्री कार्यालय
श्री प्रहलाद सोमानी, हिम्मत नगर
मो. 098250-70511

गुजरात प्रदेश माहेश्वरी सभा की प्रदेश के समाजजनों को सौगात

सामाजिक सुरक्षा योजना

जिसमें मिलेगी हर सदस्य को 1 से 5 लाख रुपये तक की सामाजिक सुरक्षा, जिसमें सदस्य के नोमिनी को मिलेगी तत्काल सुरक्षा राशि, ***'एक सबके लिए और सब एक के लिए'*** सिद्धान्त पर आधारित
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें - **श्री मदन मोहन पेड़ीवाल** (मो. 098241-51296)

नई पीढ़ी अपनी माहेश्वरी पहचान से दूर होती जा रही है। जबकि यह पहचान ही हमारा गौरव है। माहेश्वरी वास्तव में मात्र एक जाति ही नहीं बल्कि विचारधारा है, जिस पर हमारी उन्नति के आधार स्तम्भ टिके हुए हैं। इसी सत्य से हमें अपनी भावी पीढ़ी को अवगत करवाने की आवश्यकता है।

▸▸ ओ.पी. मूंदड़ा, जीरापुर

माहेश्वरी

मात्र जाति नहीं बल्कि एक विचारधारा

माहेश्वरी मात्र जाति ही नहीं बल्कि भगवान महेश के वंश की एक कुल पद की एक विचारधारा है। जो अपने जातीय गुण और परंपराओं के गुण कर्म के रूप में हजारों वर्ष बीत जाने के बाद भी न केवल जीवित है, वरन फल-फूल रही है। आवश्यकता मात्र इतनी है कि हम माहेश्वरी होने में आत्म गौरव की अनुभूति करें। हमारी जाति को जो उद्देश्य, संकल्प, लक्ष्य एवं समाजवादी चिंतन हमारे पूर्वजों के द्वारा मिला है, उसे कर्म में ढालें और एकता से नवप्राण फूंकें। याद रखें माहेश्वरी को स्वयं भगवान नारायण एवं माता लक्ष्मीजी का वरदान है। उन पर उनकी सदा-सर्वदा कृपा दृष्टि रहेगी। अतएव माहेश्वरी कभी भूखा नहीं सोता। दुर्भाग्यवश वह निर्धन हो सकता है, लेकिन वंशानुगत उद्योग के कारण वह अधिक दिनों तक श्रीविहीन अर्थात माता लक्ष्मी का कोप भाजक नहीं रह सकता है। काल चक्र से वह हतप्रभ हो सकता है, परंतु उसकी बुद्धि प्रखरता, उसके वाकचातुर्य, उसकी प्रबंधपटुता, कार्यकुशलता एवं कार्यक्षमता को संसार का कोई भी अधिकार अधिक समय तक आच्छादित नहीं रख सकता है।

आत्मविश्वास ही सबसे बड़ी शक्ति

वणिक होते हुए भी वह धन हेतु अपनी मूंछ का बाल नीचा नहीं कर सकता। उसके कर्तव्यों के कारण उसके स्वाभिमान को आंच नहीं आ सकती है। परिश्रम, लगन (या उत्साह) आत्मविश्वास, सत्यनिष्ठा, मितव्ययता, क्रमबद्धता, निष्पक्षता एवं उदारता माहेश्वरियों में यह समस्त गुण स्वभावतः विद्यमान हैं। माहेश्वरी बड़े परिश्रमी होते हैं। लगातार 16 घंटों तक अनवरत श्रम साधना करने में सक्षम हैं। निरंतर परिश्रम उन्हें थकाता नहीं। सजगता सदैव उनकी सचेष्टता सृजित करती है। सत्य तो यह है कि इनके धनी होने का राज यही सफलता का आलिंगन करने हेतु सदैव तत्पर होना ही है।

उन्नति के लिये भी स्वाभिमान से समझौता नहीं

यदि कोई परिश्रमी हो किंतु अपनी सफलता के प्रति संदिग्ध हो तो, किंचित श्रम के पश्चात उहापोह की स्थितियों का जन्म होगा, जिसकी परिणति निकट भविष्य में हतोत्साह के रूप में होती है। परिणामः कर्म-अधर्म में ही रह जाता है और सफलता कोसों दूर हो जाती है। जबकि हम परम उत्साही हैं और आशा हमारी सहगामिनी है, सफलता हमारा लक्ष्य है। माहेश्वरी आत्मविश्वासी होते हैं। महत्वाकांक्षी कार्यों को हंसते-हंसते पूरा कर लेना हमारा स्वभाव है। माहेश्वरियों में जोखिम उठाने का साहस है। इसलिए हम सफल उद्योगपति तथा व्यावसायी हैं।

सत्यनिष्ठा और ईमानदारी सफलता के सूत्र

हम सत्यनिष्ठ और ईमानदार हैं। हमारी साख है। हमारे वचन सदैव पूर्णता से आवृत्त रहते हैं। अतः हमारी बात का वजन होता है। हम मन-वचन-कर्म से एक हैं। साफ एवं स्वच्छ है। इसी से हमारा व्यापार निरंतर सफलता के नवीन सोपान पार करता जाता है। हम जिस क्षेत्र में भी बढ़े हैं, सदैव आगे ही बढ़ते हैं। लोग हमें अपना कार्य भार सौंपकर निश्चितता की अनुभूति करते हैं। हम मितव्ययी हैं। सच्चा मालिक वही है जो अपनी शक्तियों का अपव्यय न होने दें। चाहे वह धन शक्ति हो या तन शक्ति हो अथवा समय शक्ति। माहेश्वरियों की शक्तियाँ अपव्यय नहीं होती हैं। इसी से वे दीर्घायु, स्वस्थ, धनी और भरी-पूरी गृहस्थी के स्वामी होते हैं। भंडार रक्षण में हम लक्ष्मीनारायण व भगवान महेश वंश की सुकन्याओं के पुत्र हैं। अतः संपदा को सजाना हमें आता है। हम कुशल योजनाकार हैं।

उचित प्रबंधन के साथ कार्य

हमारे प्रत्येक कार्य पूर्ण रूपेण सोची विचारी योजनाओं के अंतर्गत होते हैं। उतावले पन पर हमें सदैव अविश्वास रहा। क्रमबद्धता हमारे कार्यों में स्पष्ट परिलक्षित होती है। भविष्य को निखारने-परखने के बावजूद वर्तमान में हम कार्य करते हैं, और पायलट सदृश अग्रगामी रहते हैं। इसी से हमारे माहेश्वरी बंधु सर्वाधिक सफल वास्तुविद होते हैं। हम सदैव निष्पक्ष और न्याय प्रिय हैं। लोगों को न्याय देना न्याय दिलाना हमारे रक्त कणों में समाहित हैं। यही कारण है कि हम बड़े-बड़े अधिवक्ता तथा न्यायाधीश भी हैं। हमारे विद्वानों के समक्ष तथ्य एवं सत्य की परतें सहज ही खुलती जाती हैं। सफलता का आठवां गुण उदारता हमारे रोम-रोम में समाया है।

सेवा व आतिथ्य हमारी परम्परा

ऐसा कौन सा स्थान है जहां माहेश्वरी हों और वहां माहेश्वरियों द्वारा निर्मित कोई औषधालय, धर्मशाला अथवा मंदिर न हो। विशाल मंदिरों का निर्माण यदि हम करवाते हैं तो धर्मशाला निर्माण कराना हमारा शौक है। अस्पताल, अनाथालय, गौशाला, प्याऊ बनवाने में तो हम अति उदार हैं। किसी की भी विहलता हमें आर्द्रा कर देती है और हमारे हाथ स्वयं ही उसकी सहायता करने को तत्पर हो जाते हैं। धार्मिक आस्थाएं आतिथ्य सत्कार तथा दान वीरता हमारी जातीय विशेषताएँ हैं। याचक को द्वार से खाली हाथ लौटाने में हम अपना अपमान समझते हैं। हम सर्वत्र फैले हुए हैं। देश व विदेशों के हर कोने में हमारे स्वजातीय बंधु हैं। नवीन परिस्थितियों में नवीन स्थानों में हमें दुनिया में ढलना भली-भांति आता है। जहां बसते हैं, वहां अगुआ बनकर ही रहते हैं। सर्वप्रिय बनकर रहते हैं। यही कारण है कि हम हमेशा आगे चलने वाले हैं, नेता हैं, अभिनेता हैं। इसमें अतिश्योक्ति नहीं है। यह वास्तविकता है, जो हममें है, किंतु हो सकता है इसे आपने जाना न हो। हममें यदि भारत रत्न, पद्मभूषण, पद्मश्री से सम्मानित हैं तो इसमें ही परम विशिष्ट सेवा चक्र/वीर चक्र/शौर्य चक्र युद्ध सेवा में सेना मेडल से अलंकृत भी हैं। राजनीतिज्ञों, उद्योगपतियों, साहित्य और समाजसेवियों, इतिहास शोध प्रवीणों, धर्म संस्कृत दर्शन महारथियों से हमारा वंश भरा हुआ है। पत्रकारिता, क्रीड़ा जगत, अभियांत्रिकी, पुलिस, सेना, राजदूत, सांसद, विधायक, न्यायपालिका, फिल्म, कला, संगीत आदि सभी क्षेत्रों में प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

एक कर्मयोगी को श्रद्धांजलि

एक सच्चे कर्मयोगी और अतुलनीय दूरदृष्टता का इस संसार से चला जाना एक अपूरणीय क्षति है। हमारे मार्गदर्शक व प्रसिद्ध समाजसेवी श्री द्वारकादास राठी दस वर्ष पूर्व हमारे मने में अपनी अमिट याद छोड़कर अनन्त यात्रा पर चले गए। अनुकरणीय व्यक्तित्व श्री राठी ने पुरानी कहावत ''कार्य शब्दों से अधिक बोलता है'' को चरितार्थ करते हुए हमेशा अपनी मौन उपस्थिति दर्ज कराई। उनके न रहने के कारण जो अन्धकार छा गया है उसे हम उनके जीवन दर्शन के प्रकाश से दूर करने का निरंतर प्रयास करते रहेंगे।

maheshwari.org के संस्थापक

श्री द्वारकादास राठी

20.02.1959 - 28.10.2006

माहेश्वरी समाज के 60,000 से अधिक

वैवाहिक रिश्ते

जैन समाज के 85,000 से अधिक

अग्रवाल समाज के 1,00000 से अधिक

Free Registration

Free Registration

- High Status, Middle Status
- NRI, Manglik, Non-Manglik Bio-Data
- MBA, MCA, Doctor, Engg. Bio-Data
- CA, CS, ICWA Bio-Data
- Graduate, Post Graduate Bio-Data
- Professionals Bio-Data
- Businessman Bio-Data
- Service Class Bio-Data
- Divorced, Widowed Bio-Data
- Physically Handicap Bio-Data

Websites
www.maheshwari.org
www.agarwal2agarwal.org
www.jain2jain.org

Maheshwari Marriage Services Pvt. Ltd.

39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-60

Tel. : +91-11 - 25746867, +91-11-42433738, Mo. : +91-93129-46867 Email : info@maheshwari.org

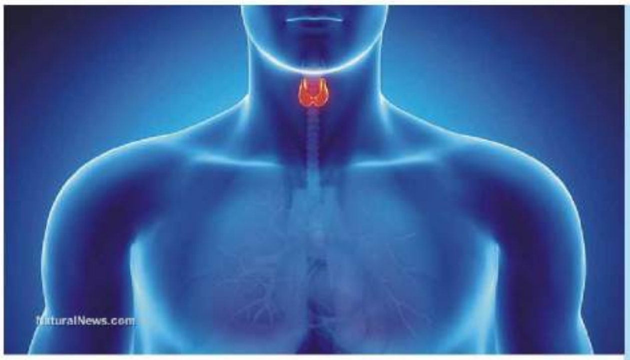

सायलेंट कीलर है थाइरॉइड रोग

वजन बढ़ना, सुस्ती, बालों का झड़ना जैसी आम समस्या से लेकर कई ऐसी गंभीर समस्याएँ हैं, जिनका कारण वास्तव में थाइरॉइड रोग होता है और हम जानते ही नहीं। आम तौर पर इसकी जानकारी गंभीर स्थिति में ही आम चिकित्सक दे पाते हैं। समस्या इसके बाद भी होती है तो यह कि एलोपैथी से इसका स्थायी समाधान ही नहीं हो पाता। वैज्ञानिक शोध से स्पष्ट हुआ है कि इसकी चिकित्सा का सबसे कारगार उपाय है, तो मात्र फायटौथरेपी।

▸▸ डॉ. एल.एल. जैन

फायटोथैरेपी (मॉडर्न हर्ब) में रोग का जड़ से इलाज संभव है। आज के आधुनिक दौर में थायरॉइड की समस्या आम होती जा रही है। खानपान में गड़बड़ी, व्यायाम व शारीरिक गतिविधियों का अभाव, पानी में क्लोरीन की अधिक मात्रा व फास्ट फूड, मेडीसिन का अत्यधिक प्रयोग व साइड इफैक्ट से थायरॉइड रोग हो सकता है। फास्ट फूड में एंटी ऑक्सीडेंट्स तत्वों की कमी और नमक की अधिकता थाइरॉइड हर्मोन के निर्माण को प्रभावित करती है।

थाइरॉइड है क्या?

थाइरॉइड शरीर की प्रमुख (एंडोक्राइन) ग्रंथि है जो गले में स्वर तंत्र के ठीक नीचे व सांस नली के दोनों तरफ तितली के पंख के समान फैली है। इससे निकलने वाले हार्मोंस जब हमारे खून में कम या अधिक मात्रा में पहुँचते हैं तो शरीर में कई प्रकार की समस्याएँ पैदा होने लगती हैं। इसी को थाइरॉइड रोग कहते हैं। यह दो प्रकार का होता है- 1. हाइपोथाइराइडिज्म 2. हाइपरथाइराइडिज्म।

1. हाइपोथाइराइडिज्म- हाइपो थाइरॉइड में थाइराइड ग्रंथि के सक्रिय नहीं होने से शरीर में आवश्यकतानुसार टी3, टी4 व टीएसएच हार्मोंस नहीं बन पाता। हाइपोथाइ रॉइडिज्म शरीर में रासायनिक प्रतिक्रियाओं का संतुलन बिगाड़ देता है।

हाइपोथाइरॉइडिज्म के लक्षण-

- वजन का बढ़ना, सुस्ती आना
- बालों का झड़ना, माहवारी में ब्लीडिंग अधिक होना
- पैरों में सूजन व ऐंठन
- हाथों का काँपना
- प्रजनन-स्त्री अंडाणु (बांझपन) व गर्भधारण तथा पुरुष शुक्राणु नपुंसकता व क्षमता प्रभावित होना
- शरीर को रोग-प्रतिरोधक क्षमता का कमजोर होना
- स्मरण शक्ति ह्रास व पाचन तंत्र खराब होना
- बेहोशी आना
- नींद आना, कब्ज होना
- हृदय गति धीमी होना।

एक सर्वे के अनुसार 10 से 15 प्रतिशत लोग वर्तमान में हाइपोथाइरॉडिज्म की बीमारी से ग्रसित हैं, जिसका इलाज संभव है।

2. हाइपरथाइरॉइडिज्म- हाइपरथाइरॉडडिज्म में थाइरॉइड ग्रंथि ज्यादा सक्रिय हो जाती है और टी 3 व टी 4, टीएसएच हार्मोंस अधिक मात्रा में निकलकर रक्त में मिल जाते हैं।

हाइपरथाइरॉइडिज्म के लक्षण -

- वजन कम होना
- पसीना आना, घबराहट, ठंड लगना, थाइरॉइड कैंसर होना, बालों का झड़ना, आँखें बाहर आना, जिसे थाइरॉइड एसोसिएट आई डिसीज कहते हैं। अधिक भूख लगना।

थाइरॉइड की आशंका महिलाओं में ज्यादा

पुरुषों की तुलना में हायपोथाइरॉडिज्म की आशंका महिलाओं में ज्यादा पाई जाती है। यह ऑटो इम्यून डिसॉर्डर है। इम्यूनिटी सिस्टम शरीर के हर अंग को पहचानने के कारण उसे बीमारियों से बचाता है, लेकिन जब वह शरीर के अंग को पहचान ही नहीं पाता तो एंटी बॉडी बनाकर शरीर के अंगों के खिलाफ ही लड़ने लगता है, इसे ऑटो इम्यून डिसॉर्डर कहते हैं। महिलाओं में थाइरॉइड की समस्या 20 से 40 साल की उम्र में ज्यादा होती है या फिर गर्भधारण के तुरंत बाद ही थाइरॉइड हो सकता है। पीरियड्स लेट आना, कद न बढ़ना थाइरॉइड हो सकता है।

क्या है फायटोथैरेपी

फायटोथैरेपी दो शब्दों से मिलकर बना है। ग्रीक भाषा का शब्द फायटो का अर्थ पौधे व पादप है तथा थैरेपी का अर्थ उपचार। आशय है पौधों-पादप से प्राकृतिक चिकित्सा। फायटोथैरेपी प्राकृतिक, वनस्पति, खनिज लवण के मूल तत्व का अर्क है। मार्डन हर्ब होने से इससे असाध्य रोगों का बिना किसी दुष्प्रभाव के शीघ्र व दीर्घकालीन उपचार होता है। यह थाइरॉइड को जड़ से मिटा सकती है।

हाइपरथारॉइडिज्म में पीरियड्स बंद हो जाता है। जबकि हाइपोथरॉइड में महिलाओं में ब्लीडिंग बहुत ज्यादा, कई बार 8 से 10 दिन तक होने लगती है। लड़कों में दाढ़ी-मूँछ लेट आना, थकान, पैरों में सूजन, इंफर्टीलिटी, बच्चों में लंबाई न बढ़ना, वृद्धावस्था में कब्ज की शिकायत और थाइरॉइड ग्रंथि का बढ़ना भी थाइरॉइड की बीमारी के प्रमुख लक्षण हैं। पुरुषों में यह बीमारी 30 से 50 साल की उम्र में ज्यादा होती है।

गर्भावस्था में थाइरॉइड

गर्भावस्था के तीसरे महीने के बाद से आवश्यक थाइरॉइड ग्रंथि को थाइरॉइड हार्मोंस बनाने के लिए आयोडीन की जरूरत होती है, जो माँ से बच्चे को मिलता है। यह हार्मोंस गर्भावस्था के समय एवं जन्म के तीन वर्ष तक बच्चे के मस्तिष्क के विकास के लिए जरूरी है, जिसकी कमी से बच्चे का आईक्यू लेवल कमजोर होता है। जन्म के तुरंत बाद से ही थाइरॉइड ग्रंथि लगातार काम करती है। इसके असंतुलन से शरीर की भीतरी कार्यप्रणाली अवरुद्ध हो जाती है। थाइरॉइड हार्मोंस की कमी होने से नाक चपटी एवं शारीरिक विकास कम होता है। गर्भपात का खतरा व कम वजन के बच्चे होना भी थाइरॉइड रोग के कारण हैं।

आयोडीन नमक का करें सही तरीके से प्रयोग

- नमक को खाना पकाते समय डालने की जगह, यदि पकने के बाद डाला जाए तो आयोडीन की मात्रा बरकरार रहती है। खाना पकाते समय आयोडीन नमक डालने से आयोडीन नष्ट हो जाता है।
- नमक में आयोडीन बना रहे, इसलिए हमेशा नमक को एक एयर टाइट कंटेनर में रखें।
- नमक के पैकेट का उपयोग उसकी एक्सपायरी डेट (समाप्ति की तिथि) के बाद नहीं करना चाहिए। इससे आयोडीन कम हो जाता है।

सलाह व उपचार के लिए संपर्क करें- डॉ. एस.एल जैन, हेल्थिली फायटोथैरेपी क्लीनिक, अलखधाम नगर, साँवेर रोड, उज्जैन (मप्र)-456010 (मिलने का समय शाम 6 से 9 बजे तक), मो. 9926073031, 9522285222

समाज की सबसे गम्भीर समस्या तलाक़

आज समय तलाक की सबसे भीषण समस्या से गुजर रहा है। बड़ी खुशियों के साथ जोड़े गये दाम्पत्य के रिश्ते ताश के महल की तरह कब ढह जाएं कहा नहीं जा सका। आखिर सबसे सम्पन्न व सबसे शिक्षित कहे जाने वाले हमारे समाज में क्यों बढ़ रही है, यह समस्या?

▸▸ सुमिता राजकुमार मूंधड़ा, मालेगांव

संयुक्त परिवार का विघटन

संयुक्त परिवार का विघटन तलाक का सबसे बड़ा कारण है। पति-पत्नी के छोटे-मोटे घरेलू झगड़े एवं नोक-झोंक कभी-कभी बड़ी समस्या बन जाते हैं। इस समय यदि दंपति संयुक्त परिवार में हो तो घर के बड़े अपनी सूझ-बूझ से उनमें सुलह एवं समझौता करवा कर स्थिति को संभाल सकते हैं। परंतु एकल परिवार में मनमुटाव को सुलझाने वाला कोई नहीं होता है। ऐसे समय में भरोसेमंद पारिवारिक सदस्य को मध्यस्थ बनकर दोनों की समस्या का बातचीत से हल निकाल कर दो परिवारों को टूटने से बचाना चाहिये।

अपेक्षाओं में अत्यधिक अति

पढ़े-लिखे दंपतियों की अपेक्षाएं और उम्मीदें भी एक-दूसरे से बहुत अधिक होती हैं। उन्हें जीवनसाथी सपनों व कल्पना जैसा सर्वगुणसंपन्न चाहिए। पर ऐसा तो कोई भी जीव धरती पर पैदा हुआ ही नहीं कि जिसमें एक भी अवगुण ना हो। अगर लड़का-लड़की अच्छाइयों के साथ अपने जीवनसाथी की बुराइयों को भी अपना लें, तो यह परिस्थिति पैदा ही नहीं होगी।

संचार क्रांति बनी गृहस्थी की दीमक

आधुनिक युग का आविष्कार तलाक का सबसे बड़ा हथियार-सोशल नेटवर्किंग साइट्स। यह हमें दुनिया से जोड़ने और अपनों से तोड़ने का कार्य बखूबी निभाती है। इसकी लत के कारण दंपति एक-दूसरे को अपना वक्त नहीं देते। याद रखें, जरूरत पड़ने पर परिवार ही आपके साथ खड़ा होगा। ये सोशल नेटवर्किंग साइट्स वाले अनगिनत दोस्त नेट से निकलकर आपकी सहायता करने नहीं आएंगे। आप अपने परिवार को समय दें।

अत्याधुनिक होती नारी

आज की पढ़ी-लिखी खुले मिजाज वाली बहू को आजादी से जीना पसंद होता है। संयुक्त परिवार में आजादी एक सीमा में ही मिल पाती है। पति के साथ परिवार से अलग रहने की कोशिशें जब बेकार हो जाती हैं तो पति-पत्नी में तनाव और अंततः तलाक होता है। बहुओं को भविष्य में भी झांकना चाहिए। उसके जीवन में भी यह वक्त आ सकता है, जब उसके पुत्र को जीवनदाता और जीवनसाथी में से एक का चुनाव करना पड़े। आजकल के युवाओं का मुख्य आकर्षण है शहरी जीवन, मेट्रो सिटी में घर बसाना, बड़े शहर में नौकरी, व्यापार,घूमना-फिरना, शॉपिंग आदि। कामकाजी बहुओं को यह सब गांव में नहीं मिल पाता। न ही उनका कॅरियर बन पाता है। अपने भविष्य और करियर के लिए एकाकी जीवन भी उन्हें मंजूर होता है और वो तलाक लेना ज्यादा उचित समझती हैं।

सहनशक्ति का होता अभाव

आज की युवा पीढ़ी में सहनशक्ति का अभाव है। थोड़ी सी अनबन और कहासुनी विकराल रूप ले लेती है। बड़े-बुजुर्गों के शब्दों में 'गम खिंचना' उनकी फितरत में ही नहीं है। एक-दूसरे को नीचा दिखाने या खुद की श्रेष्ठता सिद्ध करने की बजाय एक-दूसरे को आगे बढ़ने में सहायक बनें। एक-दूसरे को सम्मान देकर ही सम्मान पा सकते हैं।

प्रेम विवाह में सर्वाधिक तलाक

प्रेम विवाह में भी तलाक के मामले देखने को मिलते हैं। लड़का-लड़की साथ पढ़ते हैं। दोस्त बनते हैं और फिर कभी-कभी दोस्ती इतनी गहरी हो जाती है कि वो प्रेम विवाह में परिवर्तित हो जाती है। दोनों एक-दूसरे को तो अच्छी तरह जान पहचान लेते हैं पर खानदान और परिवार से अनभिज्ञ रहते हैं। विवाह बाद जब पारिवारिक बातें और भेद सामने आते हैं, तो प्यार का भूत उतर कर तलाक का रूप ले लेता है। सजातीय विवाह में भी तलाक के मामले बहुत होने लगे हैं। सजातीय विवाह में रिश्ता तय करते समय अगर किसी को मध्यस्थ बनाकर दोनों परिवारों की सामाजिक व आर्थिक स्थिति की समानता परख लें तो दाम्पत्य जीवन को कुछ हद तक टूटने से बचाया जा सकता है।

सहनशक्ति का होता अभाव

पहले दंपति में अनबन होती तो भी वो समाज में स्वयं की-परिवार की मान और प्रतिष्ठा को ध्यान में रखकर समझौता और सामंजस्य बनाकर जीवन की गाड़ी खींच ही लेते थे। पर अब यह बात नहीं। उनकी प्राथमिकता सिर्फ खुद की जिंदगी और खुशी होती है। परिवार का समाज में मान-सम्मान उनके लिए इतनी अहमियत नहीं रखता है और यही तलाक के कारण में एक कड़ी और जोड़ देता है। समाज के बांधव ही दुःख की घड़ियों में हमारे साथ खड़े मिलते हैं और सुख को सामाजिक करके हम दुगनी खुशियां महसूस करेंगे।

With Best Compliments from

TIRUMALA VENKATESHWARA PAPER & BOARD PVT. LTD.

KRAFT PAPER MANUFACTURERS

Manoj Gandhi
99890-24275

Factory :
Sy.No. 50/A, Vill : Andugulpeta, Mdl: Mandamari, Dist: Adilabad-504831 (T.S.) India
Tel: 08736-201200, **Email :** tirumalapaper @gmail.com

Regd. Office :
Devdarshan, Enclave, Banglow No. 14, Near Diamont Point,
Sikh Village, Secunderabad- 500011,
Tel : 40-27750159, **E-mail :** manojgandhi24275@gmail.com

दीपावली के पावन पर्व की समस्त माहेश्वरी बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनाएँ

रामकुमार जागेटिया
मानद सचिव
भीलवाड़ा जिला (ग्रामीण)
माहेश्वरी सहयोग संस्थान
मो. 94611 14810

महावीर जागेटिया
मो. 94141 15210

Quality is Our Wealth

TEMPUS APPARELS

Mfg. Denim Jeans & Trousers

11, Kamal Complex, Dak Bungalow Road, Gandhi Nagar, Bhilwara (Raj.) 311001
Phone : 01482-247700 (0) | e-mail : tempusapparels@gmail.com

ख़ुश रहें... ख़ुश रखें...

सुख की भी अपनी पीड़ा होती है और पीड़ा का भी सुख होता है

■ पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

दुख कोई नहीं चाहता इसीलिए सुख के पीछे हर कोई भागता है। दुख मिलता है तो पीड़ा होती है, लेकिन सुख मिलने पर सुकून मिल ही जाए यह भी जरूरी नहीं। सुख की भी अपनी पीड़ा होती है और आध्यात्म समझाता है कि पीड़ा का भी अपना सुख होता है।

महाभारत के एक पात्र को समझा जाए जिनका नाम है 'भीष्म'। इनका सारा जीवन सुख की पीड़ा और पीड़ा के सुख के बीच में बीता। दोनों ही स्थितियों में इस व्यक्ति ने भगवान की भक्ति नहीं छोड़ी। ऊपर से भीष्म जितने सांसारिक दिखते थे, भीतर से उतने ही आध्यात्मिक थे। वे राजगद्दी से जुड़े हुए नजर आते थे लेकिन उनकी दृष्टि परम पद पर टिकी हुई थी। स्वयं राजा थे, कई राजाओं को बनाने और बिगाड़ने वाले थे। वे यह जानते थे कि- वो एक शख्स जो तुझसे पहले तख्तनशीं था, उसको भी अपने खुदा होने का उतना हीं यकीन था।

न तख्त रहते हैं न ताज। बड़े-बड़े राजा आम आदमी की तरह दुनिया से चले जाते हैं। भीष्म का अपना बड़ा परिवार, कुनबा या कुटुंब था, सारे सुख थे उनके पास, पर उतनी ही पीड़ा भी थी। वे दुर्योधन को नियंत्रण में नहीं रख पाए। कुरुवंश की नई पीढ़ी उन्हीं के सामने अमर्यादित हो गई। यह सुख की पीड़ा है। इसी में से उन्होंने पीड़ा का सुख भी उठाया। यह दृश्य आज भी कुछ परिवारों का हो सकता है लेकिन भीष्म ने हमें अपने चरित्र से बताया है कि मनुष्य छिपा हुआ परमात्मा है। एक तरह से परमात्मा का बीज है, मनुष्य। परमात्मा खिला हुआ रूप है और मनुष्य अधखिला परमात्मा।

हर एक के भीतर परमात्मा है बस, 'मैं' का भाव हटाओ कि ईश्वर प्रकट हो जाएगा। सुख की पीड़ा तो उन्होंने बहुत देखी थी। जब अंतिम समय वे शरशैया पर थे तो उनकी मृत्यु की गवाही देने श्रीकृष्ण स्वयं उपस्थित हुए थे। यह पीड़ा का सुख था। किसी भी परिवार के मुखिया के लिए भीष्म का जीवन अपने आप में एक सबक है, एक शिक्षा है, एक प्रबंधक है। चाहे तो हम भी इस सुख को उठा सकते हैं। बस इतना कीजिए, जरा मुस्कुराइए...।

।। जय महेश ।।

दीपावली पर्व के अवसर पर
सभी माहेश्वरी बन्धुओं को
हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएँ

मुकेश काबरा

» अध्यक्ष
पुराना शहर माहेश्वरी युवा संगठन, भीलवाड़ा
» सह सचिव
महेश प्रगति संस्थान, भीलवाड़ा
» सचिव
भीलवाड़ा क्लॉथ मर्चेंट एसोसिएशन, बड़ा मन्दिर भीलवाड़ा
» उपाध्यक्ष
माहेश्वरी सेवा सहयोग संस्थान, भीलवाड़ा
» संगठन मंत्री
श्री माहेश्वरी समाज सम्पत्ति ट्रस्ट, भीलवाड़ा

M. 098291-09591

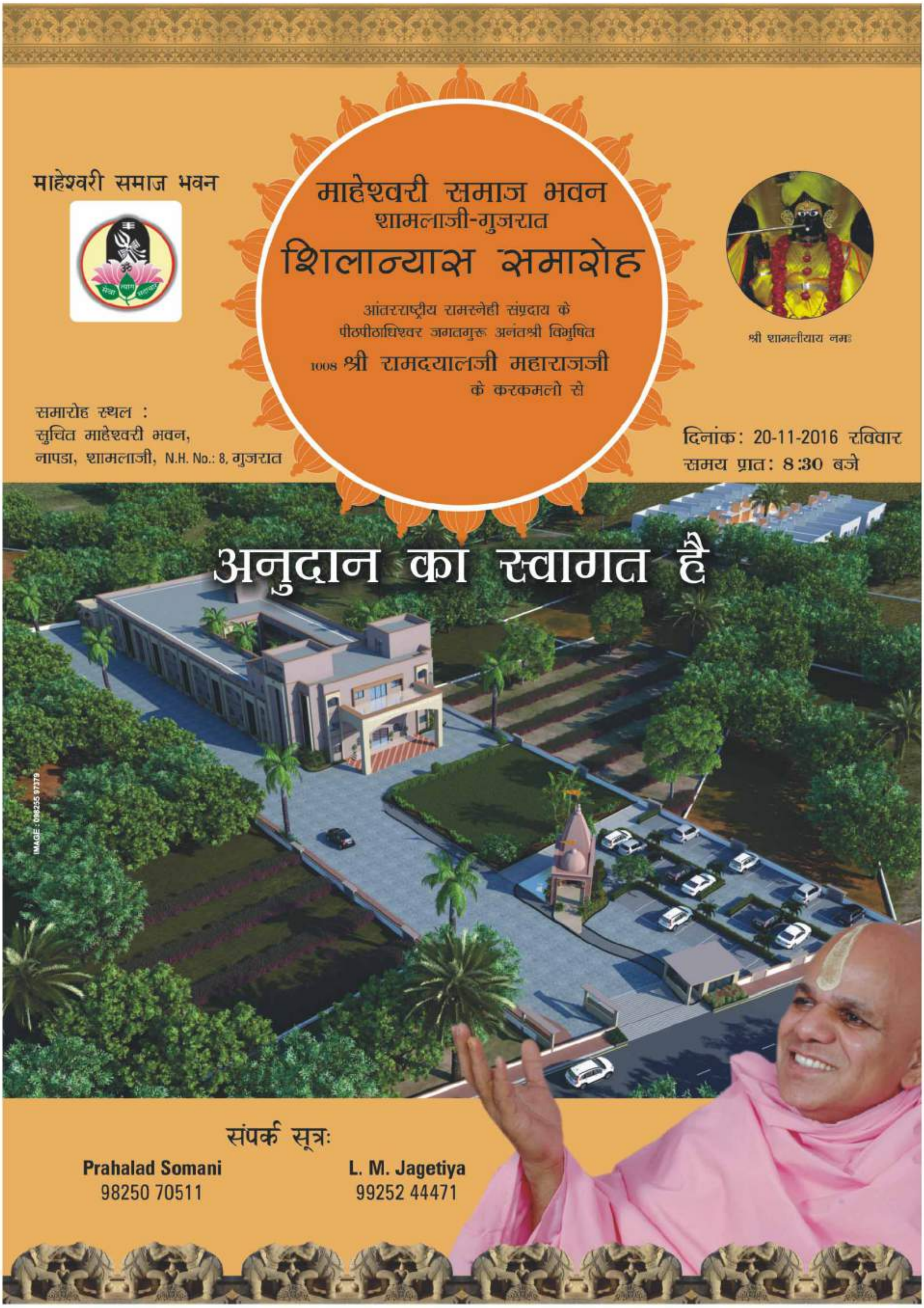

माहेश्वरी समाज भवन
माहेश्वरी समाज भवन
शामलाजी-गुजरात
शिलान्यास समारोह
आंतरराष्ट्रीय रामस्नेही संप्रदाय के
पीठपीठाधिश्वर जगतगुरू अनंतश्री विभुषित
1008 श्री रामदयालजी महाराजजी
के करकमलो से
श्री शामलीयाय नमः
समारोह स्थल :
सुचित माहेश्वरी भवन,
नापडा, शामलाजी, N.H. No.: 8, गुजरात
दिनांक: 20-11-2016 रविवार
समय प्रात: 8:30 बजे
अनुदान का स्वागत है
संपर्क सूत्र:
Prahalad Somani
98250 70511
L. M. Jagetiya
99252 44471

गत ५१ वर्षों से विश्वभर में एक-दूसरे को परस्पर संस्कृति के सम्मान व सहयोग का पाठ पढ़ा रहे ख्यात समाजसेवी व कानूनविद् श्री देवप्रकाश माहेश्वरी अब नहीं रहे। इसके साथ ही अप्रत्यक्ष रूप से विभिन्न देशों के बीच सद्भाव उत्पन्न करने के उनके अभियान ने भी एक समर्पित सेवी खो दिया, जिसकी प्रतिपूर्ति हो पाएगी या नहीं यह कहा नहीं जा सकता।

नहीं रहे सम्पूर्ण विश्व को सहयोग का पाठ पढ़ाने वाले देवप्रकाश माहेश्वरी

वर्तमान में परस्पर विरोधी कहे जोन वाले कई देशों के बीच भी मधुर सांस्कृतिक व व्यावसायिक सम्बंध हैं। वैसे तो इन सम्बंधों की स्थापना का श्रेय उन राष्ट्र की सरकारों को ही है, उन्हें विश्व बंधुत्व का पाठ पढ़ाकर परस्पर सहयोग की राह दिखाने वाले नईदिल्ली निवासी अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त समाजसेवी देवप्रकाश माहेश्वरी ही थे। लेकिन विश्व बंधुत्व की मशाल थामने वाले वे हाथ अब नहीं रहे। गत 1 अक्टूबर को नईदिल्ली में अपने निवास पर श्री माहेश्वरी का हृदयगति रुक जाने से देहावसान हो गया। उल्लेखनीय है कि गत 9 जुलाई को ही श्री माहेश्वरी ने 83वें वर्ष में प्रवेश किया था। आप अपने पीछे पुत्र प्रदीप-पुत्रवधू अंजलि माहेश्वरी व पौत्र प्रभव दो पुत्री-दामाद नाती-नातिन सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं। आपकी अंतिम यात्रा में समाज के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे जिन्होंने आपको अपने श्रद्धासुमन अर्पित किये। इनमें बसंतकुमार बांगड़, डॉ. गिरीश माहेश्वरी, डॉ. एमके मूंदड़ा, राधाकृष्ण सोमानी, रामकुमार टावरी, एसएन चांडक, अनिल गगरानी, प्रभात केला, राकेश मालपानी, राम माहेश्वरी, रामनिवास राठी, ओम तापड़िया, महेश रांदड़, मनीष भंसारी, मनोज दरड़, नरेंद्र राठी, वीरेंद्र राठी, दिनेश सारड़ा, दिनेश राठी, विकास माहेश्वरी 'बाबी', गणेश काबरा, राम बागड़ी, महेश राठी, आनंद बिहानी आदि शामिल थे।

एक प्रख्यात कानूनविद् भी

श्री माहेश्वरी का जन्म 9 जुलाई 1934 को अलीगढ़ (यूपी) में विदुषी श्रीमती कलावती देवी के परिवार में श्री भगवानदास व श्रीमती चंपादेवी चाँडक के यहाँ हुआ था। स्नातक स्तर की पढ़ाई के दौरान ही आपके प्रयासों से वाचनालय और पुस्तकालय की स्थापना के साथ अलीगढ़ में माहेश्वरी सेवा संघ की शुरुआत की गई थी। अपने अध्ययन काल में आप अपने जूनियर छात्रों की पढ़ाई में भी मदद करते थे। 1956 में एलएलबी की पढ़ाई कर पीएससी के द्वारा प्रशासनिक सेवा में चयनित हो गये। वर्ष 1964 में दिल्ली आकर लॉ आफिसर बने। बाद में दिल्ली हाईकोर्ट तथा सुप्रीम कोर्ट में सफलतापूर्वक वकालात की। आप उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता रहे और एक प्रतिष्ठित कानूनविद् के रूप में आपने अपनी महत्वपूर्ण सेवाएँ दीं। आपने जर्मनी व अमेरिका की कोर्टों में भी कुछ केस की पैरवी की।

समाजसेवा ने ही दिखाई राह

व्यावसायिक कारणों से नई दिल्ली में निवासरत रहते हुए भी माहेश्वरी अपनी व्यावसायिक व्यस्तताओं के बावजूद समाजसेवा के पथ पर भी समर्पित भाव से सक्रिय रहे। दिल्ली आगमन पर आपका दिल्ली के प्रमुख समाजसेवी तथा बिरला परिवार के दामाद श्री वसंतकुमार बांगड़ से परिचय हुआ तथा आप दोनों का ऐसा तालमेला बना जो जीवन पर्यंत एक सच्चे मित्र के रूप में कंधे से कंधा मिलाकर सभी सामाजिक कार्यों में साथ बने रहने का माध्यम बना। अलीगढ़खुर्जा व दिल्ली के समाज संगठन के साथ अ.भा. माहेश्वरी महासभा में सक्रियता बढ़ी। कार्यसमिति सदस्य के साथ ही वर्ष 1982 से लगातार 3 सत्रों तक उपसभापति के रूप में सेवा दी। इस दौरान पश्चिमी उप्र प्रादेशिक सभा को सक्रिय करने व हरियाणा-पंजाब प्रदेश सभा के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दिल्ली प्रदेश एवं उसकी जिला सभाओं का गठन किया। आप दिल्ली प्रदेश सभा के संस्थापक अध्यक्ष भी थे। आपके प्रयासों से एक ऐतिहासिक कार्य के रूप में अंतरराष्ट्रीय सद्भावना की दिशा में इंडियन फेडरेशन फॉर वर्ल्ड को-ऑपरेशन की स्थापना की गई। वर्तमान में विश्व के 20 से अधिक देश इसके सदस्य हैं। दिल्ली में आवास की कमी को देखते हुए आपके द्वारा

माहेश्वरी को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी की स्थापना भी की गई। 1977 में आपके प्रयासों से साइकिल मैन्यूफ्रेक्चर एसोसिएशन तथा माहेश्वरी युवा परिषद का गठन भी हुआ।

ऐसे चली थी विश्व बंधुत्व की यात्रा

संस्था इंडियन फेडरेशन फॉर वर्ल्ड को-आपरेशन एंड कल्चुरल रिलेशन की स्थापना वर्ष 1966 में अंतरराष्ट्रीय शांति, सद्‌भावना व मैत्री के लिए हुई थी। प्रारंभ से ही संस्थापक अध्यक्ष के रूप में श्री माहेश्वरी इस संस्था को अंत समय तक अपनी सेवा देते ही रहे। प्रारंभ में इससे सदस्य के रूप में ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, पोलैंड, बुल्गारिया, चेकोस्लोवाकिया व जर्मनी आदि देश संबद्ध रहे। कुछ समय पश्चात ही चीन भी सदस्य के रूप में सक्रिय रूप से संबद्ध हो गया। इसी संस्था द्वारा गत 26 से 31 अक्टूबर 2015 तक भी चीन में अंतरराष्ट्रीय कल्चुरल एक्सचेंज व फ्रेंडशिप कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया था। इसमें भारत सहित ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, पोलैंड, बुल्गारिया, बांग्लादेश, जर्मनी, श्रीलंका सहित 20 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

सच्चे समाजसेवी थे

श्री देवप्रकाश जी माहेश्वरी का देहावसान न सिर्फ समाज अपितु सम्पूर्ण मानवता की भी क्षति है। उन्होंने सम्पूर्ण विश्व को भारतीय संस्कृति के संस्कारों का पाठ पढ़ाया था। समाज में समर्पित समाजसेवियों की सर्वाधिक आवश्यकता है। श्री माहेश्वरी एक ऐसे ही समाजसेवी थे, जिन्होंने कभी भी पद तक की लालसा नहीं की और सदैव समर्पित समाजसेवियों को समाज की मुख्यधारा में लाने का प्रयास किया। उनके जैसे समाजसेवियों के कारण ही वर्तमान में समाज संगठनों ने समर्पित सामाजिक कार्यकर्त्ताओं को अवसर मिल रहा है। यह समाज के लिए शुभ संकेत है। मैं व्यक्तिगत रूप से उन्हें अपनी ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ।

- **पद्मश्री बंशीलाल राठी,** पूर्व सभापति, अ.भा. माहेश्वरी महासभा

निर्भिक व स्पष्टवादी थे

श्री देवप्रकाशजी और मेरे बाबूजी का वर्ष 1967 से ही माहेश्वरी महासभा के बीकानेर अधिवेशन के साल से ही गहरा परिचय रहा है। इसी कारण से मैं लगभग वर्ष 2001 से उनके संपर्क में आया। उन्होंने विशेषकर मुझे अपनी संस्था के द्वारा 2001 में चीन जाने का अवसर प्रदान किया। अभी 2015 में भी दोबारा मुझे चीन ग्रुप लीडर बनाकर भेजा। सन् 2014 में मेरे पिताजी के देहांत के बाद उनका मेरे प्रति और गहरा लगाव हो गया। गत 28 सितंबर को उनसे फोन पर बात हुई, फिर अचानक ही मुझे 2 अक्टूबर को उनके दुःखद देहावसान का समाचार मिला। मुझे इस समाचार पर यकीन भी नहीं हो रहा था। वे सदैव समाज एवं आम कार्यकर्ताओं के हित के लिये संघर्षरत रहे।

एक कर्तव्यनिष्ठ व्यक्तित्व एवं पूर्णतया निर्भीक एवं अपनी बात को बिना किसी लागलपेट के स्पष्ट शब्दों में कहने वाले व्यक्ति को हमने खो दिया। ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि उनकी आत्मा को चिरशांति प्रदान करें एवं परिवारजन का इस दुःख की घड़ी में इस गहरे सदमे को सहने की शक्ति प्रदान करें।

- **रमेश काबरा,** सम्पादक, समाज प्रवाह

मध्यम वर्ग के सच्चे हितेषी

मैं श्री देवप्रकाश माहेश्वरी से लम्बे समय से सम्पर्क में रहा हूँ। इतना ही नहीं समाज सेवा में तो हमारा साथ हमेशा ही रहा है। यही कारण है कि यह मेरी व्यक्तिगत क्षति भी है।

स्व. श्री माहेश्वरी समाज के मध्यम वर्ग के सच्चे हितेषी थे। आम बहुसंख्यक मध्यम वर्ग को समाज के नेतृत्व में आगे लाने के लिए जो प्रयास हुए उसमें स्व. श्री देवप्रकाश जी व मेरा अहम रोल रहा है। महासभा का नेतृत्व अब मध्यम वर्ग के हाथ में आ रहा है। वास्तव में यह उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है।

- **महेश राठी (केकड़ीवाल)**
अध्यक्ष, मारवाड़ी महासभा

हमेशा मिला बड़े भाई का मार्गदर्शन

आदरणीय श्री देवप्रकाश माहेश्वरी का देहावसान न सिर्फ समाज अपितु संपूर्ण मानवता की भी एक बड़ी क्षति है। उन्होंने अपनी संस्था के माध्यम से संपूर्ण विश्व में परस्पर जो सहयोग तथा सद्भावना की ज्योत जलाई थी, वह वंदनीय है। इसने विश्व शांति के उद्देश्य में अपना अति महत्वपूर्ण योगदान भी दिया था।

आदरणीय श्री माहेश्वरीजी का देहावसान मेरी तो ऐसी व्यक्तिगत क्षति है, जिसकी प्रतिपूर्ति ही संभव नहीं। कारण यह है कि वे मेरे लिये तो न सिर्फ मित्र बल्कि एक बड़े भाई की तरह शुभ चिंतक ही थे। मेरे जीवन के कई फैसले जैसे मेरे विवाह ही नहीं बल्कि मुझे समाज संगठन में लाने तक में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। आपकी प्रेरणा से ही मैं माहेश्वरी समाज कर न सिर्फ उपाध्यक्ष बना बल्कि मैंने समाज हित में बहुत कुछ कार्य किये। मैं व्यक्तिगत रूप से स्व. श्री देवप्रकाशजी माहेश्वरी के चरणों में श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए, पूरे परिवार को इस दुःखद क्षण को सहन करने की सामर्थ्य देने की ईश्वर से कामना करता हूँ।

- **रामकुमार टावरी,** पूर्व उपाध्यक्ष, दिल्ली माहेश्वरी सभा

समर्पित समाजसेवियों के थे पक्षधर

आदरणीय श्री देवप्रकाश मोहश्वरी जी से मेरा लगभग 10 वर्षों से समाज के बुद्धिजीवी के रूप में परिचय रहा है। आप श्री माहेश्वरी टाईम्स के प्रबुद्ध पाठक व प्रशंसकों में से एक थे।

इस प्रारभिंक परिचय के बाद सतत संपर्क से प्रगाढ़ता बढ़ाती ही चली गई। फिर गत वर्ष उनके माध्यम से चीन की सौहार्द्र यात्रा पर जाने का अवसर मिला। इस दौरान उन्हें और भी निकट से जाना और समझा। आप समाज के एक ऐसे प्रखर समाजसेवी थे जिन्होंने हमेशा समाज में केवल सम्पन्न वर्ग के वर्चस्व का विरोधकर समर्पित समाजसेवियों का पक्ष लेकर उनके प्रोत्साहन पर जोर दिया। वे एक ऐसे साहसी व्यक्ति थे, जो गलत बात पर विरोध करने में पीछे नहीं रहते थे। बस इसमें उनका विरोध किसी व्यक्ति से नहीं होता था, बल्कि सिद्धांतों पर ही केंद्रित होता था। श्री माहेश्वरी के देहावसान ने समाज से एक सच्चा निःस्वार्थ व मुखर समाजसेवी छिन लिया है जिनकी प्रतिपूर्ति संभव नहीं है।

- **पुष्कर बाहेती,** सम्पादक, श्री माहेश्वरी टाईम्स

आपणी बोली

- *स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर*

फर्जी डिग्रियां

खम्मा घणी सा हुक्म आपने बताऊँ फर्जी डिग्री रा कारनामा.... हुक्म लोग कमाल कर दे पेहली तो सालो में एक फर्जी डिग्री री खबर आवती और अबे तो लाखों में एक सही डिग्री खोजणी भारी पड़गी ।फर्जी डिग्री उस्ताद तो गजब ही निकळीया। हुक्म इती सारी फर्जी डिग्रियां बाँट दी कि जिका ईमानदारी सुं सही डिग्री ली वे भी आंखियां फाड़ ने आपरी डिग्री ने देख रिया है कि आपाणी भी कठैई फर्जी तो नहीं...

हुक्म सच कहूं तो यो युग फर्जी उस्तादों रो ही है। बचपन में एक कहावत सुणी थी-प्यादे से फर्जी भयो, टेढो टेढो जाय। फर्जी में एक खास तरह री अकड़ हुवे। सच्चो ग्यानी कदेयी आपरी योग्यता पर नाज़ नहीं करे न ही इतरावे पर फर्जी उस्ताद ने आपरी बुद्धि पर बड़ो घमंड हुवे ज्यों थोथा चना बाजे घणा...

हुक्म अगर आपा देश री प्रशासनिक व्यवस्था ने देखा तो कुछ हद तक इन तरह री ही है शिक्षा, चिकित्सा, पानी, बिजली, सड़क इन सबने निजी हाथों में सौंप दी है। आंतरिक सुरक्षा वास्ते भी 'सुरक्षा एजेंसियां' बणगी हैं। अब तो बस डिफेंस यानी सेना ने निजी हाथों में सौपणो बाकि है। हुक्म अब वो दिन भी दूर नहीं की आपाणी कल्याणकारी सरकार यों काम भी कर दिखावेला। फर्जी और निजी रे चक्कर में अगर कोई मरे तो बेचारो गरीब और ईमानदार इंसान। पैसे वाले रा पूत भले ही महान 'ठूंठ' ही क्यों न हुवे लेकिन मज़े सुं फर्जी डिग्री खरीद लेवे क्योंकि बड़ा-बड़ा विवि फर्जी उस्तादों रे बलबूते ही चल रिया है और करोड़ों कमा रिया है। जठे आमलेट री तरह फर्जी डिग्रियां मिल जावे जण चाह्वे ऑर्डर दे देवे-भैया पांच अंडे वाळी एक डिग्री बना दियो और उसमें थोड़ा जीनियस का मसाला भी डाल दियो। कल लड़की वाले देखण को आ रिये है।

फर्जी उस्तादों ने हज़ारो डिग्रियां बाँट करोड़ों कमा लिया। डिग्री रे बलबूते पद लेने ने समाज में कुरुतियां फैला रिया हैं। हुक्म अफ़सोस है उन युवक-युवतियों पर जो नाकाबिल हैं। भगवान भेजो नहीं दियो फिर भी बुद्धिमानी रो लेबल सर पर लगाने इतरावे। सही कहूँ तो हुक्म गलती याणी नहीं याणे माता-पिता री है जो ये चाहवे की समाज में औलादों री डिग्री पर शान रहवे की बच्चा बहुत होशियार है। हुक्म---

असली डिग्री वाळा री कद्र नहीं बक्से में ही रह जावे
फर्जी डिग्री वाळा ही समाज में हिंसा और भ्रष्टाचार फैलावे।।

- जुगलकिशोर सोमानी, जयपुर

राजिया रा दूहा

राजिया रा दुहा ..... प्रसिद्ध राजस्थानी कवि स्व. किरपा रामजी खिड़िया की रचना ....

काली भोत करूप कसतूरी काँटा तुले;
सक्कर घणी सरूप रोड़ा तुले, राजिया ......

अर्थ : कस्तुरी देखने में बेकार सी वस्तु लगती है, परन्तु कम उपलब्धि और अपने गुणों के कारण मिली ग्रामों में वजन होती है जबकि शक्कर (चीनी) देखने में बड़ी सुन्दर होते हुए भी क्विंटलों में तुलती है क्योंकि उसका गुण सिर्फ ऊपरी ही होता है. **आज के सन्दर्भ में :** आलोचना तो प्रत्येक अच्छे कार्य की ही होती है क्योंकि अनुशासन को मानने के लिए संयम की अति आवश्यकता होती है - जिसकी आज अत्यंत जरूरत है.

मुलाहिज़ा फरमाइये

अधूरे से रहते मेरे लफ्ज तेरे जिक्र के बिना
मानो जैसे मेरी हर शायरी की रूह तुम ही हो।

हजारों रिश्तों को तराशा, नतीजा एक ही निकला
जरूरत ही सबकुछ है, रिश्ते कुछ भी नहीं।

न माँग कुछ जमाने से, ये देकर फिर सुनाते हैं
किया एहसान जो एक बार, वो लाख बार जताते हैं।

हम आईना हैं, आईना ही रहेंगे, फिक्र वह करे
जिनकी शक्ल में कुछ और दिल में कुछ और है।

दुश्मनों के खेमे में चल रही थी, मेरे कत्ल की साजिश
मैं पहुँचा तो वो बोले, यार तेरी उम्र बहुत लम्बी है।

तेरी नेकी का लिबास ही तेरा बदन ढँकेगा ए बन्दे,
सुना है ऊपर वाले के घर, कपड़ों की दुकान नहीं होती।

हम झुकते हैं क्योंकि हमें रिश्ते निभाने का शौक है
वरना गलत तो हम कल भी नहीं थे और आज भी नहीं है।

▸▸ज्योत्सना कोठारी, मेरठ

कॉलोनी कल्चर

कॉलोनी भी एक पूरा संसार है। हर परिवार एक स्वतंत्र राष्ट्र है। हर परिवार सामाजिक, किंतु अजनबी। कॉलोनी कोई गाँव-खेड़ा तो है नहीं कि जाते-आते राम-राम हो गई। ओटले पर किसी के साथ बीड़ी के दो कश खींच लिए। बाहर से आने वाले को मुकाम तक पहुँचा दिया। यों कॉलोनी में मानवीय सोच के धनी है। संवेदनाओं के पारखी है। पढ़े-लिखे समझदार हैं। मगर अजनबी बने रहने की हद तक आदमी हैं। फिर कॉलोनी के अपने तौर-तरीके हैं। कोई रास्ते चलते, नमस्ते कर ले, तो हेठी न हो जाए? अगर कभी 'मुस्काऊ हेलो' हो जाए तो समझिए कि संबंध मधुर हैं और औपचारिकता के रेशमी आवरण में कोई कुछ बतिया ले, तो समझिए कि गहरा आत्मीय है।

कॉलोनी में रहते हुए मुझे लगता है कि मनुष्य एक अजनबी सामाजिक है। रोज ही शाम को मेमसाहिबा, साहिब और साहिबानुमा बच्चों को पर्दे या किसी खिड़की के कोने से बाहर झाँकते हुए ऐसे देखता हूँ, जैसे किसी घोंसले के भीतर से किसी चिड़िया के बच्चे। उड़ान के लिए उतावले, मिलन के लिए आतुर। मगर ये चिड़ियाएँ एटिकेटस कहाँ जानती हैं? वे तो चाहे जिसके साथ उड़ लेती हैं। चाहे जब फुर्र हो जाती हैं, खुले आसमान में। मगर कॉलोनी के पंछी-परिवारों की अपनी हदबंदियाँ हैं, उनकी अलग पहचान है। दो घरों के बीच की मेकमोहन रेखा को वे लाँघते नहीं हैं और घरों के बीच की दीवार को लाँघे बगैर ये स्वतंत्र राष्ट्र कॉलोनी के अंतर्राष्ट्रीय मसलों पर बतियाते रहते हैं।

कॉलोनी में हर चीज नीप-तुली होती है। प्लॉट तो नपे-तुले। बिल्ट-अप एरिया तो नपा हुआ। कमरों की साइज नपी हुई। आदमियत भी नपी-तुली। मुस्कान तो नपी-तुली। आना-जाना, खाना-पीना तक नपा-तुला। घर के बाहर के कायदे भी नपे-तुले। ऐसा लगता है जैसे इन लोगों ने मकान के नक्शे के साथ अपने मेकअप, अपनी मुस्कान, अपनी संवेदना, अपने तौर-तरीकों का भी एक औपचारिक नक्शा नगर पालिका से पास करवा लिया हो। इसीलिए वे प्लॉट-भर नहीं हँसते, बिल्ट-अप एरिया में ही मुस्कुराते हैं।

लेकिन मेरा मन अभी पूरा कॉलोनीय नहीं हुआ है। ठहाका लगाने का गँवई संस्कार अभी छूट नहीं पाया है। न दाँतों चबाए शब्द। न आत्मीयता दिखाऊँ मुस्कान। न, सोफे पर बोरियत तोड़ने की आदत। न ही करीने से रहने-पहनने के तौर-तरीके। न बातचीत के सलीके। न देखकर न देखने का अंदाज। न, जानकार न जानने की कूवत। अलबत्ता श्रीमतीजी कॉलोनी के इस औपचारिकतंत्र का पुर्जा जरुर बन गई है। जब कभी बनियान में बाहर निकल जाता हूँ, तो वे कनखियों से देखती हैं जब कभी पड़ोसी से बात करने को मचल जाता हूँ, तो वे टोक देती हैं। मुझे लगता है कि मेरे और पड़ोसी के बीच गोकुल और मथुरा जितनी दूरी है और बीच में भयावह जंगल है। ठीक भी है। अपने गरिमा दिखाऊ स्टेट्स की बलि चढ़ाकर कोई दो श्रीमान और श्रीमतियाँ मिल ही कैसे सकते हैं?

फिर भी मैं मिस्टर खीमा के औपचारिक निमंत्रण पर सपरिवार चला आया हूँ, अपनी मेकमोहन रेखा को लाँधकर। खूब सजा-संवरा स्वागत हुआ है। मिसेज खीमा कुछ लेने का आग्रह कर रही है। मगर श्रीमतीजी कह रही है-'अभी तो हम डिनर लेकर ही आए हैं।' बच्चों को तो मम्मी की तगड़ी ट्रेनिंग मिली हुई है। उनकी जीभ मीठे के लिए मचल रही है। मगर आँखें मम्मी के रिमोट कंट्रोल पर लगी हुई हैं। मेरा गँवई मन इन औपचारिकताओं का कायल नहीं है। सो, पूरा पीस उठा लिया। लेकिन मिठाई का दूसरा पीस उठाते-उठाते मिसेज खीमा से नजरें टकरा गईं। यह दूसरा पीस न खाते बना, न रखते बना। श्रीमतीजी शायद मेरी इस अकॉलोनीय हरकत से गड़ी जा रही थी, जो भी हुआ हो, पिछले तीन महीनों में मुझे मिस्टर खीमा ने नया निमंत्रण तो नहीं दिया है, मगर श्रीमतीजी बच्चों की तरह मुझे भी ट्रेंड करने पर तुली हुई हैं।

कॉलोनियाँ अजब किस्म का पर्दा रखती हैं। मगर मेकमोहन रेखा को लाँघे बगैर पास-पड़ोसी या दूरवर्ती की गतिविधियों को जानने के लिए राडार लगाए रखती हैं। उनकी दीवारें ही कर्ण-संवेदी होती हैं। कॉलोनी के परिवार अपने से ज्यादा दूसरों के बारे में जानते हैं। दूसरों के बारे में कयास लगाते हैं। किसी के यहाँ कार आकर खड़ी हो जाए, तो जिज्ञासाएँ करवट लेने लगती हैं। किसी के यहाँ रेफ्रिजरेटर आ जाए, तो जुगाड़ के तौर-तरीकों की आर्थिक-मीमांसा होने लगती है। मास्टर यदि रंगीन टीवी ले आए तो पूरी चीर-फाड़ हो जाती है। न रहा जाए तो बर्तन माँजने वाली से ही भेद लेने की आतुरता बनी रहती है और कॉलोनी में बर्तन माँजने वाली बाई भी सुबह-शाम वाला पूरा अखबार होती हैं। इन खबरों और संपादकीय टिप्पणियों को सुने बगैर चैन कहाँ आता है? कॉलोनी की एक चाल होती है। कॉलोनी-चाल ही कह लीजिए। टीवी, फ्रिज, स्कूटर-कार से ही आदमी की पहचान होती है। एक ले आया तो दूसरे के घर में करवटें बदलना

कॉलोनी में हर चीज नीप-तुली होती है। प्लॉट तो नपे-तुले। बिल्ट-अप एरिया तो नपा हुआ। कमरों की साइज नपी हुई। आदमियत भी नपी-तुली। मुस्कान तो नपी-तुली। आना-जाना, खाना-पीना तक नता-तुला। घर के बाहर के कायदे भी नपे-तुले।

▸▸ बी.एल. अच्छा, उज्जैन

शुरू। न आ जाए तो श्रीमतीजी अपने श्रीमान पर ही ब्लैक एंड व्हाईट होती रहती हैं। इसलिए किसी के यहाँ कोई नई चीज आई तो खटाखट बटन दबते हैं मिस्टर लोग उन चीजों के लिए लपकते हैं। आखिर पड़ोसी से माँगकर लेने में तो स्टेटस और स्वतंत्रता राष्ट्र की गौरव-गरिमा का सवाल खड़ा हो जाता है। दूसरे के वीसीआर पर फिल्म देख लेने की सामाजिक आ जाए, तो फिर कॉलोनी में रहने का मतलब ही क्या निकला?

देश की राजधानी की तरह रंगारंग होती है कॉलोनी के परिवार का ड्राइंग-रूम। माहवार किश्त चुकती जाए, मगर ड्राइंगरूम अभिजात्य बना रहे। कर्ज लदे धनवान हो जाएँ, मगर ड्राइंगरूम की मखमली रूमानियत अन्यों से होड़ लेती रहे।

घर में रोटी भले ही छोटी और पतली हो जाए, मगर ड्राइंगरूम निखरता चला जाए। आखिर कोई भी देश अपनी राजधानी से पहचाना जाता है, गँवई पगडंडियों से नहीं।

कॉलोनी के इन संप्रभु राष्ट्रों की भी अपनी विदेश नीति होती है, कुछ महाशक्तियाँ होती हैं। कुछ निर्गुट होते हैं और कुट गुटबाज भी। एक दूसरे के पारिवारिक संबंधों पर अंतर्राष्ट्रीय नजरें गड़ी रहती हैं। एक परिवार दूसरे के यहाँ विजिट दे आता है, तो बाकि लोग उसका अर्थ निकालते रहते हैं। फिर मेहमान परिवार को इस अंदाज में निमंत्रण देता है, जैसे मेहमान राष्ट्र-प्रमुख मेजबान राष्ट्र-प्रमुख को उसके देश आने का औपचारिक निमंत्रण देता है। यों कॉलोनी में अंतर्राष्ट्रीय महासभा की तरह 'बीसी' होती है। महासभा की समाप्ति के बाद पत्नी सदस्य अपने-अपने गुटों में मेजबान प्रतिनिधि द्वारा परोसे गए व्यंजनों की स्तुति-निंदा में मशगूल हो जाते हैं। बातों और स्वादों के चटखारों में गुफ्तगू होती रहती है।

ऐसा भी नहीं है कि कॉलोनी में सामाजिकता अजनबी ही बनी रहती है। लोग होली-दिवाली मिलते जरूर हैं। होली पर हल्के हाथ से गुलाल लगाते जरूर हैं। नाश्ते की प्लेट से मिठाई के छोटे से पीस का एक कोना तोड़ते जरूर हैं। मुस्कान के वाल्यूम को हँसी तक बढ़ाते जरूर हैं। मगर होली का ठहाका, रंगों की तरी, पिचकारियों की मार, भाभी से छेड़छाड़........ ना भई ना...... यह कॉलोनी के नक्शे का उल्लंघन है। चेहरे पर हँसी के बिल्ट अप एरिया का अतिक्रमण है।

श्री ॐ गं गणपतये नमः

संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष- यह माह आपके लिये कार्यों में सफलता देने वाला होगा। नौकरी में उन्नति मिलेगी। नये सम्पर्क से आर्थिक लाभ होगा। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। विभागीय परीक्षा में सफलता मिलेगी। बड़े लोगों का आशीर्वाद प्राप्त होगा। मकान, वाहन क्रय करेंगे। घर संबंधी परेशानी हल होगी। लंबी यात्रा के सुअवसर प्राप्त होंगे भाइयों से वैचारिक मतांतर बने रहेंगे। तनाव एवं चोट लगने का भय बना रहेगा। व्यय अधिक होगा।

वृषभ- इस माह में शुभ कार्य होंगे। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। प्रमोशन के अवसर मिलेंगे। अपनों का पूरा सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों को शिक्षा में लाभ, जीवन साथी से वैचारिक मतांतर बने रहेंगे। संतान की ओर से परेशानी भी बनी रहेगी। घर से दूर रहने के भी योग बनेंगे। परिवार में खुशी का वातावरण रहेगा। क्रोध न करें। माता-पिता से भी मतभेद बने रहेंगे।

मिथुन- यह माह आपके लिये सामान्य रहेगा। नये लोगों से लाभ, रुके कार्य पूरे होंगे। मित्रों का सहयोग मिलेगा, परिवार में उत्साह का वातावरण रहेगा। जीवन साथी का सहयोग और प्यार प्राप्त होगा। राजकीय कार्यों में भी सफलता मिलेगी। शत्रु परास्त होंगे। वाहन पर खर्च करेंगे। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। संतान के रुके कार्य पूरे होंगे जिससे प्रसन्नता मिलेगी। जल्दबाजी न करें, हानि होगी। परिवार में मांगलिक कार्य होंगे। सुखों में वृद्धि घर-परिवार में समय व्यतीत करेंगे।

कर्क- यह माह आपके लिये उन्नतिदायक रहेगा। मांगलिक कार्य होंगे। दाम्पत्य सुख प्राप्त होगा। पारिवारिक सुख में वृद्धि, शुभ समाचार मिलेगा। सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में भाग लेंगे। राजकीय कार्यों से लाभ मिलेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। न्यायालयीन प्रकरण में देरी होगी। वाद-विवाद से बचें। संतान को परीक्षा में सफलता मिलने से मन प्रसन्न होगा। यात्रा के योग बनेंगे। पीठ पीछे शत्रु कुचक्र रचेंगे। चोरी का भय रहेगा।

सिंह- यह माह आपके लिये अनुकूल रहेगा। शत्रु परास्त होंगे। अपनों से भेंट होगी। जीवन साथी का सहयोग रहेगा। परिवार में खुशी होगी। व्यापार में उन्नति होगी। नौकरी में प्रमोशन मिलेगा। राजकीय कार्यों से लाभ होगा। रुके कार्य समय पर पूरे होंगे। उच्चाधिकारी से लाभ। वाहन क्रय करेंगे। संतान के कार्य से प्रसन्नता प्राप्त होगी। खान-पान पर ध्यान रखें, उदर विकार से परेशानी रहेगी। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। पिता का स्वास्थ्य नरम-गरम रहेगा।

कन्या- यह माह आपके लिये सामान्य रहेगा। आध्यात्म में रुचि रहेगी। धन लाभ मिलेगा। हास-परिहास में समय व्यतीत होगा। व्यापार में वृद्धि होगी। नया मकान लेंगे। आत्मविश्वास से आगे बढ़ेंगे। भौतिक सुख-सुविधा प्राप्त होगी, किंतु संतान की ओर से परेशानी बनी रहेगी। मानसिक तनाव बना रहेगा। शत्रु से सावधानी बरतें। स्थानांतरण का भय बना रहेगा। खर्च अधिक रहेगा।

तुला- यह माह आपके लिये मिश्रित फलदायी रहेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। रुका धन प्राप्त होगा विद्यार्थी वर्ग को परीक्षा में सफलता मिलेगी। संतान के कार्य एवं उन्नति से प्रसन्नता मिलेगी। दाम्पत्य जीवन में उलझन उत्पन्न होगी। नये सम्पर्क का लाभ मिलेगा। ट्रांसफर होगा। संपत्ति खरीदेंगे। परिवार के साथ आउटिंग करेंगे। शुभ समाचार प्राप्त होगा। यात्रा के सुअवसर मिलेंगे। वाद-विवाद से बचें। दूसरों पर विश्वास एकदम न करें। शत्रु परास्त होंगे।

वृश्चिक- यह माह आपके लिये लाभदायक रहेगा। शुभ समाचार प्राप्त होगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। व्यवसाय में लाभ-मान-सम्मान और आय बढ़ेगी। दाम्पत्य सुख प्राप्त होगा। संतान की ओर से परेशानी बनी रहेगी। लंबी यात्रा के योग रहेंगे। परिवार में मांगलिक कार्य होगा। जल्दबाजी ना करें। जान-पहचान का लाभ मिलेगा। किसी पर भी आंख बंदकर विश्वास न करें। शत्रु से परेशानी उठाना पड़ेगी।

धनु- यह माह आपके लिये सामान्य रहेगा। दौड़-धूप अधिक रहेगी। लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। कार्य में देरी होगी। माता-पिता को परेशानी कष्ट रहेगा। रुका धन मिलेगा। पिता से लाभ मेहमानों के आगमन से खर्च बढ़ेगा। संतान के स्वास्थ्य से मानसिक तनाव बना रहेगा। जीवन साथी का पूरा सहयोग एवं दाम्पत्य सुख प्राप्त होगा। व्यापार में वृद्धि होगी। खर्च अधिक होगा। स्वास्थ्य नरम-गरम रहेगा, ध्यान रखें।

मकर- यह माह व्यस्तता दायक रहेगा। सफलता मिलेगी। धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में भाग लेंगे। अचानक यात्रा होगी। अपनों का पूरा सहयोग प्राप्त होगा। नौकरी में बदलाव करेंगे। पुराने मित्रों से भेंट होगी। जीवन साथी से वैचारिक मतांतर रहेंगे। व्यवसाय में भी उतार-चढ़ाव बना रहेगा। खर्च की अधिकता बनी रहेगी। संतान से मतभेद बने रहेंगे। अस्थिरता बनी रहेगी। विद्यार्थी वर्ग को अपने लक्ष्य में सफलता मिलेगी।

कुंभ- यह माह आपको मिश्रित फलदायी रहेगा। मित्रों एवं परिवारजनों से सहयोग मिलेगा। उन्नति का मार्ग प्रशस्त होगा। शुभ कार्यों में धन खर्च करेंगे। परीक्षा एवं अन्य कार्यों में सफलता मिलेगी। विद्या से लाभ होगा। अधिकारियों से सहयोग मिलेगा। सामाजिक धार्मिक उत्सव में रुचि रहेगी। पिता से वैचारिक मतांतर रहेंगे। संतान के कार्यों में भाग दौड़ बनी रहेगी। आलस्य को त्याग दें, नौकरी में ट्रांसफर का भय बना रहेगा।

मीन- यह माह आपके लिये अनुकूल रहेगा। मन प्रसन्न रहेगा। मान-सम्मान मिलेगा। स्त्री पक्ष से लाभ। संतान की उन्नति, शुभ समाचार मिलेगा। विशिष्ट लोगों के सम्पर्क से कार्य पूरे होंगे। न्यायालयीन प्रकरणों में सफलता संतान सुख प्राप्त होगा। अधिकारी प्रसन्न होंगे। जीवन साथी का पूरा सहयोग एवं दाम्पत्य सुख मिलेगा। खर्च अधिक होगा। बड़े लोगों का आशीर्वाद एवं सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार में वृद्धि होगी।

श्री दुर्गादास मूंधड़ा

भाटापारा (छग). सराफा के प्रतिष्ठित व्यापारी श्री दुर्गादास मूंधड़ा का निधन गत 16 सितंबर को हो गया। 5 माह पहले ही इनकी धर्मपत्नी का भी निधन हुआ था। मूंधड़ाजी की अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए। आप मैट्रिमोनियल बेवसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू माहेश्वरी डॉट ओआरजी की संचालिका शर्मिला राठी तथा अरुण, तरुण व सन्तोष मूँधड़ा के पिताजी थे। आप सरल व्यक्तित्व के धनी थे। वे अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं। आपकी अन्तिम यात्रा में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए तथा शोक स्वरूप पूरा सराफा बाजार बन्द रहा।

श्रीमती कमलाबाई काबरा

बड़नगर (उज्जैन)। जिला माहेश्वरी सभा उज्जैन के अध्यक्ष एवं श्री गौत्रास निवारणी गोपाल गौशाला बड़नगर के अध्यक्ष डॉ. वासुदेव काबरा एवं स्व. वैद्यश्री सुखानंद काबरा की माता श्रीमती कमलाबाई धर्मपत्नी स्व. श्री वैद्य मोतीलाल काबरा का गत 12 अक्टूबर को देहावसान हो गया। वे कृष्णचंद्र, सुरेंद्र, नवीन, नारायण, भगतराज, मदन, मुरलीधर, राजेंद्र, महेंद्र, पुरुषोत्तम, लोकेंद्र, डॉ. चारु, विवेक, डॉ. प्रखर व प्रणव की दादी थीं। श्री माहेश्वरी परिवार ने भी श्रीमती काबरा को श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्री गोविंदलाल मूंदड़ा

रायपुर (छग). स्व. श्री सुंदरलाल मूंदड़ा के सुपुत्र व समाज के वरिष्ठ श्री गोविंदलाल मूंदड़ा का गत दिनों स्वर्गवास हो गया। आप अपने पीछे भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गए हैं। आप अमरावती (महाराष्ट्र) के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री अनंतलाल दम्माणी के दामाद थे।

श्री गजानंद मूंदड़ा

उज्जैन. भाजपा के वरिष्ठ नेता, श्री माहश्वेरी मेवाड़ा थोक पंचायत ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष व ख्यात समाजसेवी श्री गजानंद मूंदड़ा का 76 वर्ष की अवस्था में 13 अक्टूबर गुरुवार को निधन हो गया। आप माहेश्वरी मेवाड़ा समाज के अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण मूंदड़ा के पिता थे। अंतिम यात्रा गोलामंडी स्थित निवास से निकली। श्री मूंदड़ा ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से सम्बद्ध होकर भी आजीवन अपनी निःस्वार्थ सेवा दी है। आपकी धर्मपत्नी उषादेवी मूंदड़ा उज्जैन महिला मंडल अध्यक्ष, अभा मारवाड़ी महिला सम्मेलन तथा अभा माहेश्वरी महिला संगठन की कार्यकारिणी सदस्य रह चुकी है। 'श्री माहेश्वरी टाईम्स' परिवार की ओर से अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

श्री रामस्वरूप अजमेरा

भीलवाड़ा. गाँधी-नगर निवासी व समाज सदस्य रतनलाल अजमेरा के पिताजी रामस्वरूप अजमेरा का गत 27 सितंबर को निधन हो गया। श्री अजमेरा समाजसेवी, धार्मिक व मिलसान सार व्यक्ति थे। आप अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

श्रीमती बालादेवी सोमानी

आगूंचा. समाज सदस्य केदारमल सोमानी के भाभीजी व कन्हैयालाल, महावीर प्रसाद, मुकेशकुमार सोमानी की माताजी श्रीमती बालादेवी सोमानी का गत दिनों देहावसान हो गया है। आप स्व. श्री गुलाबचंद सोमानी की धर्मपत्नी थीं।

श्री बृजमोहन माहेश्वरी

हैदराबाद. समाज के वरिष्ठ श्री बृजमोहन माहेश्वरी (ब्यावर वाले) का गत 5 सितंबर को 71 वर्ष की अवस्था में आकस्मिक निधन हो गया। आप व्यवस्थापक गीता प्रेस, प्रेसिडेंट सीआईएल सिक्योरिटी लिमिटेड, वाइस प्रेसिडेंट आंध्रप्रदेश पेपर मिल्स लिमिटेड, जनरल मैनेजर श्री सीमेंट लिमिटेड, पर्चेस मैनेजर स्टार पेपर मिल्स आदि के रूप में सेवा देते रहे थे। आप अपने पीछे मां रुक्मणि देवी, पत्नी पुष्पा माहेश्वरी, पुत्र श्रीनिवास माहेश्वरी संस्था हैदराबाद फाइन कॉर्पो, पुत्री टीना कोठारी, हेमा माहेश्वरी आदि का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

श्री पुष्कर मुथा

उदयपुर. समाजसेवी श्री पुष्करलाल मूथा का गत 2 अक्टूबर को देहावसान हो गया। स्व. श्री मूथा ने सक्रिय रूप से समाजसेवा के साथ आध्यात्म के क्षेत्र में भी अपनी महत्वपूर्ण सेवा दी थी। आप अपने पीछे भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गए हैं।

श्री रामचंद्र राठी

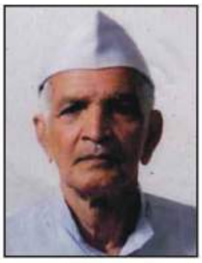

वायगांव. समाज के वरिष्ठ सदस्य श्री रामचंद्र राठी का 75 वर्ष की अवस्था में गत दिनों निधन हो गया। आप बालाजी मंदिर संस्थान के पूर्व अध्यक्ष थे। आप अपने पीछे भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गए हैं।

दिवंगत आत्माओं को 'श्री माहेश्वरी टाईम्स' परिवार की ओर से अश्रुपूरित श्रद्धांजलि...।

श्री माहेश्वरी टाईम्स

द्वारा शीघ्र प्रकाशन

ऐतिहासिक नगरी

जोधपुर

के गौरवशाली इतिहास,
गरिमामय माहेश्वरी संस्कृति
समाज के प्रतिष्ठित संगठन व समाज के
गौरव को समर्पित

जोधपुर विशेषांक

यदि आपके पास है इस सम्बन्ध में विस्तृत
जानकारी तो अवश्य लिख भेजें.
विज्ञापनदाताओं से विज्ञापन भी आमंत्रित हैं.

विस्तृत जानकारी के लिए सम्पर्क करें

विशेषांक प्रभारी- **श्रीमती स्वाति जैसलमेरिया** (मो. 75680-76940)
श्री हरिप्रकाश राठी (मो. 94141-32483)

श्री माहेश्वरी टाईम्स

90, विद्या नगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) - 456010, दूरभाष - 0734-2526561, 2526761, मोबाइल - 094250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com

नोट - आलेख प्रकाशन का अन्तिम निर्णय सम्पादक मण्डल का होगा.

ॐ

शुभं करोति कल्याणं
आरोग्यं धनसम्पदा।
शत्रुबुद्धिविनाशाये
दीपज्योति नमोऽस्तुते॥

सभी स्नेहीजनों को दीपावली पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएँ

पद्मश्री बंशीलाल राठी

पूर्व सभापति,
अखिल भारतवर्षीय महासभा
कार्याध्यक्ष,
श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केन्द्र

1, दामोदर मूर्ति रोड, किलपॉक गार्डन, चैन्नई (तमिलनाडु)-600010
फोन : 044-25290137, मो. 098400 42217

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2013-2016
Despatch Date - 02 November, 2016

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah),
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. 0734-2526561, 2526761, Mo. : 94250 91161
E-mail : smt4news@gmail.com

FREE REGISTRATION AT www.srimaheshwarimelapak.com

हार्दिक शुभकामनाएँ
india.com
आपको एवं आपके परिवार को 'धनतेरस' की
हार्दिक शुभकामनाएँ
सन्तोष मेहर एवं परिवार

ॐ

शुभं करोति कल्याणं
आरोग्यं धनसम्पदा ।
शत्रुबुद्धिविनाशाये
दीपज्योति नमोऽस्तुते ॥

आपको एवं आपके परिवार को
दीपावली पर्व की

हार्दिक शुभकामनाएँ

शंकर सोनी

भीलवाड़ा

मो. 98281 39404

ॐ
शुभं करोति कल्याणं
आरोग्यं धनसम्पदा ।
शत्रुबुद्धिविनाशाये
दीपज्योति नमोऽस्तुते ॥
आपको एवं आपके परिवार को
दीपावली पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएँ
शंकर सोनी
भीलवाड़ा
मो. 98281 39404

ॐ

शुभं करोति कल्याणं
आरोग्यं धनसम्पदा ।
शत्रुबुद्धिविनाशाये
दीपज्योति नमोऽस्तुते ।।

श्री माहेश्वरी टाईम्स
के समस्त प्रबुद्ध पाठकगणों को
दीपावली पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएँ

शंकर सोनी
क्षेत्रीय प्रतिनिधि, भीलवाड़ा
मो. 98281 39404